CTET

2021 -22

PAPER 1 & 2

HINDI

PAPER 1 & 2

YouTube

SACHIN CHOUDHARY

SACHIN ACADEMY

FARMAN MALIK

CP STUDY POINT

SACHIN ACADEMY

WARNING

YouTube

The E-Notes is Proprietary & Copyrighted Material of Sachin Academy. Any reproduction in any form, physical or electronic mode on public forum etc will lead to infringement of Copyright of Sachin Academy and will attract penal actions including FIR and claim of damages under Indian Copyright Act 1957.

ई-नोट्स Sachin Academy के मालिकाना और कॉपीराइट सामग्री है। सार्वजनिक मंच आदि पर किसी भी रूप, भौतिक या इलेक्ट्रॉनिक मोड में किसी भी तरह फैलाने से Sachin Academy के कॉपीराइट का उल्लंघन होगा और भारतीय कॉपीराइट अधिनियम 1957 के तहत प्राथमिकी और क्षति के दावे सहित दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

SACHIN ACADEMY

भाषा - हिंदी

भाषा अधिगम एवं अर्जन

भाषा अर्जन

भाषा अर्जन एक ऐसी प्रक्रिया है। जिसके अंतर्गत बच्चा अपने आस पास के वातावरण, परिवार में रहकर भाषा को सीखता है। वह दूसरो का अनुकरण करके भाषा को सीखता है। यह एक प्राकृतिक प्रकिया है। इसके लिए कोई औपचारिक साधन की आवश्यकता नही पड़ती है। यह एक प्रकार से मातृ भाषा या क्षेत्रीय भाषा होती है।

भाषा अर्जन से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदु

- भाषा अर्जन की प्रक्रिया सहज और स्वभाविक होती हैं।
- इसमें किसी व्याकरण की आवश्यकता नहीं होती हैं।
- भाषा अर्जन में सर्वाधिक महत्त्व परिवार व समाज का होता हैं।

भाषा अधिगम

- अधिगम का तात्पर्य होता है सीखना। किसी भी प्रकार के अधिगम की प्रक्रिया जीवनभर चलती रहती है। इसमें औपचारिक साधनों का प्रयोग किया जाता है।
- भाषा अधिगम में नियम और व्याकरण का प्रयोग किया जाता है।
- इसे द्वितीय भाषा के नाम से जानते है।

भाषा अधिगम से संबंधित तथ्य

- इसमें भाषा के नियम सीखे जाते हैं।
- भाषा अधिगम औपचारिक शिक्षा के द्वारा किया जाता हैं |
- भाषा अधिगम विद्यालय में प्रारम्भ होता हैं।

SACHIN ACADEMY

- भाषा अधिगम में बच्चों को प्रयास करना पड़ता हैं।
- इसमें व्याकरण की आवश्यकता होती हैं।
- भाषा अधिगम में शिक्षक, विद्यालय पाठ्यक्रम ,पाठ्यपुस्तके ,शिक्षण पद्धतियाँ आदि की भूमिका रहती हैं।

अधिगम के प्रकार

- **क्रियात्मक अधिगम -** क्रियात्मक अधिगम में सीखने के लिए क्रियाओ के स्वरूप और क्रियाओ की गति पर ध्यान दिया जाता है।
- **शाब्दिक या वाचिक अधिगम -** शाब्दिक या वाचिक अधिगम या सीखने में संकेतो , चित्रों ,शब्दों , अंको , आदि के माध्यम से सीखना होता हैं।
- **विचारात्मक अधिगम -** विचारात्मक अधिगम में व्यक्ति समाज में दैनिक जीवन अनुभवो को देख कर या सुनकर और विचार करके सीखा जाता हैं।

SACHIN ACADEMY

भाषा अधिगम एवं अर्जन के संदर्भ में विद्वानों के विचार

वाइगोत्स्की के अनुसार- बच्चों की भाषा समाज के साथ सम्पर्क का ही परिणाम हैं।

पियाजे के अनुसार- भाषा अन्य संज्ञानात्मक तंत्रो की भाति परिवेश के साथ अन्तःक्रिया के माध्यम से ही विकसित होती हैं।

चॉम्स्की के अनुसार- "भाषा अर्जन की क्षमता बालकों में जन्मजात होती है और वह भाषा की व्यवस्था को पहचानने की शक्ति के साथ पैदा होता है।"

भाषा शिक्षण के सिद्दांत

अनुबन्ध के सिद्धांत या साहचर्य का सिद्धांत :- शैशवावस्था मे बच्चे किसी शब्द की पहचान किसी वस्तु या व्यक्ति से उस शब्द का साहचर्य (सम्बन्ध) स्थापित करके सीखते हैं। अर्थात शैशवावस्था मे सीखने की प्रक्रिया मूर्त होती है।

जैसे :- पानी कहने के साथ-साथ जब बच्चे को पानी दिया जाता है तो वह बच्चा धीरे-धीरे पानी शब्द व पानी वस्तु के बीच सम्बन्ध स्थापित करके उसे समझने लगता है।

अनुकरण का सिद्धांत :- इस सिद्धांत का प्रयोग बालक के आरम्भिक शिक्षा मे प्रभावी होता है । इसके अन्तर्गत बालक अपने परिवार, समाज आदि का अनुकरण (नकल करके) करके सीखता है। इस तरह के अधिगम मे भाषा का गुण-दोष समाज, परिवार आदि पर निर्भर करता है।

अभिप्रेरणा एवं रूचि का सिद्धांत या पूनर्बलन का सिद्धांत :-किसी कार्य की सफलता हमे अभिप्रेरित करती है कि हम और बेहतर कार्य करे। और किसी कार्य की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि हम उस कार्य मे कितनी रूचि लेते है अर्थात

बालक का शिक्षा के प्रति रूचि और उत्साह उसे सीखने के लिए प्रेरित करती है। अत: शिक्षण सम्बन्धी पाठ्य सामग्री, पाठ्-वस्तु आदि का निर्माण व चयन बच्चों के रूचि के अनुसार होना चाहिए एवं उसे सदैव सीखते रहने के लिए अभिप्रेरित करते रहना चाहिए ।

क्रियाशीलता का सिद्धांत :- यह सिद्धांत करके सीखने पर बल देता है। जब बालक किसी कार्य को स्वत: करके सीखता है तो वह उसे जल्दी और आसानी से सीख व समझ लेता है। अत: बालको को सदैव खुद से करके सीखने के लिए पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराना चाहिए।

SACHIN ACADEMY

अभ्यास का सिद्धांत:- किसी भी चीज़ को सीखने के लिए अभ्यास सबसे महत्वपूर्ण होता है क्यूंकि उसी से वह हमारे व्यवहार में आती है। भाषा प्रयोग के अधिक से अधिक अवसर मिलने से बच्चों का भाषा विकास जल्दी हो जाता है।

आवृत्ति का सिद्धांत :- भाषा सीखने में आवृत्ति का बहुत महत्व है। सीखी हुई बात को जितना अधिक दोहराया जाएगा वह उतने ही अधिक देर तक याद रहेगी। इसलिए भाषा शिक्षण में पुनरावृत्ति पर भी विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता होती है।

अनुपात और क्रम का सिद्धांत:- भाषा कौशल के चारो प्रारूपो (श्रवण, वाचन, पठन एवं लेखन) मे निपुणता के लिए अभ्यास क्रम मे समान अनुपात बनाये रखने पर जोर देता है।

SACHIN ACADEMY

भाषा के कार्य एवं इसके विकास में बोलने एवं सुनने की भूमिका

भाषा के कार्य

अभिव्यक्ति का साधन :- भाषा व्यक्ति को अपनी आवश्यकता, इच्छा, भावनाएँ आदि अभिव्यक्ति करने में सहायता करती है।

सामाजिक संबंध स्थापित करने में सहायक :- सामाजिक संबंध बनाने के लिए हम भाषा का प्रयोग करते हैं।

भाषा मानव विकास का मूल आधार है :- भाषा की शक्ति के माध्यम से ही मनुष्य प्रगति के पथ पर अग्रसर हुआ है भाषा के अभाव में मनुष्य विचार नहीं कर सकता और विचार के अभाव में वह अपने ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में प्रगति भी नहीं कर सकता है

ज्ञान की प्राप्ति में सहायक:- नये ज्ञान की प्राप्ति के लिए भाषा बहुत ही आवश्यक हैं।

शिक्षा प्राप्ति में सहायक:- शिक्षा प्राप्त करने के लिए भाषा की आवश्यकता होती हैं।

भाषा मानव सभ्यता एवं संस्कृति की पहचान है :- जैसे-जैसे मानव समाज ने अपनी भाषा में प्रगति की वैसे वैसे उसकी सभ्यता एवं संस्कृति में विकास हुआ है ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में प्रगति हुई और श्रेष्ठ साहित्य का भी सृजन हुआ है।

भाषा विकास में सुनने की भूमिका

- बच्चा अपने परिवार व समाज के लोगो को बोलते हुए सुनता है तथा उनका अनुकरण करता हैं। और बोलने की कोशिश करता है।
- सुनने के माध्यम से बच्चे में शुद्ध उच्चारण करने के कौशल का विकास होता है सुनने के माध्यम से ही बच्चा बोलने में आने वाली उच्चारण संबंधी अशुद्धियों को दूर करने में सफल होता है।
- सुनने के माध्यम से ही एक बालक के शब्द भंडार में वृद्धि होती है जिससे उसकी भाषा विकास में भी वृद्धि होती है।
- सुनना, ध्वनि के विभेदीकरण का सबसे अच्छा माध्यम है इसके द्वारा बालक स्वर के उतार-चढ़ाव को सीख जाता है ।
- सुनने के माध्यम से बच्चा दूसरों की भावनाओं , विचारो को जान पता है ।
- सुनना अन्य भाषा कौशलों के विकास में भी बहुत सहायक होता है जैसे वाचन कौशल, लेखन कौशल के विकास में

SACHIN ACADEMY

भाषा विकास में बोलने की भूमिका

- बोलकर हम अपनी भावनाओं तथा विचारो को अभिव्यक्त करते हैं।
- बोलने से ही बच्चा शुद्ध उच्चारण सीखता हैं।
- बोलकर ही बच्चा कुशलता भाषा प्रवाह प्राप्त करता हैं।
- बात चीत के द्वारा सामाजिक संबंधों का निर्माण होता हैं।

भाषा अधिगम में व्याकरण की भूमिका

- विद्यार्थियों को शुद्ध उच्चारण की शिक्षा प्रदान करना ।
- विद्यार्थियों में भाषा की अशुद्धता को समझने की शक्ति का विकास करना ।
- छात्रों को वाक्य रचना के नियम एवं विराम चिन्हों का शुद्ध प्रयोग आदि का ज्ञान कराना ।
- अधिगम में व्याकरण की भूमिका से बच्चो के चारो भाषा कौशल का विकास होता है।
- भाषा का शुद्ध प्रयोग करने तथा भाषा में दक्षता प्राप्त करने में व्याकरण मुख्य भूमिका निभाती है।
- विद्यार्थियों को विभिन्न ध्वनि का ज्ञान देना।
- यह बच्चों में भाषा संबंधी अभिव्यक्ति का विकास करने में भी सहायक है।
- यह छात्रों को लेखन शैली में मुहावरों, लोकोक्तियों का प्रयोग करने का शिक्षण देकर उनके लेखन कौशल में विकास करने में सहायक है।
- व्याकरण से छात्रों में विभिन्न नए नए शब्दों की समझ विकसित हो जाती है।
- यह छात्रों को गद्य पद्य में अंतर समझा कर उनके लेखन कौशल का विकास करने में सहायक है।

SACHIN ACADEMY

- व्याकरण छात्रों के लेखन में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, प्रत्यय, उत्तर, तथा तत्सम शब्द, तद्भव शब्द आदि के प्रयोग से उनके लेखन कौशल में विकास करने में सहायक है
- व्याकरण विधियों को शुद्ध सूक्ति, लोकोक्ति, मुहावरे आदि का अर्थ निकालने के योग्य बनाता है।

व्याकरण की शिक्षण विधि

आगमन विधि :- इस विधि में अनुभवों, उदाहरणों तथा प्रयोगों का प्रत्यक्ष अध्ययन करके नियम बनाए जाते हैं। यह शिक्षण पद्धति "छात्र-केंद्रित" पद्धति है, जो छात्रों को "करकर सीखने" पर जोर देती है। यह एक मनोवैज्ञानिक तरीका है।

इस विधि में कुछ शिक्षण सूत्रों का पालन किया जाता है जैसे :- ज्ञात से अज्ञात की ओर, सरल से कठिन की ओर , मूर्त से अमूर्त की ओर , स्थूल से सूक्ष्म की ओर , सामान्य से विशिष्ट की ओर ।

निगमन विधि :- इस पद्धति में विद्यार्थियों को पहले नियमों का ज्ञान दिया जाता है, फिर उन नियमों को एक "उदाहरण" देकर समझाया जाता है। इस पद्धति को "शिक्षक-केंद्रित" विधि कहा जाता है जिसमें शिक्षक सभी नियमों को पढ़ाता है।

इस विधि में कुछ शिक्षण सूत्रों का पालन किया जाता है जैसे - अज्ञात से अज्ञात की ओर , अमूर्त से मूर्त की ओर , सूक्ष्म से स्थूल की ओर , नियम से उदाहरण की ओर।

अनुकरण विधि

SACHIN ACADEMY

इस विधि में बालक अनुकरण करके सीखता है इस लिए इस विधि को अनुकरण विधि कहा जाता है। इस विधि में बालक अपने शिक्षक का अनुकरण (नकल) करके लिखना, पढ़ना व नवीन रचना करना सीखता है। इस विधि के अन्तर्गत बालक शिक्षक के उच्चारण को सुनकर वाचन करना सीखते हैं। पहले शिक्षक बोलता है, फिर बच्चे उसका अनुसरण करते है।

व्याख्यान विधि

व्याख्यान विधि में किसी तथ्य , विषय की व्याख्या की जाती है। व्याख्यान विधि को शिक्षण की सबसे प्राचीन विधि माना जाता है। इस विधि में शिक्षक की भूमिका प्रमुख होती है इसलिए इसे शिक्षक केंद्रित शिक्षण विधि मानी जाती है।

भाषा संसर्ग विधि

यह एक व्याकरण शिक्षण की विधि है। इस विधि में रचनाओं के माध्यम से व्याकरण का ज्ञान दिया जाता है। प्राथमिक कक्षाओं हेतु यह विधि काम में ली जाती है। इस विधि के द्वारा छात्रों को अच्छे लेखन की पुस्तकों के माध्यम से व्याकरण का ज्ञान दिया जाता है।

SACHIN ACADEMY

कक्षा-कक्ष में बहुभाषिकता एक संसाधन के रूप में

- बहुभाषिक कक्षा विद्यार्थियों के शब्द भण्डार में वृद्धि करती है। बच्चे अपने विचारों को अपनी मातृ भाषा में सहज रूप से व्यक्त करते है जिससे उनके मौखिक कौशल का विकास होता है। बहुभाषिकता का गुण बच्चों में रचनात्मकता का विकास करने में सहायक होता है।

- कक्षा में विभिन्न भाषाओं का प्रयोग करना सांस्कृतिक आदान-प्रदान का भी माध्यम है। भिन्न-भिन्न भाषाओं के प्रयोग करने से सभी छात्रों को एक-दूसरे की भाषा समझने का अवसर मिलता है तथा वह अपनी मातृभाषा का सम्मान करने के साथ ही दूसरों की भाषाओं एवं संस्कृतियों का सम्मान करना सीखते हैं।

- बहुभाषिक क्षमता संज्ञानात्मक वृद्धि, सामाजिक सहिष्णुता, विस्तृत चिन्तन और बौद्धिक उपलब्धियों के स्तर को बढ़ाती है, इसलिए भाषाओं को विद्यालयों में एक संसाधन के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।

- अलग-अलग भाषिक पृष्ठभूमियों से होने के कारण बच्चों के शब्दों व उनके उच्चारण में भिन्नता पाई जाती है, इसलिए भाषिक पृष्ठभूमि के आधार पर किसी को पीछे नहीं छोड़ा जा सकता। बच्चो की भाषा विविधता को एक संसाधन के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।

- इस बात के प्रमाण भी मिले हैं कि द्वि-भाषी बच्चों की वैचारिक क्षमता अन्य बच्चों की तुलना में अच्छी होती है।

SACHIN ACADEMY

कक्षा-कक्ष में बहुभाषिकता एक चुनौती के रूप में

- **बच्चों पर क्षेत्रीय भाषाओं का प्रभाव :-** भारत एक बहुभाषी देश है। विभिन्न क्षेत्रों की अपनी भाषा होती है और क्षेत्रीय भाषाओं का छात्रों पर प्रभाव पड़ता है, जो शिक्षण प्रक्रिया में एक चुनौती है।

- **छात्रों में भाषाई कौशल विकसित करने की चुनौती:-** भाषाई विविधता के कारण छात्रों को भाषा कौशल के विकास में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि क्षेत्रीय भाषा के प्रभाव का भाषाई कौशल पर भी प्रभाव पड़ सकता है।

- **शिक्षक के लिए बहुभाषा की चुनौती :-** यदि किसी शिक्षक को अपने क्षेत्र से दूर किसी अन्य क्षेत्र में पढ़ाने के लिए कहा जाता है जहां वह शिक्षक वह भाषा नहीं जानता जो उस क्षेत्र में बोली जाती है, तो वहां शिक्षक द्वारा बच्चो को पढ़ाना एक चुनौती होती है।

- **भाषा के प्रति बच्चों की रुचि और योग्यता का अभाव :-** भाषा शिक्षण की समस्याओं में से एक समस्या यह है कि छात्रों में भाषा के प्रति रुचि और प्रवृत्ति की कमी होती है, जिससे भाषा शिक्षण का कार्य अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

- **अधिक भीड़-भाड़ वाली कक्षाएँ :-** अधिक भीड़-भाड़ वाली कक्षाएँ आमतौर पर शिक्षक की भाषा को प्रभावी ढंग से पढ़ाने की क्षमता को कम कर देती हैं और शिक्षार्थियों के भाषा शिक्षण को प्रभावित करती है।

- **अध्ययन सामग्री की कमी :-** भाषा विविधता वाली कक्षा में भाषा शिक्षण के लिए अध्ययन सामग्री की कमी भी एक समस्या है।

SACHIN ACADEMY

भाषा-कौशल

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और समाज में अन्य व्यक्तियों से सम्प्रेषण स्थापित करने के लिए वह बोलकर या लिखकर अपने भावों एवं विचारों को अभिव्यक्त करता है तथा सुनकर या पढ़कर दूसरो के विचारों को ग्रहण करता है। इस प्रकार भाषा के दो

अभिव्यक्तात्मक कौशल है **बोलना** और **लिखना** इन दोनों माध्यम से हम अपने विचारो को अभिव्यक्त कर सकते है। और भाषा के दो ही **ग्रहणयात्मक कौशल** है **सुनना** और **पढ़ना** इन दोनों माध्यम से हम दुसरो के विचारो या उनकी बातो को ग्रहण कर सकते है। भाषा से सम्बन्धित इन चारों क्रियाओं के प्रयोग करने की क्षमता को भाषा-कौशल कहा जाता है।

इनका विकास एवं इनमें दक्षता प्राप्त करना ही भाषा शिक्षण का उदेश्य है। भाषा शिक्षण के लिए आवश्यक चारों कौशल परस्पर एक-दूसरे से **अन्त:सम्बन्धित** होते हैं। प्रत्येक कौशल का विकास किसी न किसी रूप में एक-दूसरे पर निर्भर करता है।

भाषा के चारो कौशल **क्रम से नहीं** सीखे जाते बल्कि सभी **एक साथ** सीखे जाते है। जैसे बच्चा सुनने के साथ - साथ बोलना भी सीखता है। और पढ़ने के साथ - साथ लिखना भी सीखता है।

SACHIN ACADEMY

भाषा कौशल को चार प्रकारों में विभाजित किया गया है

- **श्रवण कौशल** (सुनकर अर्थ ग्रहण करने का कौशल)
- **वाचिक या मौखिक अभिव्यक्ति कौशल** (विचारों को बोलकर व्यक्त करने का कौशल)
- **पठन कौशल** (पढ़कर अर्थ ग्रहण करने का कौशल)
- **लेखन कौशल** (विचारों को लिखकर व्यक्त करने का कौशल)

1. श्रवण कौशल (सुनना) :- भाषा को श्रवण कौशल के माध्यम से ग्रहण किया जाता है। केवल सुनना मात्र ही श्रवण कौशल नहीं है बल्कि वक्ता या प्रवक्ता की बात को

सुनकर उसके अर्थ को उसी प्रकार ग्रहण करना जिस प्रकार वो बात अभिव्यक्त की जा रही है श्रवण कौशल कहलाता है।

2. वाचन कौशल (बोलना) :- अपनी बात या विचारों को दूसरो के सामने प्रकट या अभिव्यक्त करना वाचन (बोलना) कौशल कहलाता है वाचन कौशल तभी प्रभावी माना जाएगा जब हम अपनी बात या विचारो को इस प्रकार से अभिव्यक्त करे की सुनने वाला हमारी बात को अच्छे से समझ जाए और उस पर इसका प्रभाव हो तो ये एक अच्छे वाचन कौशल का उदहारण है।

3. पठन कौशल (पढ़ना) :- किसी विषय को पढ़कर उसके अर्थ को ग्रहण करना पठन कौशल कहलाता है , श्रवण की अपेक्षा पठन कौशल से स्थाई ज्ञान की प्राप्ति होती है ।

पठन दो प्रकार का होता है-

(i) सस्वर पठन। **(ii)** मौन पठन।

4. लेखन कौशल (लिखना) :- अपने विचारो या बातो को लिखकर अभिव्यक्त करना लेखन कौशल कहलाता है। इस कौशल में भाषा को स्थायित्व दिया जाता है और इसमें वर्तनी या शुद्धता को अत्यधिक महत्व दिया जाता है।

SACHIN ACADEMY

भाषा शिक्षण में मूल्यांकन

मूल्यांकन

सीखने - सिखाने की निश्चित अवधि के बाद बच्चो की वास्तविक उपलधि स्तर को जांचना मूल्यांकन कहलाता है। मूल्यांकन पठन-पाठन प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा है। यह

एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है आकलन और मूल्यांकन दोनो का उद्देश्य बच्चों की क्षमता अनुभूति तथा अधिगम का मापन करना होता है ।

आकलन की प्रक्रिया मूल्यांकन करने के लिए की जाती है। अर्थात् 'आकलन' मूल्यांकन के दौरान होने वाली प्रक्रिया है। आकलन एक संक्षिप्त प्रक्रिया है और मूल्यांकन एक व्यापक प्रक्रिया है। आकलन के बाद मूल्यांकन किया जाता है।

मुल्यांकन के उद्देश्य

- बच्चों में अपेक्षित व्यवहार एवं आचरण परिवर्तन की जांच करना।
- बालको की योग्यताओं, कुशलताओं, रुचियों आदि का पता लगाना एवं उनके अनुसार शिक्षण विधि को अपनाना।
- इससे अध्ययन और अध्यापन दोनों का मापन कर सकते है।
- विद्यार्थियों के भाषायी कौशलों की प्रगति का आकलन करना।
- बालको के चहुमुंखी विकास की निरन्तर गति प्रदान करता है।
- उपचारणात्मक शिक्षण प्रदान करना ।
- विद्यार्थियों का सतत मूल्यांकन करके भाषा शिक्षण में आने वाली कठिनाइयों को दूर करना।
- बच्चो की अधिगम में होने वाली कठिनाइयों का पता लगाना। और उन्हें दूर करने की सही रणनीति बनाना ।

मूल्यांकन का महत्व

- शिक्षण के उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक है!
- बच्चों को अध्ययन की ओर अग्रसित करता है।
- बच्चों की कमजोरियों को जानने में सहायक होता है।

- बच्चों की प्रगति में सहायक है।
- शैक्षिक व व्यावसायिक मार्गदर्शन में सहायक है।

मूल्यांकन के प्रकार

रचनात्मक/निर्माणात्मक मूल्यांकन :- बच्चों की लगातार प्रतिपुष्टि (Feedback) के लिए रचनात्मक मूल्यांकन सहायक है । रचनात्मक मूल्यांकन से अध्यापक पढाते समय यह जाँच करते है कि बच्चो ने ज्ञान को कितना अर्जित किया है। रचनात्मक मूल्यांकन पाठ के बीच में से किया जाता है।

निदानात्मक मूल्यांकन :- बच्चो को अधिगम (सीखने) के दौरान होने वाली कठिनाइयों का पता लगाना ओर उन कठिनाइयों के कारण का पता लगाना निदानात्मक मूल्यांकन कहलाता है।

योगात्मक मूल्यांकन :- योगात्मक मूल्यांकन सत्र के अंत में होता है। अध्यापक द्वारा पढ़ाने के बाद ये देखना कि बच्चों ने ज्ञान को कितना ग्रहण किया है योगात्मक मूल्यांकन कहलाता है । जैसे - किसी पाठ को पढाने के बाद जब अध्यापक बच्चों से प्रश्न करता है तो वह योगात्मक मूल्यांकन कहलाता है।

बच्चों की भाषा का आकलन करने के लिए उचित तरीके

- बच्चों द्वारा विभिन्न सन्दर्भो में भाषा-प्रयोग के अवसर देना।
- बच्चो से प्रश्न पूछना और पढ़ी गई सामग्री पर उनसे प्रतिक्रिया व्यक्त करवाना।
- बच्चो से उनके अपने अनुभवों को लिखवाना।
- सुनी गई कहानी को बच्चो से अपने शब्दों में लिखवाना।

- बच्चों के भाषा-प्रयोग का अवलोकन करना ।
- बच्चों को चित्र-वर्णन और प्रश्न पूछने के अवसर देना।

पोर्टफोलियो

- **पोर्टफोलियो एक प्रकार की फाइल होती है जिसमे किसी बच्चे के एक निष्चित अवधि में किये गए कामो का संग्रह (collection) होता है।**
- **इसमें बच्चे की उपलब्धियों, प्रगति और कमियों को भी रखा जाता है।**
- **पोर्टफोलियो से बच्चे की महत्वपूर्ण जानकारियाँ मिलती है। जैसे - व्यक्तिगत, पारिवारिक शैक्षणिक/सहशैक्षिणिक, सांस्कृतिक तथा सामाजिक जानकारी आदि।**
- **बच्चो के पोर्टफोलियो बनाने का ये उद्देश्य होता है की इसकी सहायता से उनका मूल्याँकन करना आसान हो जाता है।**

समग्र एवं सतत मूल्यांकन

बच्चों के लिए नि: शुल्क और अनिवार्य शिक्षा अधिनियम (RTE - 2009) के अनुसार C.C.E. को प्रत्येक बच्चे की प्रांरभिक शिक्षा पूरी होने तक लागू किया जाए ।

C.C.E. में सतत का अर्थ है कि बच्चो के सीखने मैं कहाँ - कहाँ कमी रह गई है जिसके आधार पर सीखने में सुधार के लिए शिक्षक उचित समय पर आवश्यक कदम उठा सकता है साथ में यह भी पता लगा सकता है कि बच्चा सीखने में कहाँ कठिनाई का अनुभव कर रहा है।

C.C.E. के दुसरे घटक समग्र मूल्यांकन का अर्थ बच्चे में सर्वागीण प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त करने से है।

उपचारात्मक शिक्षण

उपचारात्मक शिक्षण निदानात्मक परीक्षण के बाद आता है क्योंकि नैदानिक परीक्षण के द्वारा पहले छात्रों की अधिगम में होने वाली कठिनाइयों की जानकारी प्राप्त की जाती है और उसके बाद उपचारात्मक शिक्षण के द्वारा उन्हें दूर करने का प्रयास किया जाता है।

उपचारात्मक शिक्षण का महत्व

- बच्चो के सीखने के दौरान आने वाली कठिनाइयों को दूर करने का प्रयत्न किया जाता है।
- बालकों की क्षमता को सही दिशा में मोड़ने में सहायता मिलती है।
- बालकों की व्यक्तित्व संबंधी समस्याओं का निराकरण हो जाता है।
- उपचारात्मक शिक्षण से बच्चो के आत्मविश्वास में वृध्दि होती है।
- छात्रों द्वारा की जाने वाली त्रुटियों में सुधार के साथ-साथ भविष्य में होने वाली त्रुटियों से भी बचाव हो जाता है।
- शिक्षण रोचक उद्देश्य पूर्ण व प्रभावशाली बनाने में सहायता मिलती है।

शिक्षण सहायक सामग्री

छात्रों में अध्ययन के प्रति रुचि उत्पन्न करने व ज्ञान को स्थाई बनाने के लिए शिक्षक को शिक्षण कार्य के दौरान अनेक प्रकार के साधनों का प्रयोग करना पड़ता है अतः जो

भी साधन छात्रों के अधिगम में सहायक होते हैं वे सहायक सामग्री या शिक्षण अधिगम सामग्री कहलाते हैं।

शिक्षण सहायक सामग्री के प्रकार

- **श्रव्य सहायक सामग्री :-** इस प्रकार की सामग्री से बच्चे सुनकर ज्ञान को अर्जित करते है। इसके उदाहरण है , रेडियो, टेप रिकॉर्डर, ग्रामोफोन, चल चित्र, आदि।

- **दृश्य सहायक सामग्री :-** इस प्रकार की सामग्री से बच्चे देखकर ज्ञान को अर्जित करते है। इसके उदाहरण है , श्यामपट्ट, बुलेटिन बोर्ड, फ्लेनील बोर्ड, मानचित्र, ग्लोब, चित्र, रेखाचित्र, कार्टून, मॉडल, पोस्टर, स्लाईड्स, फिल्म स्ट्रीप्स आदि।

- **श्रव्य-दृश्य सहायक सामग्री :-** इस प्रकार की सामग्री से बच्चे एक साथ सुनकर और देखकर ज्ञान को अर्जित करते है। इसके उदाहरण है , मोबाइल फ़ोन, टेलीविजन, कंप्यूटर, चलचित्र, नाटक, आदि।

- **क्रिया सहायक शिक्षण सामग्री :-** क्रिया सहायक शिक्षण सामग्री के द्वारा प्राप्त ज्ञान वास्तविक होता है। इनके द्वारा नई नई चीजों का अध्ययन किया जाता है। इससे बालकों को व्यक्तिगत अनुभव की प्राप्ति होती है।
  इसके उदाहरण है:
  - ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण करना।
  - किसी उद्यान का भ्रमण करना।
  - किसी संग्रहालय का भ्रमण करना।

गद्यांश - पद्यांश

मनु बहन ने पूरे दिन की डायरी लिखी, लेकिन एक जगह लिख दिया, 'सफाई वगैरह की।'

गांधीजी प्रतिदिन डायरी पढ़कर उस पर अपने हस्ताक्षर करते थे।

आज की डायरी पर हस्ताक्षर करते हुए गांधीजी ने लिखा, "कातने की गति का हिसाब लिखा जाए। मन में आए हुए विचार लिखे जाएँ। जो-जो पढ़ा हो, उसकी टिप्पणी लिखी जाए। 'वगैरह का उपयोग नहीं होना चाहिए। डायरी में 'वगैरह' शब्द के लिए कोई स्थान नहीं है जिसने जो पढ़ा हो, वह लिखा जाए। ऐसा करने से पढ़ा हुआ कितना पच गया है, यह मालूम हो जाएगा। जो बातें हुई हों, वे लिखी जाएँ। मनु ने अपनी गलती का अहसास किया और डायरी विद्या की पवित्रता को समझा। गांधीजी ने पुन: मनु से कहा – "डायरी लिखना आसान कार्य नहीं है। यह इबादत करने जैसी विधा है। हमें शुद्ध व सच्चे रूप से प्रत्येक छोटी-बड़ी घटना को निष्पक्ष रूप से लिखना चाहिए चाहे कोई बात हमारे विरुद्ध ही क्यों न जा रही हो। इससे हममें सच्चाई स्वीकार करने की शक्ति प्राप्त होगी।" (गांधीजी के रोचक संस्मरण)

1. मनु को अपनी किस गलती का अहसास हुआ?

SACHIN ACADEMY

(1) उन्होंने डायरी में 'वगैरह' शब्द का प्रयोग किया था

(2) उन्होंने गांधीजी की बात नहीं मानी थी

(3) मनु ने डायरी में कातने की गति का हिसाब लिखा था

(4) उन्होंने डायरी में सही-सही बातें लिखी थीं

ANS : 1

2. गांधीजी ने 'वगैरह' शब्द पर अपनी आपत्ति क्यों जताई?

(1) वे चाहते थे कि बातों को ज्यों-का-त्यों लिखा जाए

(2) 'वगैरह' शब्द की जगह 'आदि' शब्द का प्रयोग सही है

(3) गांधीजी चाहते थे कि सही भाषा का प्रयोग हो

(4) 'वगैरह' शब्द में कार्य और विचार की स्पष्टता नहीं है

ANS : 4

3 गांधीजी ने डायरी लिखने को इबादत करने-जैसा क्यों कहा है।

(1) दोनों में सच्चाई और ईमानदारी चाहिए

(2) दोनों में समय लगता है

(3) दोनों कार्य हमारे कर्त्तव्यों में शामिल हैं

(4) दोनों कार्य रोज किए जाते हैं

ANS : 1

4. डायरी लिखना इसलिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि

(1) इससे व्यक्ति का समय अच्छा गुजर जाता है

(2) इसमें व्यक्ति स्वयं का विश्लेषण करता है और स्व-मूल्यांकन भी करता है

(3) इससे व्यक्ति पूरे दिन किए गए जमा-खर्च का हिसाब-किताब कर सकता है

SACHIN ACADEMY

(4) गांधीजी इसे महत्त्वपूर्ण मानते हैं

ANS : 2

5. गांधीजी प्रतिदिन डायरी पढ़कर क्या करते थे?

(1) हस्ताक्षर करते थे ताकि जाँच का प्रमाण दिया जा सके

(2) हस्ताक्षर करते थे क्योंकि यह नियम था

(3) लोगों को उनकी गलती का अहसास कराते थे

(4) डायरी पर हस्ताक्षर करते थे और यह देखते थे कि व्यक्ति अपने कार्य और विचार में किस दिशा में जा रहा है

ANS : 4

6. 'प्रतिदिन' शब्द में कौन-सा समास है?

(1) तत्पुरुष समास (2) द्वन्द्व समास

(3) अव्ययीभाव समास (4) द्विगु समास

ANS : 3

7. 'पढ़ा हुआ कितना पच गया है' का अर्थ है

(1) पढ़ा हुआ कितना आत्मसात् किया है (2) कितना सही उच्चारण के साथ पढ़ा है

(3) पढ़े हुए का कितना विश्लेषण किया है (4) पढ़ा हुआ कितना समझ में आया है

ANS : 1

8. 'कार्य' शब्द का तद्भव रूप बताइए

(1) काम (2) सेवा (3) कारज (4) काज

ANS : 4

9. 'विचार' में इक प्रत्यय लगाकर शब्द बनेगा

SACHIN ACADEMY

(1) **वैचारिक** (2) **वैचारीक** (3) **विचारिक** (4) **विचौरिक**

ANS : 1

गद्यांश

हम सांस्कृतिक अस्मिता की बात कितनी ही करें; परंपराओं का अवमूल्यन हुआ है, आस्थाओं का क्षरण हुआ है। कड़वा सच तो यह है कि हम बौद्धिक दासता स्वीकार कर रहे हैं, पश्चिम के सांस्कृतिक उपनिवेश बन रहे हैं। हमारी नई संस्कृति अनुकरण की संस्कृति है। हम आधुनिकता के झूठे प्रतिमान अपनाते जा रहे हैं। प्रतिष्ठा की अंधी प्रतिस्पर्धा में जो अपना है उसे खोकर छद्म आधुनिकता की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। संस्कृति की नियंत्रक शक्तियों के क्षीण हो जाने के कारण हम दिग्भ्रमित हो रहे हैं। हमारा समाज ही अन्य-निर्देशित होता जा रहा है। विज्ञापन और प्रसार के सूक्ष्म यंत्र हमारी मानसिकता बदल रहे हैं। उनमें सम्मोहन की शक्ति है, वशीकरण की भी।

अंततः इस संस्कृति के फैलाव का परिणाम क्या होगा? यह गंभीर चिंता का विषय है। हमारे सीमित संसाधनों का घोर अपव्यय हो रहा है। जीवन की गुणवत्ता आलू के चिप्स से नहीं सुधरती। न बहुविज्ञापित शीतल पेयों से। भले ही वे अंतर्राष्ट्रीय हों। पीज़ा और बर्गर कितने ही आधुनिक हों, हैं वे कूड़ा-खाद्य। समाज में वर्गों की दूरी बढ़ रही है, सामाजिक सरोकारों में कमी आ रही है। जीवन स्तर का यह बढ़ता अंतर आक्रोश और अशांति को जन्म दे रहा है। जैसे-जैसे दिखावे की यह संस्कृति फैलेगी, सामाजिक अशांति भी बढ़ेगी। हमारी सांस्कृतिक अस्मिता का ह्रास तो हो ही रहा है, हम लक्ष्य-भ्रम से भी पीड़ित हैं। विकास के विराट उद्देश्य पीछे हट रहे हैं, हम झूठी तुष्टी के तात्कालिक लक्ष्यों का पीछा कर रहे हैं। मर्यादाएं टूट रही हैं, नैतिक मानदंड ढीले पड़

SACHIN ACADEMY

रहे हैं। व्यक्ति-केंद्रिकता बढ़ रही है, स्वार्थ परमार्थ पर हावी हो रहा है। भोग की आकांक्षाएं आसमान को छू रही हैं। किस बिंदु पर रुकेगी यह दौड़?

1. अनुच्छेद के आधार पर बताइए कि हमारी संस्कृति किसकी संस्कृति बनती जा रही है?

(क) उपभोक्तावादी संस्कृति (ख) आधुनिक संस्कृति

(ग) अनुकरण की संस्कृति **(घ)** विज्ञापन की संस्कृति

ANS : 3

2. आज के उपभोक्तावादी युग में किस प्राकर की संस्कृति का विकास हो रहा है? अनुच्छेद के आधार पर बताएं।

(क) **दिखावे की संस्कृति** (ख) प्रतिस्पर्धा की संस्कृति

(ग) लालच की संस्कृति (घ) उपयोगिता की संस्कृति

ANS : 1

3. 'विलासिता की वस्तुओं से आजकल बाजार भरा पड़ा है। इस वाक्य में क्रिया विशेषण है

(क) विलासिता (ख) बाजार (ग) आजकल (घ) भरा

ANS : 3

4. 'अस्मिता' शब्द का अर्थ है

(क) अस्तित्व (ख) पहचान (ग) उपर्युक्त दोनों (घ) मानदंड

ANS : 3

5. अन्य को श्रेष्ठ समझकर उसकी (कबौद्धिकता के प्रति बिना आलोचनात्मक दृष्टि अपनाए उसे स्वीकार कर लेना क्या कहलाता है?

(क) छद्म आधुनिकता (ख) बौद्धिक दासता

SACHIN ACADEMY

(ग) प्रतिस्पर्धा (घ) दिग्भ्रमित दासता

ANS : 2

6. उपर्युक्त अनुच्छेद में निम्नलिखित में से किस खाद्य पदार्थ को कूड़ा-खाद्य की श्रेणी में नहीं रखा गया है?

(क) पीज़ा (ख) बर्गर **(ग) पनीर** (घ) आलू के चिप्स

ANS : 3

7. आज समाज में विभिन्न वर्गों के जीवन स्तर में बढ़ता अंतर किसको जन्म दे रहा है?

(क) आक्रोश (ख) अशांति (ग) उपर्युक्त दोनों (घ) दिखावा

ANS : 4

8. निम्नलिखित में से कौन सा चिह्न अर्धविराम का चिह्न है?

(क) : (ख) , (ग) . **(घ) ;**

ANS : 4

SACHIN ACADEMY

गद्यांश

जीवन में बहुत अन्धकार है और अन्धकार की ही भाँति अशुभ और अनीति है। कुछ लोग इस अन्धकार को स्वीकार कर लेते हैं और तब उनके भीतर जो प्रकाश तक पहुँचने और पाने की आकांक्षा थी, वह क्रमश: क्षीण होती जाती है। मैं अन्धकार की इस स्वीकृति को मनुष्य का सबसे बड़ा पाप कहता हूँ। यह मनुष्य का स्वयं अपने प्रति किया गया अपराध है। उसके दूसरों के प्रति किए गए अपराधों का जन्म इस मूल पाप से ही होता है। यह स्मरण रहे कि जो व्यक्ति अपने ही प्रति इस पाप को नहीं करता है, वह किसी के भी प्रति कोई पाप नहीं कर सकता है। किन्तु कुछ लोग अन्धकार के

स्वीकार से बचने के लिए उसके अस्वीकार में लग जाते हैं। उनका जीवन अन्धकार के निषेध का ही सतत उपक्रम बन जाता है।

1. गद्यांश में 'अन्धकार' शब्द किस ओर संकेत करता है?

(1) पाप की ओर
(2) बुराइयों और कठिनाइयों की ओर जाना
(3) अपराधों की ओर
(4) गरीबी की ओर

ANS : 2

2. लेखक ने किसे सबसे बड़ा पाप कहा है?

(1) प्रकाश पाने की क्षीण आकांक्षा
(2) मनुष्य का अपने प्रति पाप न करना
(3) अन्धकार को स्वीकार न करना
(4) अन्धकार को स्वीकार कर लेना

ANS : 4

3. जब व्यक्ति स्वयं के प्रति किए गए अन्याय, शोषण के विरुद्ध आवाज नहीं उठाता, तो

(1) इससे दूसरों के प्रति अन्याय, शोषण को बढ़ावा मिलता है
(2) वह केवल अपने प्रति अन्याय करता है
(3) इससे शान्ति का माहौल बना रहता है
(4) वह दण्ड का अधिकारी बन जाता है

ANS : 1

4. 'अन्धकार का निषेध' किस ओर संकेत करता है?

(1) अन्याय, शोषण, बुराइयों को सदा के लिए समाप्त करना
(2) समाज में फैले अन्धकार को प्रकाश में बदल देना
(3) समाज को अन्धकार से मुक्त कराने के लिए प्रयत्नशील रहना

SACHIN ACADEMY

(4) यह मानना कि समाज में अन्याय, शोषण, बुराइयाँ नहीं हैं

ANS : 4

5. इस गद्यांश का मुख्य उद्देश्य है

(1) अन्धकार और प्रकाश की व्याख्या करना

(2) अन्याय और बुराइयों को दूर करने के लिए प्रेरित करना

(3) तरह-तरह के लोगों की विशेषताएँ बताना

(4) पाप और पुण्य की व्याख्या करना

ANS : 2

6. इस गद्यांश में 'उपक्रम' का अर्थ है

(1) आरम्भ, शुरुआत (2) तैयारी, योजना

(3) आयोजन, समारोह (4) व्यवसाय, कार्य

ANS : 4

7. <u>जीवन</u> में बहुत अन्धकार है। रेखांकित अंश में कौन-सा कारक है?

(1) अपादान कारक (2) अधिकरण कारक

(3) करण कारक (4) सम्प्रदान कारक

ANS : 2

8. "____ और अन्धकार की ही भाँति अशुभ और अनीति है।" वाक्य में निपात है

(1) ही (2) की (3) है (4) और

ANS : 1

➢ (ही, भी, तब, जब इत्यादि हिंदी निपात कहलाते है)

SACHIN ACADEMY

काव्यांश

अब न गहरी नींद में तुम सो सकोगे,
गीत गाकर मैं जगाने आ रहा हूँ।
अतल अस्ताचल तुम्हें जाने न दूंगा,
अरुण उदयाचल सजाने आ रहा हूँ।
कल्पना में आज तक उड़ते रहे तुम,
साधना से सिहरकर मुड़ते रहे तुम।
अब तुम्हें आकाश में उड़ने न दूंगा,
आज धरती पर बसाने आ रहा हूँ।

SACHIN ACADEMY

1. गहरी नींद में सोने का अर्थ है।

(1) **चिन्तायुक्त होना** (2) **मृत्यु को प्राप्त होना**

(3) **परिश्रमी होना** (4) **बेखबर होना**

ANS : 4

2. कवि लोगों को कहाँ नहीं जाने देगा?

(1) **पतन की राह पर** (2) **पाताल में**

(3) **अतल गहराई में** (4) **जहाँ सूर्य अस्त होता है**

ANS : 1

3. कवि किस तरह के व्यक्तियों को सम्बोधित कर रहा है?

(1) **जो आकाश की ऊँचाइयों को छूना चाहते हैं**

(2) **जो अत्यधिक प्रेरित हैं**

(3) **जो बहुत परिश्रमी हैं।**

(4) **जो जीवन की कठोर वास्तविकताओं से बेखबर हैं**

ANS : 4

4. कवि लोगों को क्यों जगाना चाहता है?

(1) **यह कवि का दायित्व है।**

(2) **ताकि लोग गीत सुन सकें।**

(3) **ताकि मनुष्यों में गतिशीलता आ सके और वे प्रगति के पथ पर आगे बढ़ सकें**

(4) **सुबह हो गई है**

ANS : 3

5. 'अतल अस्ताचल तुम्हें जाने न दूंगा' पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

(1) **अनुप्रास अलंकार** (2) **श्लेष अलंकार**

(3) **उपमा अलंकार** (4) **रूपक अलंकार**

ANS : 1

6. कविता का उपयुक्त शीर्षक हो सकता है

(1) **जागृति** (2) **हर्ष** (3) **कोलाहल** (4) **आकाश**

ANS : 1

SACHIN ACADEMY

पद्यांश 8

अन्धकार की गुहा सरीखी उन आँखों से डरता है मन

भरा दूर तक उनमें दारुण दैन्य दुःख का नीरव रोदन।

वह स्वाधीन किसान रहा, अभिमान भरा आँखों में इस का

छोड़ उसे मँझधार आज संसार कगार सदृश बह खिसका।
लहराते वे खेत दृगों में हुआ बेदखल वह अब जिन से
हँसती थी उसके जीवन की हरियाली जिनके तृन-तृन से।
आँखों ही में घूमा करता वह उसकी आँखों का तारा
कारकुनों की लाठी से जो गया जवानी ही में मारा।
बिना दवादर्पन के घरनी स्वरग चली-आँखें आती भर
देख-रेख के बिना दधमँही बिटिया दो दिन बाद गई मर।

1. कवि का मन जिन आँखों से डरता है वे कैसी हैं?

(1) डरावनी आँखें (2) अन्धकार-सी काली

(3) अन्धकार की गुफा-सी (4) अन्धकार-सी दारुण

ANS : 3

2. जिन आँखों का वर्णन कवि ने किया है वे किसकी आँखें हैं?

(1) किसान की (2) अन्धकार की

(3) नीरव रोदन की (4) स्वाधीन भारत की

ANS : 1

3. किसान की आँखों में अब भी क्या लहराता है?

(1) दैन्य-दुःख का दारुण रोदन

(2) अपने खेत जिनसे वो बेदखल किया गया

(3) स्वाधीनता का अभिमान

(4) वह संसार जो कगार सदृश खिसक गया

SACHIN ACADEMY

ANS : 2

4. इस पद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए

(1) किसान की पीड़ा (2) दारुण दुःख

(3) वे आँखें (4) जीवन का अन्धकार

ANS : 3

5. किसान के बेटे की मृत्यु कैसे हुई?

(1) कारकुनों द्वारा लाठियों से पीटने के कारण

(2) देख-रेख के अभाव के कारण

(3) दवा-दर्पन के अभाव के कारण

(4) भूख के कारण

ANS : 1

6. 'अँधेरा' शब्द का पर्यायवाची है

(1) तिमिर (2) तरु (3) विटप (4) इनमें से कोई नहीं

ANS : 1

SACHIN ACADEMY

पद्यांश

धीरे से पांव धरा धरती पर किरनों ने,

मिट्टी पर दौड़ गया लाल रंग तलुओं का।

छोटा सा गांव हुआ केसर की क्यारी-सा,

कच्चे घर डूब गये कंचन के पानी में।

डालों की डोली में लज्जा के फूल खिले, उ

षा ने मस्ती में फूलों को चूम लिया।

गोरी ने गीतों से सरसों की गोद भरी,

भौरों ने गोरी के गालों को चूम लिया।

1. उपर्युक्त पद्यांश में कवि ने किरणों का मानवीकरण करते हुए उससे ___की तरह चित्रित किया है।

(क) नवयुवती (ख) नई-नवेली दुल्हन (ग) मां (घ) इनमें से कोई नहीं

ANS : 2

2. 'लाल रंग तलुओं का' पंक्ति में निम्नलिखित में से कौन सा अलंकार है?

(क) अनुप्रास (ख) मानवीकरण (ग) श्लेष (घ) उत्प्रेक्षा

ANS : 1

3. 'कंचन' शब्द का अर्थ है

(क) सोना (ख) निर्मल (ग) उपर्युक्त दोनों (घ) नवयुवती

ANS : 3

4. मस्ती में फूलों को चूमते हुए किसे दिखाया गया है?

(क) रात को (ख) युवती को (ग) सुबह को (घ) भंवरों को

ANS : 4

5. उपर्युक्त पद्यांश में कवि ने वर्णन किया है

(क) गांव की सुंदरता का (ख) दुल्हन की विदाई का

(ग) हरे-भरे खेतों का (घ) सूरज की पहली किरणों के प्रभाव का

ANS : 4

SACHIN ACADEMY

6. निम्नलिखित में से कौन 'लाल' शब्द का एक पर्यायावाची

(क) पीत (ख) रक्त (ग) शोणित (घ) सुर्ख

ANS : 4

हिंदी शिक्षण शास्त्र

Q.1. स्किनर के अनुसार -

(1) भाषा अंत:क्रिया से सीखी जाती है।

(2) भाषा सीखना एक अत्यंत जटिल प्रक्रिया

(3) भाषा अनुकरण के द्वारा सीखी जाती है।

(4) भाषा परिवेश से सीखी जाती है।

ANS : 3

Q.2. सलमा पहली कक्षा में पढ़ती है । वह 'किताब' शब्द को 'कतब' लिखती है । सलमा का लिखने का यह तरीका_____ को दर्शाता है।

(1) स्व-वर्तनी (2) नियंत्रित लेखन (3) लापरवाही (4) अज्ञानता

ANS : 1

Q.3. हम भाषा के माध्यम से_____ और _____ भी करते हैं।

(1) अनुभव, महसूस (2) चिंतन, विचरण

(3) सोचते, महसूस (4) सोचते, विचार

ANS : 3

SACHIN ACADEMY

Q.4. पाठ्य-पुस्तकों में रचनाएँ एक वातावरण निर्मित करती हैं और अभ्यास प्रश्न उन्हें _____उनसे गहराई से _____ और व्यापक अनुभव-स्तर से _____का मौका देते हैं।

(1) जानने, जूझने, जुड़ने
(2) परखने, जूझने, तादात्म्य
(1) जानने, परखने, जुड़ने
(4) परखने, जुड़ने, तादात्म्य

ANS : 4

Q.5. प्राथमिक स्तर पर हिन्दी भाषा सिखाने के लिए सबसे अधिक जरूरी है

(1) कक्षा में लिखित आकलन
(2) भाषा शिक्षक का भाषा-ज्ञान
(3) कक्षा में रंगीन पाठ्य-पुस्तकें
(4) कक्षा में प्रिण्ट समृद्ध परिवेश

ANS : 4

Q.6. कक्षा पाँच के बच्चों के भाषा आकलन के सन्दर्भ में आप किस सवाल को सबसे कमजोर मानते हैं?

(1) 'ईदगाह' कहानी में हामिद ने मेले से क्या खरीदा?
(2) केशव सबसे क्या कहता होगा? कल्पना करके केशव के शब्दों में लिखो
(3) यदि इला तुम्हारे स्कूल में आए तो उसे किन-किन कामों में परेशानी होगी?
(4) अपने दोस्तों से पूछकर पता करो कि कौन किस बात से घबराता है ।

ANS : 1

Q.7. आपके विचार से प्राथमिक स्तर पर उत्कृष्ट लेखन कार्य का उदाहरण है

(1) किसी आँखों-देखी घटना का लिखित वर्णन करना
(2) 'छुट्टियाँ कैसे मनाईं?' इस विषय पर अनुच्छेद लिखना
(3) 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर अनुच्छेद लिखना
(4) पाठ्य-पुस्तक से इतर कठिन शब्दों का श्रुतलेखन

ANS : 1

Q.8. भाषा सीखने और भाषा अर्जित करने में अन्तर का मुख्य आधार है

SACHIN ACADEMY

(1) भाषा की जटिल संरचनाएँ

(2) भाषा की पाठ्य-पुस्तकें

(3) भाषा का लिखित आकलन

(4) भाषा का उपलब्ध परिवेश

ANS : 4

Q.9. प्राथमिक स्तर पर बच्चों की भाषा का आकलन करने का उद्देश्य है

(1) उसकी पठन क्षमता का आकलन (2) उसके भाषा-प्रयोग की क्षमता का आकलन

(3) उसकी लेखन क्षमता का आकलन (4) उसकी बोलने की कुशलता का आकलन

ANS : 2

Q.10. पहली कक्षा में ..... भी लिखना के अन्तर्गत आता है।

(1) वाक्य लिखना (2) शब्द लिखना (3) अक्षर बनाना (4) चित्र बनाना

ANS : 4

Q.11. बहु-भाषिकता हमारी पहचान भी है और हमारी ..... व ..... का अभिन्न अंग भी।

(1) सभ्यता, संस्कृति (2) सभ्यता, साहित्य

(3) संस्कृति, साहित्य (4) संस्कृति, चुनौतियों

ANS : 1

Q.12. किसी विषय को सीखने का मतलब है उसकी.....को सीखना, उसकी ..... को सीखना।

(1) अवधारणाओं, विषय-वस्तु (2) विषय-वस्तु, उपयोगी

(3) अवधारणाओं, शब्दावली (4) शब्दावली, विषय

ANS : 3

Q.13. कहानी, कविता, गीतों और नाटकों के माध्यम से बच्चे

(1) केवल मूल्यों का अर्जन करते हैं

SACHIN ACADEMY

(2) केवल अपनी तर्कशक्ति का विकास करते हैं

(3) अपनी सांस्कृतिक धरोहर से जुड़ते हैं

(4) केवल मनोरंजन प्राप्त करते हैं

ANS : 3

Q.14. इनमें से कौन-सा प्राथमिक स्तर पर हिन्दी भाषा शिक्षण का उद्देश्य नहीं है?

(1) सन्दर्भ के अनुसार लगाकर पढ़ने का प्रयास करना

(2) चित्रकारी को स्वयं की अभिव्यक्ति का माध्यम बनाना

(3) बच्चों की भाषा और स्कूल की भाषा में सम्बन्ध बनाते हुए उसे विस्तार देना

(4) सुनी गई बातों को ज्यों-का-त्यों दोहराना

ANS : 4

Q.15. वाइगोत्स्की के विचारों पर आधारित कक्षा में ____पर सबसे अधिक बल दिया जाता है।

(1) कविता दोहराने (2) कहानी सुनने (3) कार्य-पत्रकों (4) परस्पर अन्त:क्रिया

ANS : 4

Q.16. प्राथमिक स्तर पर बच्चों के लिए बाल-साहित्य के चयन का मुख्य आधार क्या होना चाहिए?

(1) छोटी रचनाएँ (2) रोचक विषय-वस्तु (3) रंगीन चित्र (4) सरल जानकारी

ANS : 2

Q.17. भाषा सीखने की कौन-सी विधि मातृभाषा को मध्यस्थ बनाए बिना दूसरी भाषा को सीखने में सहायक होती है?

(1) अनुवाद विधि (2) द्विभाषी विधि (3) अप्रत्यक्ष विधि (4) प्रत्यक्ष विधि

ANS : 4

Q.18. भाषा-शिक्षण में बालक में मौखिक कौशल के विकास के लिए _____सबसे कम महत्त्वपूर्ण है।

SACHIN ACADEMY

(1) किसी विषय पर चर्चा करना (2) बच्चों की बात को धैर्य से सुनना

(3) प्रश्नों के उत्तर पूछना (4) अपनी बात कहने का पूरा मौका देना

ANS : 3

Q.19. प्राथमिक स्तर पर बच्चों की पठन क्षमता का आकलन करने में किस प्रकार की सामग्री सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है?

(1) आतंकवाद पर आधारित निबन्ध (2) बाल साहित्य की कोई संवादात्मक कहानी

(3) पाठ्य-पुस्तक (4) औपचारिक पत्र

ANS : 2

Q.20. भाषा विकास के सम्बन्ध में कौन-सा कथन सही नहीं है?

(1) भाषा विकास व्यक्ति निरपेक्ष है

(2) बड़ों का सम्पर्क भाषा विकास की गति को तीव्र कर देता है

(3) भाषा विकास व्यक्ति सापेक्ष है

(4) प्रारम्भिक भाषायी परिवेश की समृद्धता भाषायी विकास में सहायक होती है

ANS : 1

Q.21. भाषा सीखने का उद्देश्य है

(1) प्रत्येक स्थिति में भाषा का प्रयोग कर पाना (2) आदेश-निर्देश दे पाना और सुन पाना

(3) दूसरों की बातों को समझ पाना (4) अपने मन की बात कह पाना

ANS : 1

Q.22. कविता-कहानियों पर चर्चा करने एवं प्रश्न पूछने का उद्देश्य

(1) भाषा की विभिन्न छटाओं का अनुभव कराना है

(2) कल्पनाशीलता का पोषण करना मात्र है

(3) भाषा सीखने का आकलन करना मात्र है

(4) साहित्य के प्रति बच्चों की रुचि जाग्रत करना है

SACHIN ACADEMY

ANS : 1

Q.23. पहली कक्षा की भाषा अध्यापिका अपने एक विद्यार्थी के भाषायी विकास के सम्बन्ध में चिन्तित है, क्योंकि

(1) विद्यार्थी पठन-पाठन में रुचि प्रदर्शित नहीं करता है

(2) विद्यार्थी को घर पर बात करने के बहुत कम अवसर मिलते हैं

(3) विद्यार्थी के माता और पिता की मातृभाषा अलग-अलग है

(4) विद्यार्थी अपने साथियो से बहुत झगड़ता है

ANS : 2

Q.24. आपके विद्यार्थी पाठ में आए नवीन/अपरिचित शब्दों के अर्थ जान सकें, इसके लिए आप

(1) पाठ के अन्त में दिए गए 'शब्दार्थ' देखने के लिए कहेंगी

(2) शब्दकोष देखना सिखाएँगी

(3) शब्द का अर्थ लिखकर बताएँगी

(4) पाठ के सन्दर्भ में अर्थ समझने की स्थिति पैदा करेंगी

ANS : 4

Q.25. नैना पहली कक्षा में पढ़ती है और वह 'मुझे आम बहुत अच्छा लगता है' 'मैं थक गई।' आदि वाक्यों का प्रयोग करती है। नैना

(1) लिंग, वचन, क्रिया आदि की दृष्टि से सर्वनाम का प्रयोग करना जानती है

(2) केवल सर्वनाम का ही प्रयोग जानती है

(3) केवल लिंग की दृष्टि से ही सर्वनाम का समुचित प्रयोग करना जानती है

(4) केवल 'मैं' वाले वाक्य ही बोल सकती है

ANS : 1

Q.26. भाषा-अर्जन और भाषा-अधिगम के सन्दर्भ में कौन-सा कथन सही नहीं है?

SACHIN ACADEMY

(1) सांस्कृतिक विभिन्नता भाषा-अर्जन और भाषा अधिगम को प्रभावित करने वाला महत्त्वपूर्ण कारक है

(2) भाषा-अर्जन में विभिन्न संकल्पनाएँ मातृभाषा में बनती हैं

(3) भाषा-अधिगम में कभी भी अनुवाद का सहारा नहीं लिया जाता

(4) भाषा-अर्जन सहज और स्वाभाविक होता है, जबकि भाषा-अधिगम प्रयासपूर्ण होता है

ANS : 3

Q.27. निम्नलिखित में से कौन-सा बच्चों की भाषिक क्षमता के आकलन का सबसे उचित तरीका है?

(1) संज्ञा शब्दों के दो उदाहरण दीजिए

(2) 'बादल', 'आसमान', 'चिड़िया', 'बच्चे', के साथ संज्ञा शब्दों का प्रयोग करते हुए एक कहानी लिखिए

(3) संज्ञा की परिभाषा को पूरा कीजिए

(4) संज्ञा को परिभाषित कीजिए

ANS : 2

Q.28. बच्चे विद्यालय आने से पहले

(1) भाषा के चारों कौशलों पर पूर्ण अधिकार रखते हैं

(2) अपनी भाषा की नियमबद्ध व्यवस्था की व्यावहारिक कुशलता के साथ आते हैं

(3) कोरी स्लेट होते हैं

(4) भाषा का समुचित उपयोग करने में समर्थ नहीं होते है

ANS : 2

Q.29. बच्चों की मौखिक भाषा का सतत आकलन करने का सबसे बेहतर तरीका है

(1) शब्द पढ़वाना

(2) प्रश्नों के उत्तर पूछना

(3) विभिन्न सन्दर्भो में बातचीत

(4) सुने हुए को दोहराने के लिए कहना

SACHIN ACADEMY

ANS : 3

Q.30. प्राथमिक स्तर पर 'भाषा सिखाने' से तात्पर्य है।

(1) भाषा वैज्ञानिक तथ्य स्पष्ट करना

(2) भाषा का व्याकरण सिखाना

(3) उच्चस्तरीय साहित्य पढ़ाना

(4) भाषा का प्रयोग सिखाना

ANS : 4

Q.31. प्राथमिक स्तर पर भाषा शिक्षण की प्राथमिकता होनी चाहिए

(1) केवल बोलकर पढ़ने की क्षमता विकसित करना

(2) कविता और कहानी के द्वारा केवल श्रवण कौशल का विकास करना

(3) बच्चों की रचनात्मकता और मौलिकता को पोषित करना

(4) बच्चों की चित्रांकन क्षमता का विकास करना

ANS : 3

Q.32. कक्षा में कुछ बच्चे लिखते समय वर्तनी सम्बन्धी त्रुटियाँ करते हैं। एक भाषा शिक्षक के रूप में आप क्या करेंगे?

(1) शब्दों का सही रूप लिखते हुए बच्चों को दोनों तरह के शब्दों का अवलोकन करके अन्तर पहचानने का अवसर देंगे

(2) उन्हें सख्त निर्देश देंगे कि वे आगे से गलती न करें

(3) उनकी त्रुटियों पर बिल्कुल ध्यान नहीं देंगे

(4) उनसे शब्दों को बीस बार लिखने के लिए कहेंगे

ANS : 1

Q.33. भाषा-कौशल के सम्बन्ध में कौन-सा कथन सही नहीं है?

(1) भाषा-कौशल एक क्रम में ही अर्जित किए जाते हैं

(2) भाषा-कौशल एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं

(3) भाषा-कौशल एक-दूसरे से सम्बन्धित हैं

SACHIN ACADEMY

(4) भाषा-कौशल एक क्रम में अर्जित नहीं किए जाते

ANS : 3

Q.34. बच्चों के भाषा सीखने में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है

(1) सुन्दर लिखना (2) मानक वर्तनी (3) शुद्ध उच्चारण (4) बातचीत करना

ANS : 4

Q.35. प्राथमिक स्तर पर बच्चों की भाषा के आकलन में आप सर्वाधिक महत्त्व किसे देंगे?

(1) पोर्टफोलियो (2) लिखित परीक्षा (3) जाँच सूची (4) प्रश्नावली

ANS : 1

Q.36. भाषा सीखने-सिखाने में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है

(1) संचार माध्यमों का प्रयोग (2) अभिभावकों का साक्षर होना

(3) भाषा-शिक्षक का भाषा-ज्ञान (4) भाषा का समृद्ध परिवेश

ANS : 4

Q.37. पाठ में दिए गए चित्रों का क्या उद्देश्य होता है?

(1) चित्र अमूर्त संकल्पनाओं को समझने में सहायता करते हैं

(2) चित्रों से पाठ्य-पुस्तक आकर्षक बनती है

(3) चित्र पाठ की शोभा बढ़ाते हैं

(4) पाठ्य-पुस्तक में चित्र देने का प्रचलन है

ANS : 1

Q.38. भाषा-कौशलों के सन्दर्भ में कौन-सा कथन उचित है?

(1) भाषा-कौशलों के विकास में अभ्यास की अपेक्षा भाषिक नियमों का ज्ञान जरूरी है

(2) विद्यालय में केवल 'पढ़ना', 'लिखना' कौशलों पर ही बल देना चाहिए

(3) बच्चे केवल सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना कौशल क्रम से ही सीखते हैं

(4) भाषा के चारों कौशल परस्पर अन्तःसम्बन्धित हैं

SACHIN ACADEMY

ANS : 4

Q.39. कहानी सुनाने से

(1) बच्चों की कल्पना-शक्ति व चिन्तन-शक्ति का विकास होता है

(2) बच्चे प्रसन्न होते हैं

(3) बच्चे कक्षा में एकाग्रचित्त होकर शान्त बैठते हैं

(4) बच्चे अनुशासित रहते हैं

ANS : 1

Q.40. प्राथमिक स्तर पर बच्चों की भाषा शिक्षा के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है?

(1) सुधार के नाम पर की जाने वाली टिप्पणियों व निरर्थक अभ्यास से बच्चों में अरुचि उत्पन्न हो सकती है

(2) बच्चे समृद्ध भाषा-परिवेश में सहज और स्वत: रूप से भाषा में परिमार्जन कर लेंगे

(3) बच्चे भाषा की जटिल और समृद्ध संरचनाओं के साथ विद्यालय आते हैं

(4) बच्चों की भाषा-संकल्पनाओं और विद्यालय में प्रचलित भाषा परिवेश में विरोधाभास ही भाषा सीखने में सहायक होता है

ANS : 4

Q.41. भाषा सीखने-सिखाने का उद्देश्य है

(1) अपनी बात की पुष्टि के लिए तर्क देना

(2) विभिन्न स्थितियों में भाषा का प्रभावी प्रयोग करना

(3) अपनी बात कहना सीखना

(4) दूसरों की बात समझना सीखना

ANS : 2

Q.42. भाषा की कक्षा में एक शिक्षक बच्चे से क्या अपेक्षा करता है?

SACHIN ACADEMY

(1) बच्चे अपनी मातृ-भाषा का बिलकुल भी प्रयोग न करें

(2) बच्चे सवालों के बंधे-बंधाएँ जवाब न दें

(3) बच्चे सवालों के बंधे-बंधाएँ जवाब दें

(4) संस्कृतनिष्ठ भाषा में ही जवाब दें

ANS : 2

Q.43. बच्चों की भाषा के आकलन का सर्वाधिक प्रभावी तरीका है

(1) प्रश्नों के उत्तर देना

(2) प्रश्न पूछना और पढ़ी गई सामग्री पर प्रतिक्रिया व्यक्त करना

(3) श्रुत-लेख

(4) लिखित परीक्षा

ANS : 2

Q.44. भाषा के व्याकरण की समझ को

(1) केवल लघुतर प्रश्नों के माध्यम से आँका जाना चाहिए

(2) निबन्धात्मक प्रश्नों के माध्यम से आँका जाना चाहिए

(3) सन्दर्भपरक प्रश्नों के माध्यम से आँका जाना चाहिए

(4) केवल वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के माध्यम से आँका जाना चाहिए

ANS : 3

Q.45. प्राथमिक स्तर पर भाषा सिखाने की सर्वश्रेष्ठ विधि है

(1) बच्चों के साथ कविता गाना

(2) बच्चों को कहानी सुनाना

(3) बच्चों को पाठ्य-पुस्तक पर आधारित वीडियो कार्यक्रम दिखाना

(4) बच्चों को भाषा का प्रयोग करने के विविध अवसर देना

ANS : 4

SACHIN ACADEMY

Q.46. प्राथमिक स्तर की पाठ्य-पुस्तकों का निर्माण करते समय आप किस बिन्दु पर विशेष ध्यान देंगे?

(1) प्रसिद्ध लेखकों की रचनाएँ शामिल हों (2) हिन्दी भाषा के वैविध्यपूर्ण रूप शामिल हों

(3) उपदेशात्मक पाठ शामिल हों (4) कहानियाँ अधिक-से-अधिक शामिल हों।

ANS : 2

Q.47. भाषा अर्जित करने की प्रक्रिया में किसका महत्त्व सर्वाधिक है?

(1) भाषा-कक्षा का (2) भाषा-प्रयोगशाला का (3) पाठ्य-पुस्तक का (4) समाज का

ANS : 4

Q.48. बच्चों की भाषा का आकलन करने के लिए सबसे उचित तरीका क्या है?

(1) बच्चों की लिखित परीक्षा लेना (2) बच्चों के भाषा-प्रयोग का अवलोकन करना

(3) बच्चे से किताब पढ़वाना (4) बच्चों से परियोजना के कार्य करवाना

ANS : 2

Q.49. किसी भी भाषा पर अधिकार प्राप्त करने के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण है।

(1) शब्दों के अर्थ जानना (2) उस भाषा की वाक्य-संरचना जानना

(3) उस भाषा का अधिकाधिक प्रयोग करना (4) उस भाषा का व्याकरण जानना

ANS : 3

Q.50. समग्र भाषा पद्धति पर आधारित कक्षा

(1) गतिविधियों के आयोजन पर बल देती है

(2) बच्चों के भाषायी विकास की स्पष्ट समझ पर बल देती है

(3) बाल साहित्य को पढ़कर सुनाने पर बल देती है

(4) सभी भाषाओं को सीखने पर बल देती है

ANS : 2

SACHIN ACADEMY

Q.51. भाषा की कक्षा में कहानी सुनाने का मूल उद्देश्य है -

(1) बच्चों की कल्पनाशक्ति का विकास (2) बच्चों में 'सुनकर दोहराने की आदत का विकास

(3) बच्चों की अनुशासन में रखना (4) बच्चों का मनोरंजन करना

ANS : 1

Q.52. व्याकरण-शिक्षण की आगमन विधि की विशेषता है।

(1) पहले नियम बताना (2) पहले नियम का विश्लेषण करना

(3) पहले मनोरंजक गतिविधियाँ कराना (4) पहले उदाहरण प्रस्तुत करना

ANS : 4

Q.53. पूरी पाठ्यचर्या में _____ में भाषा की भूमिका को अनदेखा नहीं किया जा सकता।

(1) मूल्य निर्माण (2) ज्ञान-निर्माण (3) व्याकरण-निर्माण (4) आकलन-निर्माण

ANS : 2

Q.54. निम्नलिखित में से किसके अभाव में हम पढ़ नहीं सकते?

(1) लिपि से परिचय (2) बारहखड़ी से परिचय

(3) वर्णमाला की क्रमबद्धता का ज्ञान (4) संयुक्ताक्षरों की पहचान

ANS : 1

Q.55. निम्नलिखित में से कौन-सी गतिविधि श्रवण एवं वाचन कौशलों के विकास के लिए सर्वाधिक उपयुक्त होगी?

(1) रेडियो समाचार सुनाना

(2) कहानी सुनाकर उस पर बच्चों की प्रतिक्रिया जानना

(3) हावभाव के साथ कविता बुलवाना

(4) प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित करना

ANS : 2

Q.56. भाषा-शिक्षण को _____ सन्दर्भ में रखकर देखने की आवश्यकता है।

SACHIN ACADEMY

(1) आर्थिक (3) नैतिक (2) सांस्कृतिक (4) बहुभाषी

ANS : 4

Q.57. बच्चे बोल-चाल की भाषा का अनुभव लेकर विद्यालय आते हैं। इसका निहितार्थ है कि

(1) बच्चों के भाषायी अनुभवों को कक्षा के बाहर रखा जाए

(2) बच्चों को बोल-चाल की भाषा न सिखाई जाए

(3) बच्चों की बोल-चाल की भाषा को सुधारा जाए

(4) बच्चों के भाषायी अनुभवों का उचित प्रयोग किया जाए

ANS : 4

Q.58. _____ भाषा का अति महत्त्वपूर्ण प्रकार्य है।

(1) लेखन (2) सुनना (3) अक्षर-ज्ञान (4) संप्रेषण

ANS : 4

Q.59. भाषा सीखने के सन्दर्भ में कौन-सा कथन सही है?

(1) बच्चे विभिन्न संचार माध्यमों से ही भाषा सीखते हैं

(2) बच्चों में भाषा अर्जित करने की जन्मजात क्षमता होती है

(3) बच्चों में भाषा अर्जित करने की जन्मजात क्षमता नहीं होती

(4) बच्चे विद्यालय आकर ही भाषा सीखते हैं

ANS : 2

Q.60. बहुभाषिक कक्षा में बच्चों की भाषाएँ

(1) भाषा सीखने की प्रक्रिया को बाधित करती हैं (2) संसाधन के रूप में कार्य कर सकती हैं

(3) शिक्षक के लिए बेहद जटिल चुनौती हैं । (4) आकलन की प्रक्रिया को बाधित करती हैं

ANS : 2

Q.61. इनमें से कौन-सा भाषा-आकलन में सबसे कम प्रभावी तरीका है?

(1) कहानी कहना (2) कहानी लिखना (3) घटना-वर्णन (4) श्रुतलेख

SACHIN ACADEMY

ANS : 4

Q.62. प्राथमिक स्तर पर पढ़ना सीखने में सबसे कम महत्त्वपूर्ण है

(1) अनुमान लगाना (2) सन्दर्भानुसार अर्थ

(3) अक्षरों की पहचान (4) पढ़ने का उद्देश्य

ANS : 3

Q.63. प्राथमिक स्तर की पाठ्य-पुस्तक में कार्टून, भाषण, विज्ञापन आदि बच्चों के भाषा-क्षमता विकास में ..... है।

(1) सहायक (2) बाधक (3) निरर्थक (4) अनुपयोगी

ANS : 1

Q.64. कई बार बच्चे जब स्कूल आते हैं तो दो या तीन भाषाओं को और बोलने की क्षमता से लैस होते हैं।

(1) पढ़ने (2) लिखने (3) रटने (4) समझने

ANS : 4

Q.65. प्राथमिक स्तर पर बच्चों को भाषा सिखाने का सर्वोपरि उद्देश्य है

(1) मुहावरे-लोकोक्तियों का ज्ञान प्राप्त करना

(2) कहानी-कविताओं को दोहराने की कुशलता का विकास करना

(3) तेज प्रवाह के साथ पढ़ने की योग्यता का विकास करना

(4) अपनी बात को दूसरों के समक्ष अभिव्यक्त करने की कुशलता का विकास करना

ANS : 4

Q.66. भाषा-कौशलों के सम्बन्ध में कौन-सा कथन सही है?

(1) भाषा के कौशल अन्त: सम्बन्धित होते है

(2) भाषा के सभी कौशलों को नये सिरे से सिखाने की आश्यकता होती है

(3) भाषा-कौशल एक-दूसरे से स्वतन्त्र होते हैं

SACHIN ACADEMY

(4) भाषा के चारों कौशल एक क्रम से सीखे जाते हैं

ANS : 1

Q.67. हमारी कक्षाओं में बच्चे भिन्न-भिन्न भाषिक पृष्ठभूमि से आते हैं। अतः

(1) उनकी भाषाओं को भी कक्षा में सम्मान देना अनिवार्य है

(2) उनकी भाषाओं को सीखना सभी शिक्षार्थियों के लिए अनिवार्य है

(3) भाषा की पाठ्य-पुस्तक में उनकी सभी भाषाओं के शब्द, वाक्य होना अनिवार्य है

(4) उनकी सभी भाषाओं की जानकारी शिक्षक के लिए अनिवार्य है

ANS : 1

Q.68. भाषा-शिक्षण में खेल का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण स्थान है क्योंकि

(1) भाषा-शिक्षक को कम श्रम करना पड़ता है (2) खेल भाषा को विस्तार देते हैं

(3) खेल में आनन्द आता है। (4) खेल में शारीरिक विकास होता है।

ANS : 2

Q.69. भाषा सीखने में मातृभाषा का व्याघात

(1) आंशिक रूप से होता है (2) पूर्ण रूप से होता है (3) नहीं होता है (4) होता है

ANS : 4

Q.70. पहली और दूसरी कक्षा में भाषा-शिक्षण के साथ ही कला शिक्षा को समेकित करने का उद्देश्य नहीं है

(1) चित्रों के माध्यम से अभिव्यक्ति का विकास (2) बच्चों द्वारा आनन्द की प्राप्ति

(3) बच्चों के लेखन में परिपक्वता लाना (4) बच्चों की रचनात्मकता का विकास

ANS : 3

Q.71. भाषा अर्जन के सम्बन्ध में कौन-सा कथन सत्य है?

(1) भाषा सीखना एक उद्देश्य होता है

(2) समाज-सांस्कृतिक परिवेश के अनुसार अर्थ-ग्रहण की प्रक्रिया स्वाभाविक होती है

SACHIN ACADEMY

(3) भाषा अर्जन में बच्चे को बहुत अधिक प्रयास करना पड़ता है

(4) भाषा अर्जन में किसी अन्य भाषा का व्याघात होता है

ANS : 2

Q.72. “बच्चों के भाषायी विकास' में समाज की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है।" यह विचार किसका है?

(1) पियाजे (2) स्किनर (3) चॉम्स्की (4) वाइगोत्स्की

ANS : 4

Q.73. भाषा का अस्तित्व एवं विकास ____के बाहर नहीं हो सकता।

(1) परिवार (2) साहित्य (3) समाज (4) विद्यालय

ANS : 3

Q.74. बच्चों के बोलना सीखने के सन्दर्भ में कौन-सा कथन सही है?

(1) सभी बच्चों की 'बोलना सीखने की गति एक समान होती है

(2) बड़े परिवार में बच्चों की 'बोलना सीखने की गति तेज होती है

(3) निर्धन परिवारों से आए बच्चों की 'बोलने' सीखने की गति धीमी होती है

(4) कहने-सुनने के अधिक से अधिक अवसर मिलने पर बच्चे बोलना सरलता से सीखते हैं

ANS : 4

Q.75. भाषा

(1) नियमों की जानकरी से ही निखरती है

(2) विद्यालय में ही सीखी जाती है

(3) एक नियमबद्ध व्यवस्था है।

(4) सदैव व्याकरण के नियमों का ही अनुगमन करती है

ANS : 3

Q.76. एक बहुभाषिक कक्षा में आप किसे सबसे कम महत्त्व देंगे?

SACHIN ACADEMY

(1) बच्चों को सिखाना कि दो भाषाओं के मध्य विद्यमान समानता व अन्तर का विश्लेषण कैसे किया जाता है

(2) विभिन्न प्रकार का बाल साहित्य

(3) कक्षा मे विभिन्न प्रकार की सामग्री से समृद्ध वातावरण

(4) कक्षा के बहुभाषिक और बहुसांस्कृतिक सन्दर्भो के प्रति संवेदनशीलता

ANS : 1

Q.77. बच्चों की मौखिक अभिव्यक्ति का विकास करने के लिए सबसे कम प्रभावी तरीका कौन-सा है?

(1) संवाद-अदायगी

(2) व्याकरण-आधारित संरचना-अभ्यास

(3) अपने अनुभवों का वर्णन

(4) बातचीत करना

ANS : 2

Q.78. बहुभाषिकता

(1) भाषा सिखाने में बहुत बड़ी बाधा है

(2) भाषायी समृद्धि को खतरे में डालती है

(3) भाषा सीखने में बाधा उत्पन्न करती है

(4) भाषा सीखने में एक महत्त्वपूर्ण संसाधन है

ANS : 4

Q.79. भाषा में सतत और व्यापक आकलन का उद्देश्य है

(1) वर्तनी की अशुद्धि के बिना लिखने की क्षमता का आकलन

(2) भाषा के व्याकरण का आकलन करना

(3) भाषा के मौखिक और लिखित रूपों के प्रयोग की क्षमता का आकलन

(4) पढ़कर समझने की क्षमता का आकलन

ANS : 3

Q.80. घर की भाषा और विद्यालय में पढ़ाई जाने वाली भाषा

(1) सदैव टकराहट से गुजरती हैं

(2) सदैव समान होती हैं

SACHIN ACADEMY

(3) समान हो सकती हैं (4) सदैव अलग होती हैं

ANS : 3

Q.81. पढ़ने का प्रारम्भ

(1) वर्णमाला से होना चाहिए (2) कहानियों से होना चाहिए

(3) कविताओं से होना चाहिए (4) अर्थपूर्ण सामग्री से होना चाहिए

ANS : 4

Q.82. भाषा हमारे परिवेश में बिखरी मिलती है। यह कथन किस पर लागू नहीं होता?

(1) भाषा प्रयोगशाला (2) अख़बार (3) विज्ञान (4) साइनबोर्ड

ANS : 1

Q.83. बच्चों के भाषा-प्रयोग में होने वाली 'त्रुटियों के सम्बन्ध में कौन-सा कथन उचित नहीं है?

(1) त्रुटियों का अर्थ नहीं है-शिक्षक में कमी (2) त्रुटियाँ सीखने की प्रक्रिया का एक पड़ाव हैं

(3) त्रुटियों का अर्थ है-भाषा-अज्ञानता (4) त्रुटियाँ बच्चों की मदद का मार्ग तय करती हैं

ANS : 3

Q.84. प्राथमिक स्तर पर भाषा सीखने-सिखाने का अर्थ है

(1) आलंकारिक भाषा का प्रयोग (2) वर्णमाला सीखना

(3) भाषा का प्रभावी प्रयोग (4) साहित्य की रचना

ANS : 3

Q.85. पढ़ने की प्रक्रिया में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है

(1) प्रवाह (2) अक्षर-ज्ञान (3) अर्थ (4) गति

ANS : 3

Q.86. बहुभाषिक कक्षा में मातृभाषा के प्रयोग को

(1) अनदेखा कर दिया जाना चाहिए (2) अस्वीकार किया जाना चाहिए

(3) स्वीकार किया जाना चाहिए (4) अधिक महत्त्व नहीं दिया जाना चाहिए

ANS : 3

SACHIN ACADEMY

Q.87. भाषा के अभिव्यक्तात्मक कौशल हैं

(1) सुनना, पढ़ना (2) सुनना, बोलना (3) बोलना, लिखना (4) पढ़ना, लिखना

ANS : 3

Q.88. एक बहु-सांस्कृतिक कक्षा में आप एक भाषा-शिक्षक के रूप में किस बात को अधिक महत्व देंगे?

(1) बच्चों को भाषा-प्रयोग के अधिक-से-अधिक अवसर देना

(2) पाठ्य-पुस्तक के प्रत्येक पाठ को भली-भाँति समझाना

(3) बच्चों को व्याकरण सिखाना

(4) स्वयं शुद्ध भाषा-प्रयोग

ANS : 1

Q.89. बच्चों के 'लेखन' कौशल का मूल्यांकन करने के लिए कौन-सी विधि बेहतर हो सकती है?

(1) सुन्दर लेख का अभ्यास (2) अपने अनुभवों को लिखना

(3) श्रुतलेख (4) पाठाधारित प्रश्नों के उत्तर लिखना

ANS : 2

Q.90. गृह-कार्य के बारे में कौन-सा कथन उचित है?

(1) गृह-कार्य देना अति आवश्यक है

(2) गृह-कार्य अभिभावकों को व्यस्त रखने का उत्तम साधन है

(3) बच्चों की क्षमताओं, स्तर के अनुसार गृह-कार्य दिया जाना चाहिए

(4) गृह-कार्य कक्षा में किए गए कार्य का अभ्यास-मात्र है

ANS : 3

Q.91. एक भाषा-शिक्षक के लिए सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है

(1) बच्चों को भाषा-प्रयोग के अवसर उपलब्ध कराना

(2) भाषा की त्रुटियों के प्रति कठोर रवैया अपनाना

SACHIN ACADEMY

(3) भाषा की पाठ्य-पुस्तक

(4) भाषा का आकलन

ANS : 1

Q.92. बच्चे अपने परिवेश से स्वयं भाषा अर्जित करते हैं। इसका एक निहितार्थ यह है कि

(1) बच्चों को अत्यन्त सरल भाषा का परिवेश उपलब्ध कराया जाए

(2) बच्चों को बिलकुल भी भाषा न पढ़ाई जाए

(3) बच्चों को समृद्ध भाषिक परिवेश उपलब्ध कराया जाए

(4) बच्चों को केवल लक्ष्य भाषा का ही परिवेश उपलब्ध कराया जाए

ANS : 3

Q.93. भाषा-अर्जन में महत्त्वपूर्ण है

(1) भाषा के विभिन्न रूपों का प्रयोग

(2) भाषा का व्याकरण

(3) पाठ्य-पुस्तक

(4) भाषा का शिक्षक

ANS : 1

Q.94. बहुभाषिक एवं बहुसांस्कृतिक कक्षा में

(1) बच्चों की मातृभाषा को समुचित सम्मान, स्थान देते हुए मानक भाषा से भी परिचय कराना चाहिए

(2) बच्चों को केवल मानक भाषा के प्रयोग के लिए ही पुरस्कृत करना चाहिए

(3) बच्चों की मातृभाषा का ही सदैव प्रयोग किया जाना चाहिए

(4) बच्चों की मातृभाषा का प्रयोग वर्जित होना चाहिए

ANS : 1

Q.95. बच्चे प्रारम्भ से ही

(1) एकभाषिक होते हैं

(2) द्विभाषिक होते हैं

(3) बहुभाषिक होते हैं

(4) भाषा में कमजोर होते हैं

SACHIN ACADEMY

ANS : 3

Q.96. पाठ के अन्त में अभ्यास और गतिविधियाँ देने का उद्देश्य है

(1) बच्चों को अभिव्यक्ति के अवसर देना

(2) बच्चों को व्यस्त रखने हेतु गतिविधियाँ बनाना

(3) बच्चों को याद करने हेतु सामग्री उपलब्ध करने में सहायता करना

(4) गृहकार्य की सामग्री जुटाना

ANS : 1

Q.97. पढ़ना सीखने की प्रक्रिया में किसकी भूमिका सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है?

(1) भाषा-प्रयोगशाला की

(2) बाल-साहित्य के सार्थक प्रयोग की

(3) पाठ्य-पुस्तक की

(4) भाषा-परीक्षाओं की

ANS : 2

Q.98. प्राथमिक स्तर पर भाषा शिक्षण का उद्देश्य यह है कि

(1) बच्चे मानक भाषा का प्रयोग करना जल्दी सीख जाएँ

(2) बच्चे भाषा-परीक्षा में सदैव अच्छे अंक लाएँ

(3) बच्चे विभिन्न स्थितियों में भाषा का प्रभावी प्रयोग कर सकें

(4) बच्चे भाषा के व्याकरण को जान सकें

ANS : 3

Q.99. समावेशी कक्षा में बच्चों की आवश्यकताओं को पूरा करने में भाषा-शिक्षक के रूप में आपकी मुख्य जिम्मेदारी नहीं है

(1) बच्चों की भाषा सम्बन्धी क्षमताओं का पहचान करना

(2) बच्चों को विभिन्न प्रकार की दृश्य-शृव्य सामग्री उपलब्ध कराना

(3) बच्चों का आकलन करते समय अति उदार बनना

(4) विभिन्न आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए उपलब्ध संसाधनों की खोज करना

SACHIN ACADEMY

ANS : 3

Q.100. विद्यालय के बाहर का जीवन और वहाँ प्राप्त ज्ञान एवं अनुभव भाषा सीखने के लिए आवश्यक प्रेरणा देते हैं, क्योंकि

(1) मानक वर्तनी का सम्यक् ज्ञान मिलता है।

(2) लेखन की विभिन्न शैलियों का परिचय मिलता है।

(3) समृद्ध भाषिक परिवेश मिलता है।

(4) इससे व्याकरणिक नियमों की जानकारी प्राप्त होती है

ANS : 3

Q.101. प्राथमिक कक्षाओं में बच्चे बहुत कुछ लेकर विद्यालय आते हैं, जैसे-अपनी ", अपने अनुभव, दुनिया को देखने का अपना दृष्टिकोण आदि।

(1) समस्याएँ (2) भाषा (3) पाठ्य-पुस्तकें (4) कमियाँ

ANS : 2

Q.102. प्राथमिक स्तर पर बच्चों की भाषायी क्षमताओं का विकास करने का अर्थ है

(1) भाषिक संरचनाओं पर अधिकार (2) भाषा-प्रयोग की कुशलता पर अधिकार

(3) भाषा-अनुकरण की कुशलता पर अधिकार (4) भाषिक नियमों पर अधिकार

ANS : 2

Q.103. प्राथमिक कक्षाओं के भाषा-शिक्षक होने के नाते आपकी सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

(1) बच्चे की भाषायी क्षमता के विकास के लिए तरह-तरह के अवसर जुटाना

(2) बच्चों को वाद-विवाद के लिए तैयार करना

(3) विद्यार्थियों को सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के लिए तैयार करना

(4) कक्षा में पाठ्य-पुस्तक का अच्छी तरह से निर्वाह करना

ANS : 1

Q.104. भाषा और विचार के सम्बन्धों की चर्चा में अग्रणी हैं

SACHIN ACADEMY

(1) पियाजे (2) स्किनर (3) चॉम्स्की (4) वाइगोत्स्की

ANS : 4

Q.105. वाणी ___ होती है और लिखित भाषा की तुलना में काफी तेजी से बदलती रहती है।

(1) गौण (2) स्थिर (3) अस्थायी (4) स्थायी

ANS : 3

Q.106. संज्ञान के स्तर पर विकसित _____अन्य भाषाओं में आसानी से अनूदित होती रहती है।

(1) ज्ञान क्षमता (2) व्याकरण क्षमता (3) तर्क क्षमता (4) भाषा क्षमता

ANS : 4

Q.107. भाषा सीखने-सिखाने में आप किसे सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण मानते हैं?

(1) बाल साहित्य (2) संज्ञानात्मक विकास

(3) सामाजिक अन्तःक्रिया (4) दश्य-श्रव्य सामग्री

ANS : 3

Q.108. सुनने और लिखने की कुशलता का आकलन करने का सबसे अच्छा तरीका है।

(1) सुनी गई कहानी को शब्दशः लिखना (2) कविता सुनना और शब्दश: लिखना

(3) कविता सुनकर प्रश्नों के उत्तर लिखना (4) सुनी गई कहानी को अपने शब्दों में लिखना

ANS : 4

Q.109. डिसग्राफिया से प्रभावित बच्चों को मुख्य रूप से _____ में कठिनाई होती है।

(1) लिखने (2) सुनने (3) बोलने (4) पढ़ने

ANS : 1

Q.110. आकलन की प्रक्रिया मे केवल बच्चे की क्षमताओं का आकलन नहीं होता बल्कि शिक्षक की शिक्षण-प्रक्रिया का भी आकलन होता है। यह विचार

(1) पूर्णत: सही है (2) अंशत: सही है (3) पूर्णत: गलत है (4) निराधार है

ANS : 1

SACHIN ACADEMY

Q.111. 'भाषा अर्जन क्षमता' किसके साथ सम्बन्धित है

(1) पियाजे (2) चॉमस्की (3) स्किनर (4) ब्रूनर

ANS : 2

Q.112. पाँचवी कक्षा की सुहानी 'पाँचों, किन्हें, आँखें, दोनों' आदि शब्द लिखती है। आप सुहानी के लेखन क्षमता के बारे में क्या कहेंगे?

(1) वह अनुनासिक चिह्न का प्रयोग बिलकुल नहीं जानती

(2) वह अनुनासिक चिह्न के प्रयोग के प्रति सजग है

(3) वह अनुनासिक चिह्न के प्रयोग के प्रति लापरहवाह है

(4) वह अनुनासिक चिह्न के नियम का अति सामान्यीकरण करती है

ANS : 4

Q.113. हिंदी भाषा का आकलन करते समय आप किस बिंदु को सर्वाधिक महत्त्व देंगे ?

(1) आलंकारिक भाषा (2) भाषा की संरचना

(3) व्याकरण सम्मत भाषा (4) सहज अभिव्यक्ति

ANS : 4

Q.114. द्विभाषिकता और_____ उपलब्धियों का गहरा सकारात्मक संबंध पाया जाता है।

(1) विद्वत (2) साहित्यिक (3) वैज्ञानिक (4) व्यावसायिक

ANS : 1

Q.115. मौखिक भाषा का आकलन_____ पर सर्वाधिक बल देता है।

(1) विचारों की क्रमबद्धता (2) धाराप्रवाह की तीव्रता

(3) संस्कृतनिष्ठ शब्दों का प्रयोग (4) उच्चारणगत शुद्धता

ANS : 1

Q.116. प्राथमिक स्तर पर भाषा सीखने-सिखाने में बाल साहित्य मदद करता है, क्योंकि-

(1) वह रंगीन चित्रों वाला होता है। (2) वह भाषा की रंगतें प्रस्तुत करता है।

SACHIN ACADEMY

(3) वह बच्चों के लिए है। (4) वह सरल होता है।

ANS : 2

Q.117. लिखना

(1) एक बेहद जटिल प्रक्रिया है

(2) एक अनिवार्य कुशलता है, जिसे जल्दी प्राप्त किया जाना है

(3) एक तरह की बातचीत है

(4) एक अत्यन्त यान्त्रिक प्रक्रिया है

ANS : 3

Q.118. भाषा _____और _____का एक उत्तम साधन है।

(1) सुनने, बोलने, सोचने (2) पढ़ने, लिखने, सम्प्रेषण

(3) सोचने, महसूस करने, चीज़ों से जुड़ने (4) पढ़ने, लिखने, समझने

ANS : 2

Q.119. इनमें से प्राथमिक स्तर पर भाषा-आकलन का सर्वाधिक उचित तरीका है

(1) किसी पाठ की पाँच पंक्तियाँ पढ़वाना

(2) बच्चों को चित्र-वर्णन और प्रश्न पूछने के अवसर देना

(3) बच्चों से पत्र लिखवाना

(4) बच्चों से प्रश्नों के उत्तर लिखवाना

ANS : 2

Q.120. पाठ के अन्त में अभ्यास और गतिविधियों का उद्देश्य _____नहीं है।

(1) भाषा का विस्तार करना

(2) सृजनात्मकता का विकास करना

(3) बच्चों को अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान करना

(4) प्रश्नों के उत्तर सरलता से याद करवाना

SACHIN ACADEMY

ANS : 4

Q.121. भाषायी कौशलों के सन्दर्भ में कौन-सा कथन सत्य है?

(1) भाषायी कौशल एकसाथ सीखे जाते हैं, क्रम से नहीं

(2) भाषायी कौशल एक-दूसरे से स्वतन्त्र होते हैं

(3) भाषायी कौशल एक क्रम से सीखे जाते हैं

(4) भाषायी कौशल एक-दूसरे को प्रभावित नहीं करते

ANS : 1

Q.122. प्राथमिक स्तर पर बच्चों की घर की भाषा को अपनी कक्षा में स्थान देना जरूरी है क्योंकि घर की भाषा

(1) सरल होती है

(2) बच्चे ने अभी पूर्णत: नहीं सीखी है

(3) बच्चे की भाषायी पूँजी है

(4) मानक स्वरूप लिए होती है

ANS : 3

Q.123. विद्यार्थियों का भाषायी विकास समग्रता से हो सके, इसके लिए सबसे उपयुक्त अनुशंसा होगी

(1) शब्दकोष एवं विश्वकोष के प्रयोग की

(2) भाषा प्रयोग के विविध अवसरों की

(3) सतत एवं व्यापक आकलन की

(4) सर्वोत्कृष्ट पाठ्य-पुस्तकों की

ANS : 2

Q.124. किसी समावेशी कक्षा में कौन-सा कथन भाषा-शिक्षण के सिद्धान्तों के अनुकूल है?

(1) प्रिन्ट-समृद्ध माहौल भाषा सीखने में मदद करता है

(2) बच्चे अपने अनुभवों के आधार पर भाषा के नियम नहीं बना पाते

(3) भाषा विद्यालय में रहकर अर्जित की जाती है

(4) व्याकरण के नियमों का ज्ञान भाषा-विकास की गति त्वरित करता है

ANS : 1

SACHIN ACADEMY

Q.125. विद्यालय/कक्षा में समृद्ध भाषायी परिवेश से तात्पर्य है

(1) मुख्य धारा की भाषा सुनने के अधिक-से-अधिक अवसर

(2) बोलने-सुनने, पढ़ने-लिखने के अधिक से अधिक अवसर

(3) एक से अधिक भाषाओं के शब्दकोष की उपलब्धता

(4) अध्यापक को एक से अधिक भाषाओं की जानकारी

ANS : 2

Q.126. भाषा की पाठ्य-पुस्तक का निर्माण करते समय सबसे कम महत्त्वपूर्ण बिन्दु है

(1) भाषा की विभिन्न छटाएँ

(2) अभ्यासों में वैविध्य

(3) पाठों की संख्या

(4) विषय-वस्तु में वैविध्य

ANS : 3

Q.127. प्राथमिक स्तर पर भाषा की पाठ्य-पुस्तकों में किस तरह की रचनाओं को स्थान दिया जाना चाहिए?

(1) केवल कहानियाँ अथवा कविताएँ

(2) विदेशी साहित्य की रचनाएँ

(3) ऐसी रचनाएँ जो बच्चों के परिवेश से जुड़ी हों और जिनमें भाषा की अलग-अलग छटाएँ हों

(4) जो प्रत्यक्ष रूप से मूल्यों पर आधारित हो

ANS : 3

Q.128. भाषा सीखने के लिए कौन-सा कारक सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण

(1) समृद्ध भाषिक वातावरण

(2) भाषा के व्याकरणिक नियम

(3) पाठ पर आधारित प्रश्नोत्तर

(4) भाषा की पाठ्य-पुस्तक

ANS : 1

Q.129. भाषा-कक्षा में विभिन्न दृश्य-श्रव्य साधनों के उपयोग का उद्देश्य नहीं है

(1) आधुनिक तकनीक को कक्षा में लाना

SACHIN ACADEMY

(2) सभी प्रकार के बच्चों की आवश्यकताओं का ध्यान रखना

(3) सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को रुचिकर बनाना

(4) विद्यालय-प्रमुख के निर्देशों का पालन करन

ANS : 4

Q.130. प्राथमिक स्तर पर हिन्दी भाषा-शिक्षण' के लिए सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण है

(1) भाषा प्रयोग के अवसर (2) पाठ्य-पुस्तक

(3) उच्चस्तरीय तकनीकी यन्त्र (4) व्याकरणिक नियमों का स्मरण

ANS : 1

Q.131. प्राथमिक स्तर पर पढ़ना सिखाने की शुरुआत करने के लिए आप किस सामग्री को सर्वाधिक महत्त्व देंगे?

(1) वर्णमाला (2) शुद्ध उच्चारण (3) रोचक कहानी (4) अक्षर-ज्ञान

ANS : 3

Q.132. प्राथमिक स्तर पर पढ़ाते समय आप हिंदी भाषा संबंधी किस पक्ष पर सर्वाधिक बल देंगे ?

(1) व्याकरण-ज्ञान (2) भाषा-ज्ञान (3) भाषा-प्रयोग (4) व्याकरणिक नियम

ANS : 3

Q.133. कक्षा एक में लिखना_____ से प्रारंभ होता है।

(1) चित्र बनाने (2) वाक्य लिखने (3) शुरू से (4) अक्षर लिखने में

ANS : 1

Q.134. भाषा के बारे में कौन-सा कथन उचित है?

(1) भाषा अनिवार्यतः लिखित होती है

(2) भाषा एक नियमबद्ध व्यवस्था है

(3) भाषा व्याकरण का अनुसरण करती है।

(4) भाषा और बोली में कभी भी कोई भी सम्बन्ध नहीं होता है

ANS : 2

SACHIN ACADEMY

Q.135. निम्न में से कौन-सा प्रश्न बच्चों के भाषा-आकलन की दृष्टि से सर्वाधिक उपयोगी है?

(1) 'ईदगाह' कहानी की मुख्य घटनाएँ बताइए

(2) 'ईदगाह' कहानी की मुख्य पात्र का नाम बताइए

(3) 'ईदगाह' कहानी को अपनी भाषा में सुनाइए

(4) 'ईदगाह' कहानी में हामिद ने क्या खरीदा?

ANS : 3

Q.136. 'बच्चे सामाजिक अन्त:क्रिया से भाषा सीखते हैं।' यह विचार किसका है?

(1) पैवलॉव (2) वाइगोत्स्की (3) जीन पियाजे (4) स्किनर

ANS : 2

Q.137. बच्चों को लिखना सिखाने में सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण है

(1) काव्यात्मक भाषा (2) विचारों की अभिव्यक्ति

(3) सुन्दर लेखन (4) वर्तनी की शुद्धता

ANS : 2

Q.138. प्राथमिक स्तर पर कौन-सा भाषा-शिक्षण का उद्देश्य नहीं

(1) विभिन्न सन्दर्भो में भाषा का प्रभावी प्रयोग करना

(2) स्पष्टता एवं आत्मविश्वास के साथ अपनी बात कहना

(3) वर्णमाला को क्रम से कण्ठस्थ करना

(4) ध्वनि-संकेत चिह्नों का सम्बन्ध बनाना

ANS : 3

Q.139. हिन्दी की कक्षा में प्राय: हिन्दीतर-भाषी बच्चे हिन्दी सीखने में अनेक कठिनाइयों का सामना करते हैं, क्योंकि

(1) प्राय: हिन्दी और उनकी मातृभाषा की संरचना में अन्तर होता है

(2) वे मन लगाकर हिन्दी नहीं सीखते

SACHIN ACADEMY

(3) हिन्दी सीखने के प्रति उनमें अरुचि होती है

(4) हिन्दी बहुत कठिन भाषा है

ANS : 1

Q.140. एक भाषा-शिक्षक के रूप में सबसे बड़ी चुनौती है

(1) बहुभाषिक कक्षा के शिक्षण के लिए उचित रणनीतियाँ तय करना

(2) बच्चों को भाषा सीखने के महत्त्व से परिचित कराना

(3) बच्चों की भाषा को संचार साधनों के प्रभाव से मुक्त रखना

(4) भाषा-संसाधनों का अभाव है

ANS : 1

Q.141. भाषा का प्रयोग

(1) जीवन के विभिन्न सन्दर्भों में होता है

(2) केवल परीक्षा में होता है

(3) केवल पाठ्य-पुस्तक में होता है

(4) केवल मुद्रित सामग्री में होता है

ANS : 1

Q.142. भाषा की पाठ्य-पुस्तकें

(1) भाषा सीखने की एक-मात्र संस्थान हैं

(2) अभ्यासपरक ही होनी चाहिए

(3) साधन हैं

(4) साध्य हैं

ANS : 3

Q.143. निम्नलिखित में से कौन-सा भाषा-शिक्षण का उद्देश्य है?

(1) भाषा सीखते समय त्रुटियाँ बिलकुल न करना

(2) भाषा की बारीकी और सौन्दर्य बोध को सही रूप में समझने की क्षमता को हतोत्साहित करना

(3) भाषा के व्याकरण सीखने पर बल देना

(4) निजी अनुभवों के आधार पर भाषा का सृजनशील प्रयोग करना

ANS : 4

SACHIN ACADEMY

Q.144. प्राथमिक स्तर पर शिक्षा का माध्यम

(1) हिन्दी होना चाहिए
(2) अंग्रेज़ी होना चाहिए
(3) उर्दू होना चाहिए
(4) बच्चे की मातृभाषा होना चाहिए

ANS : 4

Q.145. प्राथमिक स्तर पर एक भाषा-शिक्षक से सर्वाधिक अपेक्षित है।

(1) पाठ्य-पुस्तक में दी गई सभी कहानी-कविताओं को कण्ठस्थ करना

(2) बच्चों को मानक भाषा का प्रयोग करना सिखाना

(3) कक्षा और कक्षा के बाहर बच्चों को भाषा-प्रयोग के लिए प्रोत्साहित करना

(4) बच्चों की निरन्तर परीक्षाएँ लेना

ANS : 3

Q.146. एक समावेशी कक्षा में भाषा-शिक्षक को किस बिन्दु का सबसे अधिक ध्यान रखना चाहिए?

(1) सभी बच्चों को समान रूप से गृहकार्य देना

(2) सभी बच्चों को समान गतिविधि में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना

(3) सभी बच्चों से समान अपेक्षाएँ रखना

(4) विविध प्रकार की दृश्य-श्रव्य सामग्री का उपयोग करना

ANS : 4

Q.147. पढ़ने की संस्कृति के विकास के क्रम में _____पठन को प्रोत्साहित किए जाने की आवश्यकता है।

(1) वैयक्तिक
(2) सस्वर
(3) मौन
(4) सामूहिक

ANS : 1

Q.148. पहली कक्षा में प्रवेश लेने से पहले आमतौर पर बच्चे

(1) पठन-लेखन में दक्ष होते हैं
(2) स्व-अभिव्यक्ति जानते हैं

SACHIN ACADEMY

(3) भाषा के व्याकरणिक नियम जानते हैं (4) तुतलाकर बोलते हैं

ANS : 2

Q.149. बच्चों की मौखिक अभिव्यक्ति के विकास का अर्थ यह नहीं है

(1) वाद-विवाद में बेझिझक होकर बोलना

(2) कहानी सुनकर शब्दश: दोहराना

(3) अपनी कल्पनाओं की मौखिक अभिव्यक्ति

(4) बातचीत में सक्रिय भागीदारिता का निर्वाह करना

ANS : 2

Q.150. दूसरी कक्षा में पढ़ने वाला अक्षय हिन्दी की कक्षा में अपनी मातृभाषा में बात करता है। आप क्या करेंगे?

(1) उसकी भाषा को समझने की कोशिश करेंगे

(2) बाकी बच्चों से उसकी भाषा सीखने के लिए कहेंगे

(3) उसे डाँटेंगे कि वह कक्षा में मातृभाषा का प्रयोग न करे

(4) उसे बिल्कुल अनदेखा कर पढ़ाते रहेंगे

ANS : 1

Q.1. सौरभ की माँ ने अपने परिवार के सदस्यों से अनुरोध किया है कि वे घर में एक ही भाषा का प्रयोग करें जिससे कि सौरभ का भाषायी विकास ठीक से हो सके। उनके बारे में आप क्या कहेंगे?

(1) वह सौरभ को समृद्ध भाषिक परिवेश से वंचित कर रही हैं

(2) वह सौरभ के भाषिक परिवेश में किसी प्रकार का अवरोध नहीं चाहती

(3) वह सौरभ के भाषायी विकास के लिए विशेष प्रयत्न कर रही हैं

(4) वह भाषा-अर्जन के सिद्धान्तों की गहरी समझ रखती हैं

ANS : 2

Q.2. 'बहुभाषी कक्षा' से तात्पर्य है

SACHIN ACADEMY

(1) जिस कक्षा में कम-से-कम दो भाषाओं में पाठ्य-पुस्तक उपलब्ध हो

(2) जिस कक्षा में प्रत्येक बच्चे के घर की बोली को सम्मान दिया जाता हो

(3) जहाँ बहुत-सी भाषाओं का अध्यापन किया जाता है

(4) जिस कक्षा के शिक्षक/शिक्षिका दो या दो से अधिक भाषाएँ पढ़-लिख सकते हों

ANS : 2

Q.3. हिन्दी भाषा शिक्षक का यह प्रयास होना चाहिए कि वे

(1) बच्चों को शिक्षाप्रद बाल साहित्य पढ़ने के भरपूर अवसर दें

(2) बच्चों की भाषा सम्बन्धी सहज रचना शक्ति को बढ़ने के अवसर दें

(3) बच्चों की मातृभाषा के स्थान पर हिन्दी भाषा को ही कक्षा में स्थान दें

(4) बच्चों द्वारा मानक भाषा का ही प्रयोग करने के लिए अवसर

ANS : 2

Q.4. सार्थक पढ़ते समय कभी-कभी वाक्यों, शब्दों की पुनरावृत्ति करता है। यह भाषायी व्यवहार दर्शाता है कि

(1) उसे लम्बे शब्दों को पढ़ने में कठिनाई होती है

(2) वह पढ़ने में अधिक समय लेता है

(3) वह अटक-अटक कर ही पढ़ सकता है

(4) वह समझ के साथ पढ़ने की कोशिश करता है

ANS : 4

Q.5. प्राथमिक स्तर की हिन्दी भाषा की पाठ्य-पुस्तक में आप किसे सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण मानते हैं?

(1) हिन्दी भाषा को विविध रूप देने वाली रचनाएँ

(2) बहुत प्रसिद्ध लेखकों की प्रसिद्ध रचनाएँ

(3) नैतिक मूल्यों वाली कहानी-कविताएँ

(4) बहुतायत में दिए गए अभ्यास कार्य

SACHIN ACADEMY

ANS : 1

Q.6. रीमा ने तीसरी कक्षा में पढ़ने वाली ऋतिका की भाषा-क्षमता, भाषा- निष्पादन सम्बन्धी क्रमिक प्रगति का ब्यौरा उसके अभिभावकों को दिया।

रीमा ने..... के आधार पर यह जानकारी दी।

(1) अवलोकन (2) पोर्टफोलियो (3) जाँच सूची (4) लिखित परीक्षा

ANS : 2

Q.7. प्राथमिक स्तर पर भाषा सीखने में भाषा सम्बन्धी कौन-सा संसाधन सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है?

(1) कम्प्यू टर (2) बाल साहित्य (3) समाचार-पत्र (4) टेलीविजन

ANS : 2

Q.8. विद्यालय में भाषा शिक्षण के लिए कोई कार्यक्रम शुरू करते समय सबसे महत्त्वपूर्ण है।

(1) बच्चे की लिखित क्षमता को पहचानना

(2) बच्चे की सहज भाषायी क्षमता को पहचानना

(3) बच्चे की सहज मौखिक अभिव्यक्ति को पहचानना

(4) बच्चे की पठन क्षमता को पहचानना

ANS : 2

Q.9. कक्षा 'एक' के बच्चे अपने ____ एवं _____ से प्राप्त बोलचाल की भाषा के अनुभवों को लेकर ही विद्यालय आते हैं।

(1) घर-परिवार, पड़ोसी (2) घर-परिवार, परिवेश

(3) घर-परिवार, दोस्तों (4) घर-परिवार,टी.वी.

ANS : 2

Q.10. भाषा सीखने का व्यवहारवादी दृष्टिकोण _____ पर बल देता है।

(1) अनुकरण (2) रचनात्मकता (3) भाषा-प्रयोग (4) अभिव्यक्ति

ANS : 1

SACHIN ACADEMY

Q.11. कौन-सा प्रश्न बच्चों की भाषा-क्षमता का सही आकलन करेगा?

(1) लड़की ने किसके दाम नहीं बताए?

(2) लड़की टोकरी में क्या बेच रही थी?

(3) यदि तुम आम बेचोगे, तो उसके कितने दाम लोगे और क्यों?

(4) आजकल आम का दाम कितना है?

ANS : 3

Q.12. पठन-पाठन के अन्त में ऐसे अभ्यास एवं गतिविधियाँ हों, जो

(1) सरल भाषा वाले हों

(2) बच्चों को स्वयं कुछ करने और सीखने का अवसर प्रदान करें

(3) केवल पाठ से ही सम्बन्धित हों

(4) पाठ पर बिलकुल आधारित न हों

ANS : 2

Q.13. भाषा सीखने में होने वाली त्रुटियों के सन्दर्भ में कौन-सा कथन सत्य नहीं है?

(1) त्रुटियाँ, सीखने-सिखाने की प्रक्रिया का अभिन्न अंग हैं

(2) त्रुटियाँ अस्थायी होती हैं

(3) भाषा सीखने में होने वाली त्रुटियाँ स्थायी होती हैं

(4) भाषा सीखने में होने वाली त्रुटियाँ यह समझने में मदद करती हैं कि बच्चे के मस्तिष्क में क्या चल रहा है

ANS : 3

Q.14. भाषा सीखने-सिखाने के सन्दर्भ में गृहकार्य का उद्देश्य होता है

(1) सीखने को विस्तार देना

(2) अभिभावकों को प्रसन्न करना

(3) बच्चों को कार्य में व्यस्त रखना

(4) कॉपियाँ भरवाना

ANS : 1

SACHIN ACADEMY

Q.15. लिखित भाषा का प्रयोग

(1) केवल प्रतिवेदन-लेखन के लिए किया जाता है

(2) कार्यालयी कार्यों के लिए ही किया जाता है

(3) अपनी अभिव्यक्ति के लिए किया जाता है।

(4) केवल साहित्य सृजन के लिए किया जाता है

ANS : 3

Q.16. प्राथमिक स्तर पर विद्यार्थियों के भाषा-शिक्षण के सन्दर्भ में कौन-सा कथन सही है?

(1) सतत रूप से की जाने वाली टिप्पणियाँ एवं अनवरत अभ्यास भाषा सीखने में रुचि उत्पन्न करते हैं गोगाट

(2) बच्चे समृद्ध भाषिक परिवेश में सहज रूप से स्वतः भाषा में सुधार कर सकते हैं

(3) बच्चों की भाषाई संकल्पनाओं और विद्यालय के भाषाई परिवेश मे विरोधाभासी भाषा सीखने में मदद करता है

(4) बच्चे भाषा की जटिल और समृद्ध संरचनाओं का ज्ञान विद्यालय में ही अर्जित करते हैं

ANS : 4

Q.17. अपने विद्यार्थियों के भाषा सम्बन्धी क्रमिक विकास का आकलन करने के लिए आपकी निर्भरता मुख्य रूप से किस पर है?

(1) पोर्टफोलियो के अवलोकन पर

(2) मौखिक कार्य करवाने पर

(3) गृहकार्य की उत्तर-पुस्तिकाओं के अवलोकन पर

(4) कक्षाकार्य के अवलोकन पर

ANS : 1

Q.18. एक से अधिक भाषाओं का प्रयोग

(1) किसी भी एक भाषा में निपुणता में बाधक है

(2) कक्षायी जटिलताओं को बढ़ाता है

(3) शिक्षकों के लिए गहन समस्या है

(4) संज्ञानात्मक विकास में सहायक है

SACHIN ACADEMY

ANS : 4

Q.19. निम्नलिखित में से कौन-सा द्वितीय भाषा-शिक्षण का उद्देश्य नहीं है?

(1) बोलने की क्षमता के अनुरूप लिखने की क्षमता का विकास

(2) विभिन्न क्षेत्रों, स्थितियों में हिन्दी की विभिन्न प्रयुक्तियों को समझने की योग्यता का विकास

(3) हिन्दी के व्याकरणिक नियमों को कंठस्थ करना

(4) दैनिक जीवन में हिन्दी में समझने तथा बोलने की क्षमता का विकास

ANS : 3

Q.20. दृष्टिबाधित बच्चों को भाषा सिखाते समय

(1) अधिक-से-अधिक मौखिक भाषा का प्रयोग करना चाहिए

(2) उन्हें कक्षा में अलग बैठाना चाहिए ताकि उन पर विशेष ध्यान दिया जा सके

(3) उन्हें विभिन्न भाषिक गतिविधियों में शामिल नहीं करना चाहिए

(4) कम पाठों वाली पाठ्य-पुस्तक का निर्माण किया जाना चाहिए

ANS : 1

Q.21. पाठ्य-पुस्तक की भाषा

(1) बच्चों की घर व समुदाय की भाषा से मिलती-जुलती होनी चाहिए

(2) तत्सम प्रधान होनी चाहिए

(3) तद्भव प्रधान होनी चाहिए

(4) अधिकाधिक कठिन शब्दों से युक्त होनी चाहिए

ANS : 1

Q.22. हिन्दी प्रयोग के विविध रूपों को जानने के लिए सर्वाधिक उपयोगी साधन हो सकता है

(1) बाल साहित्य का विविध उपयोग

(2) शिक्षण की विधियों का सम्पूर्ण ज्ञान

(3) सुन्दर ढंग से छपी पुस्तकें

(4) उच्चस्तरीय लेखन सामग्री

SACHIN ACADEMY

ANS : 1

Q.23. प्राथमिक कक्षाओं में 'रोल प्ले' (भूमिका निर्वाह) का उद्देश्य होना चाहिए

(1) बच्चों को अभिनय सिखाना

(2) एक पद्धति के रूप में इसका उपयोग करना

(3) विभिन्न सन्दर्भो में भाषा प्रयोग के अवसर प्रदान करना

(4) बच्चों को अनुशासित रखना

ANS : 3

Q.24. बच्चों में भाषा सीखने की क्षमता

(1) जन्मजात होती है (2) अर्जित की जाती है

(3) अनुकरणीय होती है (4) बिल्कुल भी नहीं होती

ANS : 1

Q.25. प्राथमिक स्तर के बच्चों में भाषा-विकास की दृष्टि से सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है

(1) पत्रिका (2) पाठ्य-पुस्तक (3) समाचार-पत्र (4) बाल-साहित्य

ANS : 4

Q.26. प्राथमिक स्तर के बच्चों के लिए पाठ्य-पुस्तक के निर्माण में आप सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण किसे मानते हैं?

(1) भाषा का विविध गद्य साहित्य (2) प्रसिद्ध लेखक

(3) प्रसिद्ध रचनाएँ (4) भाषा की विभिन्न रंगतें

ANS : 4

Q.27. उपचारात्मक शिक्षण की सफलता निर्भर करती है

(1) उपचारात्मक शिक्षण की सामग्री पर (2) भाषिक नियमों के ज्ञान पर

(3) समय व अवधि पर (4) समस्याओं के कारणों की सही पहचान पर

ANS : 4

Q.28. 'बोलना' कौशल में महत्त्वपूर्ण है

SACHIN ACADEMY

(1) मधुर वाणी (2) सन्दर्भ एवं स्थिति के अनुसार अपनी बात कह सकना

(3) स्पष्ट एवं शुद्ध उच्चारण (4) आलंकारिक भाषा का प्रयोग

ANS : 2

Q.29. भाषा-शिषण में पाठ्य-पुस्तक

(1) अनावश्यक है (2) एकमात्र संसाधन है (3) साध्य है (4) साधन है

ANS : 4

Q.30. भाषा स्वयं में

(1) एक जटिल चुनौती है (2) एक विषय मात्र है

(3) सम्प्रेषण का एकमात्र साधन है (4) एक नियमबद्ध व्यवस्था है

ANS : 4

Q.31. बच्चों की भाषा-सम्बन्धी क्रमिक प्रगति का लेखा-जोखा रखना _____से सम्भव है।

(1) पोर्टफोलियो (2) उत्तर-पुस्तिकाओं (3) लिखित परीक्षा (4) मौखिक परीक्षा

ANS : 1

Q.32. प्रश्न पूछना, प्रतिक्रिया व्यक्त करना, परिचर्चा में भाग लेना, वर्णन करना

(1) भाषा-आकलन के तरीके मात्र हैं (2) भाषा सीखने-सिखाने तथा आकलन के तरीके हैं

(3) केवल शिक्षण-पद्धति हैं (4) केवल साहित्यिक गतिविधियाँ हैं

ANS : 2

Q.33. भाषा सीखने-सिखाने के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(1) बच्चे स्कूल आने से पूर्व ही भाषाई पूँजी से लैस होते हैं

(2) बच्चे स्कूल आकर ही भाषा सीखते हैं

(3) बच्चे अपने परिवार से ही भाषा सीखते हैं

(4) बच्चे स्कूल में मानक भाषा का ही प्रयोग करते हैं

ANS : 1

SACHIN ACADEMY

Q.34. चॉम्स्की के अनुसार, कौन-सा कथन सही है?

(1) बच्चों में भाषा सीखने की जन्मजात क्षमता होती है

(2) बच्चों में भाषा सीखने की जन्मजात क्षमता नहीं होती है

(3) बच्चों में भाषा सीखने की क्षमताएँ बहुत सीमित होती हैं

(4) बच्चों को व्याकरण सिखाना जरूरी है

ANS : 1

Q.35. भाषा अर्जित करने में वाइगोत्स्की ने किस पर सबसे अधिक बल दिया है?

(1) भाषा की पाठ्य-पुस्तक पर

(2) समाज में होने वाले भाषा प्रयोगों पर

(3) परिवार में बोली जाने वाली भाषा पर

(4) कक्षा में बोली जाने वाली भाषा पर

ANS : 2

Q.36. भाषा की पाठ्य-पुस्तक में सबसे महत्त्वपूर्ण पक्ष है

(1) आकर्षक चित्र

(2) पाठों का उद्देश्यपूर्ण चयन

(3) अभ्यासों की बहुलता

(4) कागज की गुणवत्ता

ANS : 2

Q.37. सुरभि अकसर 'ड' वाले शब्दों को गलत तरीके से उच्चारित करती है। आप क्या करेंगे?

(1) उसे 'ड' वाले शब्दों की सूची पढ़ने एवं लिखकर अभ्यास करने के लिए देंगे

(2) उसे 'ड' वाले शब्दों को अपने पीछे-पीछे दोहराने के लिए कहेंगे

(3) उसे सहजता के साथ अपनी बात कहने के लिए प्रोत्साहित करेंगे

(4) उसे 'ड' वाले शब्दों की सूची पढ़ने एवं बोलकर अभ्यास करने के लिए देंगे

ANS : 3

Q.38. भाषा की कक्षा में यह जरूरी है कि

(1) भाषा-शिक्षक भाषा का पूर्ण ज्ञाता हो

(2) भाषा-शिक्षक बच्चों की उच्चारणगत शुद्धता पर विशेष ध्यान दे

SACHIN ACADEMY

(3) भाषा-शिक्षक बच्चों की वर्तनी को बहुत कठोरता से ले

(4) स्वयं भाषा-शिक्षक की भाषा प्रभावी हो

ANS : 4

Q.39. 'पढ़ना' सीखने के लिए कौन-सा उपकौशल अनिवार्य नहीं है?

(1) भावनात्मक सम्बन्ध (2) वर्णमाला याद करने का कौशल

(3) अनुमान लगाने का कौशल (4) भाषा की संरचना की समझ

ANS : 2

Q.40. प्राथमिक स्तर पर भाषा-शिक्षण के सन्दर्भ में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है कि बच्चे

(1) लिखी/छपी सामग्री का अर्थ समझ सकें (2) लिखी/छपी सामग्री को बोल-बोलकर पढ़ सकें

(3) अक्षरों को जोड़-जोड़कर पढ़ सकें (4) शब्दों को जोड़-जोड़कर वाक्य पढ़ सकें

ANS : 1

Q.41. हिन्दी भाषा में आकलन का उद्देश्य नहीं है

(1) बच्चों की भाषागत त्रुटियों की ही पहचान करना

(2) बच्चों की भाषा प्रगति को अभिभावकों और अन्य शिक्षकों को बताना

(3) भाषा सीखने के सन्दर्भ में प्रत्येक बच्चे की विशेष आवश्यकता की पहचान करना

(4) भाषा सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को उन्नत बनाना

ANS : 1

Q.42. बच्चे अपनी मातृभाषा का प्रयोग करते हुए हिन्दी भाषा की कक्षा में अपनी बात कहते हैं। यह बात ..... है।

(1) स्वाभाविक (2) निन्दनीय (3) विचारणीय (4) अनुचित

ANS : 1

Q.43. कक्षा 'एक' और 'दो' के शुरुआती समय में पढ़ने का प्रारम्भ _____से हो और किसी _ के लिए हो।

SACHIN ACADEMY

(1) अर्थ, उद्देश्य (2) अक्षर-ज्ञान, मनोरंजन

(3) शब्द-पहचान, मूल्यांकन (4) अक्षर-ज्ञान, उद्देश्य

ANS : 1

Q.44. हिना पढ़ते समय अनेक बार अटकती है। उसे पढ़ने में कठिनाई होती है। उसकी समस्या मुख्यत: ____से सम्बन्धित है।

(1) पठन-अरुचि (2) बुद्धि-लब्धि (3) डिस्लेक्सिया (4) डिसग्राफिया

ANS : 3

Q.45. एक प्राथमिक शिक्षक के रूप में आप सतत और व्यापक आकलन करते समय किसे सर्वोपरि मानते हैं?

(1) कठिन शब्दों का श्रुतलेखन

(2) लिखित प्रश्न-पत्र

(3) पाठ से देखकर सुलेख लिखना

(4) बच्चों द्वारा विभिन्न सन्दर्भो में भाषा-प्रयोग की क्षमता

ANS : 4

Q.46. भाषा की कक्षा में भाषायी खेलों का आयोजन मुख्यत:

(1) भाषा सीखने की प्रक्रिया में स्वाभाविकता लाता है

(2) आकलन का काम करता है

(3) रोचकता और जोश लाता है

(4) अध्यापक के काम को सरल बनाता है

ANS : 1

Q.47. प्राथमिक स्तर की कक्षा में भिन्न-भिन्न प्रान्तों के अलग-अलग भाषा बोलने वाले बच्चों का नामांकन हुआ है। ऐसी स्थिति में भाषा की कक्षा बच्चों के भाषायी विकास के सन्दर्भ में

(1) जटिल चुनौती के रूप में सामने आती है (2) अवरोध ही प्रस्तुत करती है

SACHIN ACADEMY

(3) बहुत बड़ी समस्या बन जाती है (4) अनमोल संसाधन के रूप में कार्य करती है

ANS : 4

Q.48. हिन्दी भाषा का मूल्यांकन करते समय आप सबसे ज्यादा किसे महत्व देंगे?

(1) व्याकरणिक नियम (2) सीखने की क्षमता का आकलन

(3) काव्य-सौन्दर्य (4) निबन्ध लिखने की योग्यता

ANS : 2

Q.49. कक्षा 'एक और दो' के बच्चों के लिए आप किस तरह की कहानी का चयन करेंगे?

(1) जो बहुत छोटी हो

(2) जिसमें बहुत सारे पात्र हों

(3) जिसमें दो ही पात्र हों

(4) जिसके शब्दों, वाक्यों और घटनाओं के वर्णन की शैली चित्रात्मक हो

ANS : 4

SACHIN ACADEMY

Q.50. भाषा सीखने और भाषा अर्जित करने में मुख्य अन्तर का आधार है

(1) साक्षरता (2) पाठ्य सामग्री (3) भाषा-परिवेश (4) भाषा-आकलन

ANS : 3

Q.51. एक समावेशी कक्षा में कौन-सा कथन भाषा-शिक्षण के सिद्धान्तों के प्रतिकूल है?

(1) व्याकरण के नियम सिखाने से बच्चों का भाषा-विकास शीघ्रता से होगा

(2) बच्चे परिवेश से प्राप्त भाषा को ग्रहण करते हुए भाषा-प्रयोग के नियम बना सकते हैं

(3) भाषा परिवेश में रहकर अर्जित की जाती है

(4) प्रिंट-समृद्ध माहौल भाषा सीखने में सहायक होता है

ANS : 1

Q.52. पत्र-पत्रिकाएँ भाषा सीखने में

(1) त्रुटियों को बढ़ावा देती हैं (2) बड़ों के पढ़ने की वस्तु हैं

(3) साधक हैं (4) बाधक हैं

ANS : 3

Q.53. भाषा में आकलन की प्रक्रिया

(1) पाठ के अन्त में दिए अभ्यासों के माध्यम से होती है

(2) सीखने-सिखाने के दौरान भी चलती है

(3) केवल बच्चों का निष्पादन जानने के लिए होती है

(4) केवल शिक्षक का निष्पादन जानने के लिए होती है

ANS : 2

Q.54. प्राथमिक स्तर पर पढ़ने की क्षमता का आकलन करने की दष्टि से सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण है।

(1) विराम-चिह्नों का ज्ञान (2) पढ़ने में प्रवाह

(3) अर्थ का निर्माण (4) वर्गों की पहचान

ANS : 3

Q.55. द्विभाषिक बच्चे _____विकास, सामाजिक सहिष्णुता और ____चिन्तन में अपेक्षाकृत बेहतर होते हैं।

(1) संज्ञानात्मक, सीमित (2) संज्ञानात्मक, विस्तृत

(3) संक्रियात्मक, सीमित (4) संक्रियात्मक, केन्द्रित

ANS : 2

Q.56. प्राथमिक स्तर पर लेखन क्षमता के सन्दर्भ में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है

(1) वर्तनी (2) मौलिक विचार (3) श्रुतलेख (4) सुलेख

ANS : 3

Q.57. प्राथमिक स्तर की पाठ्य-पुस्तक में दिए गए प्रश्न को ध्यान से पढ़िए-

SACHIN ACADEMY

'अगर तुम पापा की जगह होतीं तो ठेला कहाँ लगाती ?' ऐसा तुमने क्यों तय किया ?

यह प्रश्न किससे जुड़ा है ?

(1) अनुभवों की अभिव्यक्ति से (2) चिंतन क्षमता के विस्तार से

(3) परिवार की जानकारी से (4) विभिन्न व्यवसायों से

ANS : 2

Q.58. सामाजिक अंतःक्रिया से भाषा सीखने का समर्थन _____ ने किया है।

(1) पियाजे (2) वाइगोत्स्की (3) चॉम्स्की (4) स्किनर

ANS : 2

Q.59. हिंदी भाषा सीखने-सिखाने का दायरा इतना बड़ा होना चाहिए कि_____ से उसका नाता न टूटे ।

(1) भाषा-प्रयोग (2) भाषा की परिभाषा

(3) व्याकरण रटने (4) व्याकरण सीखने

ANS : 1

Q.60. भाषा कौशलों के बारे में आप किस विचार से सहमत है ?

(1) ये एक-दूसरे से अंत:संबंधित होते हैं। (2) ये एक-दूसरे को प्रभावित नहीं करते ।

(3) ये सभी एक साथ नहीं सीखे जा सकते । (4) ये एक निश्चित क्रम में सीखे जाते हैं।

ANS : 1

Q.61. प्राथमिक स्तर पर भाषा सीखने-सिखाने की सबसे पहली शर्त है –

(1) निवेश-समृद्ध संप्रेषण का वातावरण (2) बाल साहित्यकारों का साहित्य

(3) चार्ट, पोस्टर से सुसज्जित कक्षा (4) सरल पाठ्य-पुस्तक

ANS : 1

Q.62. बच्चों के भाषा-विकास के लिए ज़रूरी है, बच्चों को -

(1) भाषा-प्रयोग के अवसर देना ।

SACHIN ACADEMY

(2) व्याकरण सीखने के लिए प्रोत्साहित करना ।

(3) साहित्य पढ़ने के लिए पुरस्कृत करना ।

(4) अनुकरण के लिए प्रोत्साहित करना ।

ANS : 1

Q.63. 'पोर्टफोलियो' _____ में मदद करता है।

(1) बच्चों को भययुक्त वातावरण देने

(2) समस्त क्षमताओं की जानकारी देने

(3) क्रमिक प्रगति का आकलन करने

(4) कार्य को संचित करने

ANS : 3

Q.64. भाषा के माध्यम से बच्चों का ज्ञान-क्षेत्र भी विस्तृत होता है । जिसमें सर्वाधिक योगदान है-

(1) बाल साहित्य की पुस्तकों का

(2) विभिन्न प्रकार की कविताओं का

(3) विभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक गतिविधियों का

(4) राष्ट्रीय समाचार-पत्रों / पत्रिकाओं का

ANS : 4

Q.65. प्राथमिक स्तर पर बच्चों में लिखने का कौशल इस सीमा तक हो कि वे

(1) मानक वर्तनी में लिख सकें

(2) सुन्दर अक्षरों में लिख सकें

(3) छोटी कहानी लिख सकें

(4) विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिख सकें

ANS : 4

Q.66. पहली कक्षा की हिन्दी भाषा की पाठ्य-पुस्तक में आप किस विधा को सबसे अधिक महत्त्व देंगे?

SACHIN ACADEMY

(1) निबन्ध (2) कहानी (3) नाटक (4) डायरी

ANS : 2

Q.67. वाइगोत्स्की ने भाषा-विकास का ..... परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत किया।

(1) संज्ञानवादी (2) व्यवहारवादी

(3) समाज-सांस्कृतिक (4) व्यवहार-सांस्कृतिक

ANS : 3

Q.68. हिन्दी भाषा में आकलन का मुख्य उद्देश्य है

(1) भाषा-प्रयोग सम्बन्धी त्रुटियों का आकलन करना

(2) बच्चों के व्याकरण-ज्ञान को जानना

(3) बच्चों के शब्द-भण्डार का आकलन करना

(4) प्रभावी भाषा-प्रयोग में बच्चों की मदद करना

ANS : 4

Q.69. पहली कक्षा के बच्चों के साथ कविता गायन के बाद आप क्या करेंगे?

(1) बच्चों से कहेंगे कि वे अपनी भाषा में अपनी पसन्द की कोई कविता सुनाएँ

(2) बच्चों से कहेंगे कि वे सुनी हुई कविता को शब्दशः सुनाएँ

(3) बच्चों से कविता पर आधारित प्रश्न पूछेंगे

(4) बच्चों को कविता में आए पाँच शब्द बताने के लिए कहेंगे

ANS : 1

Q.70. प्राथमिक स्तर पर कौन सी गतिविधि बच्चों की मौखिक अभिव्यक्ति के विकास में सबसे कम प्रभावी है ?

(1) घटना वर्णन करना। (2) कहानी को शब्दशः दोहराना।

(3) कहानी को अपनी भाषा में कहना। (4) चित्र दिखाकर कहानी कहलवाना।

ANS : 2

SACHIN ACADEMY

Q.71. मुदिता अकसर 'श' को 'स' बोलती है। मुदिता की भाषा-शिक्षिका के रूप में आप इस स्थिति के बारे में क्या कहेंगे?

(1) भाषागत त्रुटि का होना
(2) क्षेत्रीय भाषा का प्रभाव
(3) भाषागत ज्ञान का अभाव
(4) भाषा-प्रयोग में लापरवाही

ANS : 2

Q.72. बच्चों की भाषाई-क्षमताओं के आकलन के लिए _____ सर्वाधिक सहायक है।

(1) बच्चों की परस्पर अनौपचारिक बातचीत
(2) बच्चों की कक्षा में औपचारिक बातचीत
(3) बच्चों और शिक्षक की परस्पर औपचारिक बातचीत
(4) बच्चों का शिक्षक द्वारा प्रदत्त अभ्यास कार्य करना

ANS : 1

Q.73. प्राथमिक स्तर पर कौन सा भाषा शिक्षण का उद्देश्य नहीं है ?

(1) अपने द्वारा कही गई बात की तार्किक पुष्टि करना।
(2) भाषा का सृजनशील एवं कल्पनाशील प्रयोग करना।
(3) रचनाओं के माध्यम से विभिन्न विषयों से जुड़ना।
(4) भाषा संबंधी व्याकरण को पूर्णत: कंठस्थ करना।

ANS : 4

Q.74. प्राथमिक स्तर की शिक्षा में सम्प्रेषण का माध्यम ..... ही होनी चाहिए, क्योंकि इसी भाषा में ही बच्चे का मस्तिष्क सबसे पहले क्रियाशील होता है।

(1) अंग्रेजी
(2) मातृभाषा
(3) प्रदेश की भाषा
(4) हिन्दी

ANS : 2

Q.75. चॉम्स्की के अनुसार बच्चों के पास भाषा सीखने की क्षमता जन्मजात होती है। अत: हिन्दी भाषा की कक्षा में बच्चों को

SACHIN ACADEMY

(1) विविध भाषा-प्रयोगों से परिचय प्राप्त करने के अवसर दिए जाने चाहिए

(2) व्याकरण के नियम समझा दिए जाएँ ताकि वे अपनी इस क्षमता के माध्यम से जल्दी भाषा सीख सकें

(3) सतत और व्यापक आकलन की प्रक्रिया से मुक्त रखें, उन पर अनावश्यक बोझ न डालें

(4) कुछ भी न पढ़ाने की आवश्यकता नहीं है

ANS : 1

Q.76. संगीता अकसर शब्दों को उलटा लिखती है और लिखते समय कुछ अक्षरों को छोड़ देती है। उसे लिखने में कठिनाई होती है। उसकी समस्या ..... से सम्बन्धित है।

(1) डिस्ग्राफिया (2) डिस्केलकुलिया (3) दृष्टिबाधिता (4) डिस्लेक्सिया

ANS : 1

Q.77. एक समावेशी कक्षा में कविता पढ़ाने के लिए आप क्या करेंगे?

(1) कविता को चार्ट पेपर पर लिखकर बच्चों की पहुँच से दूर दीवार पर लगा देंगे और उसकी ओर संकेत करके कविता जोर-जोर से पढ़ेंगे

(2) कविता को टेपरिकॉर्डर से सुनाएंगे ताकि सभी बच्चों पर ध्यान दिया जा सके

(3) कविता को पढ़ाने के लिए एक से अधिक विधियों का प्रयोग करेंगे ताकि बच्चों को विभिन्न इन्द्रियों से अनुभव करने का अवसर मिल सके

(4) एक ही कविता को पाँच बार सुनाएँगे, पाठ करवाएँगे ताकि सभी बच्चों की समझ में आ जाए

ANS : 3

Q.78. जब बच्चे कहानियाँ पढ़ते हैं, तो

(1) वे बिना किसी उद्देश्य के पढ़ते हैं

(2) वे घटनाओं, पात्रों में उलझ जाते हैं

SACHIN ACADEMY

(3) वे अन्य लोगों के अनुभवों में प्रवेश करते हैं

(4) उनका नैतिक विकास अनिवार्यतः होता है

ANS : 3

Q.79. प्राथमिक स्तर पर आधारभूत कौशल हैं

(1) लिखना और बोलना

(2) पढ़ना और लिखना

(3) सुनना और बोलना

(4) पढ़ना और सुनना

ANS : 3

Q.80. प्राथमिक स्तर पर भाषा शिक्षण के अन्तर्गत बातचीत एक महत्त्वपूर्ण उपकरण है, क्योंकि

(1) यह सीखने और सीखी हुई बातों को सुदृढ़ बनाने का आधारभूत माध्यम है

(2) बच्चों को बातचीत करना अच्छा लगता है

(3) बातचीत शिक्षण का अनिवार्य अंग है

(4) हमारी पाठ-योजना में पहले से ही प्रस्तावित है

ANS : 1

Q.81. तीसरी कक्षा में पढ़ने वाली सुनयना अकसर 'स' को 'श' कहती है। भाषा शिक्षक होने के नाते आप क्या करेंगे?

(1) वह जब भी 'स' को 'श' कहेगी, उसे टोकेंगे ताकि उसमें सुधार हो सके

(2) उसके इस तरह के प्रयोग पर बिल्कुल ध्यान नहीं देंगे

(3) यह क्षेत्रीय प्रभाव हो सकता है इसलिए उसे स्वयं ही सुधार करने के लिए पर्याप्त समय देंगे

(4) उसे 'स' और 'श' के उच्चारण-स्थान की पूर्ण जानकारी देंगे

ANS : 3

Q.82. बच्चों की लेखन क्षमता के आकलन में सबसे कम महत्त्वपूर्ण है

SACHIN ACADEMY

(1) मानक-वर्तनी (2) विचारों की स्पष्टता (3) मौलिकता (4) कल्पनाशीलता

ANS : 1

Q.83. साधारण तौर पर शिक्षक यह समझते हैं कि बच्चों को लिखना तब सिखाना चाहिए जब उन्हें वर्गों की पहचान हो जाए। यह विचार पूरी तरह से

(1) अवैज्ञानिक है (2) सही एवं स्वीकार्य है

(3) वैज्ञानिक है (4) बाल स्वभाव के अनुकूल है

ANS : 1

Q.84. भाषा के पाठ्यक्रम में कहानी का शैक्षणिक प्रयोग मुख्यत: इसलिए जरूरी है, क्योंकि इससे बच्चे

(1) व्याकरण के नियमों को कण्ठस्थ कर पाते हैं (2) स्मरण-क्षमता का विकास करते हैं

(3) उच्चारण सम्बन्धी गलतियों में सुधार करते हैं (4) पढ़ना-लिखना सीखते हैं।

ANS : 3

Q.85. एक तीन साल के बच्चे से किसी भी ऐसे विषय पर बातचीत की जा सकती है, जो उसके ..... दायरे में आता हो।

(1) संज्ञानात्मक (2) सामाजिक (3) भावनात्मक (4) सांस्कृतिक

ANS : 1

Q.86. 'सुनना-बोलना' कौशलों के विकास के लिए सर्वोत्तम विधि कौन-सी हो सकती है?

(1) कहानी कहना और उस पर बच्चों की प्रतिक्रिया जानना

(2) कविता याद करवाकर बुलवाना

(3) कक्षा के कुछ बच्चों द्वारा पाठ के अनुच्छेद पढ़कर सुनाना

(4) अन्त्याक्षरी गतिविधि का आयोजन करना

ANS : 1

SACHIN ACADEMY

Q.87. गोमती 'श' को 'स' बोलती है। आप उसे टोकती नहीं हैं और सहज अभिव्यक्ति के अवसर देती हैं परन्तु चिन्तित हैं कि किस तरह से उसका उच्चारण ठीक करवाया जाए। आप

(1) 'श' और 'स' के प्रयोग वाली श्रवण सामग्री सुनने के अनेक अवसर देंगी

(2) उसे चेतावनी देंगी कि एक निश्चित कक्षा तक ही यह गलती सहन की जाएगी

(3) उसके अभिभावक को कहेंगी कि उसे 'श' और 'स' का पृथक्-पृथक् अभ्यास करवाएँ

(4) उसे 'श' और 'स' के अन्तर को लिखकर समझाएँगी

ANS : 1

Q.88. बहुभाषिक कक्षा के सन्दर्भ में आप इनमें से किस गतिविधि को सर्वाधिक उचित समझते हैं?

(1) 'लट्ठ', 'खत' शब्दों के हिन्दी रूप कण्ठस्थ कीजिए।

(2) 'स्वतन्त्र' शब्द को दस बार बोलिए

(3) 'सर्य अस्त हो गया।' वाक्य को 10 बार लिखिए

(4) हिन्दी पाठों में आए 'चिड़िया', 'पुस्तक', 'कुआँ' को आपकी भाषा में क्या कहते हैं? बताइए

ANS : 4

Q.89. भाषा की प्रकृति के सम्बन्ध में कौन-सा कथन उचित नहीं है?

(1) भाषा का जितना अधिक प्रयोग किया जाएगा, उतना ही भाषा पर पकड़ मजबूत होती जाएगी

(2) भाषा कठोरता से व्याकरणिक नियमों का अनुसरण करती है

(3) भाषाएँ एक-दूसरे के सान्निध्य में फलती-फूलती हैं

(4) भाषा एक नियमबद्ध व्यवस्था है

ANS : 2

SACHIN ACADEMY

Q.90. 'गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान की कक्षाएँ एक तरह से भाषा की ही कक्षाएँ है।' इस कथन के समर्थन में कौन-सा तर्क सबसे कमजोर है?

(1) विभिन्न विषयों के अध्ययन-अध्यापन में भाषा साधन का कार्य करती है

(2) विभिन्न विषयों के शिक्षण में भाषा-शिक्षण एक मुख्य उद्देश्य होता है

(3) विभिन्न विषयों की अवधारणात्मक समझ की अभिव्यक्ति भी भाषा-विशेष में होती है

(4) विभिन्न विषयों की अवधारणाएँ किसी भाषा-विशेष में बनती हैं

ANS : 2

Q.91. लेखन-कुशलता का विकास करने में सबसे कम महत्त्वपूर्ण है

(1) आँखों-देखी घटनाओं को लिखना (2) प्रतिलिपि

(3) अधूरी कहानी को पूरा करना (4) कहानी-कविता आदि का सृजनात्मक लेखन

ANS : 2

Q.92. बच्चों की पठन-कुशलता का विकास करने में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है

(1) पाठ्य-पुस्तक में दिए गए अभ्यास

(2) भाषिक संरचनाओं का अभ्यास

(3) अर्थ की अपेक्षा उच्चारणगत शुद्धता पर विशेष ध्यान देना

(4) विभिन्न सन्दर्भो से जुड़ी सामग्री

ANS : 4

Q.93. सुहास पढ़ते समय कठिनाई का अनुभव करता है। वह ..... से ग्रसित है

(1) डिस्थीमिया (2) डिस्ग्राफिया (3) डिस्लेक्सिया (4) डिस्कैल्कुलिया

ANS : 3

Q.94. प्राथमिक स्तर पर भाषा शिक्षण का उद्देश्य है

(1) कुशल वक्ता बनाना (2) साहित्य की विधाओं से परिचित कराना

(3) हिन्दी के विविध रूपों से परिचय कराना (4) कुशल लेखक बनाना

SACHIN ACADEMY

ANS : 3

Q.95. भाषा के कौशल हैं

(1) लिखना, समझना, पढ़ना, स्मरण
(2) सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना
(3) बोलना, पढ़ना, लिखना, समझना
(4) पढ़ना, लिखना, सुनना, समझना

ANS : 2

Q.96. किस प्रकार का प्रश्न प्राथमिक बच्चों की भाषायी क्षमता का आकलन करने में सर्वाधिक सक्षम है?

(1) पाठ में से चार संज्ञा शब्द छाँटिए
(2) कहानी को दोहराइए
(3) याद की गई कविता सुनाइए
(4) किसी दृश्य का वर्णन कीजिए

ANS : 4

Q.97. प्राथमिक स्तर पर बच्चों की सहज और स्वाभाविक मौखिक अभिव्यक्ति में सबसे कम महत्त्वपूर्ण है

(1) मौलिक विचार (2) स्पष्टता (3) शुद्ध उच्चारण (4) बोलने में आत्मविश्वास

ANS : 3

Q.98. प्राथमिक स्तर की पाठ्य-पुस्तकों में विषय-वस्तु का फलक ..... हो, जिसमें ..... के सरोकार झलकते हों।

(1) उच्च, विद्यालय
(2) विस्तृत, अभिभावकों
(3) विस्तृत, समाज
(4) उच्च, समाज

ANS : 3

Q.99. 'विश्व की सभी भाषाएँ थोड़े से फेरबदल से एक ही लिपि में लिखी जा सकती हैं। यह कथन

(1) पूर्णत: सत्य है
(2) भ्रामक है
(3) आंशिक रूप से सत्य है
(4) पूर्णत: सत्य नहीं है

ANS : 1

SACHIN ACADEMY

Q.100. पहली कक्षा में पढ़ने वाली रोशनी लिखते समय अपनी मातृभाषा के शब्दों का प्रयोग करती है। भाषा शिक्षक के रूप में आप क्या करेंगे?

(1) मातृभाषा वाले शब्दों को स्वीकार करेंगे

(2) रोशनी को समझाएँगे कि यह गलत है

(3) मातृभाषा वाले शब्दों पर लाल घेरा लगाएँगे

(4) मातृभाषा वाले शब्दों का हिन्दी अनुवाद लिख देंगे

ANS : 1

Q.101. भाषा की कक्षा का माहौल कैसा होना चाहिए?

(1) जहाँ बच्चों को उनकी बात कहने और सुनने के अधिकाधिक अवसर मिलें

(2) जहाँ शिक्षक बोले और बच्चे ध्यान से सुनें

(3) जहाँ भाषागत शुद्धता पर अत्यधिक बल हो

(4) दीवारों पर शक्तियाँ लिखी हों

ANS : 1

Q.102. प्राथमिक स्तर पर आप किस तरह का बाल-साहित्य उचित समझते हैं?

(1) केवल कहानियाँ

(2) ऐसा साहित्य जो प्रसिद्ध साहित्यकारों द्वारा लिखा गया हो

(3) ऐसा साहित्य जिसमें शब्दों और घटनाओं का दोहराव हो

(4) केवल कविताएँ

ANS : 3

Q.103. प्राथमिक स्तर पर बच्चे किस प्रकार की कविताएँ पसन्द करते हैं?

(1) जो तुकान्त न हों

(2) जो कोई सीख देती हों

(3) जिनमें लयात्मकता हो

(4) जो अनिवार्य रूप से राजा-रानी से जुड़ी हों

ANS : 3

SACHIN ACADEMY

Q.104. इनमें से प्राथमिक स्तर पर भाषा-शिक्षण का कौन-सा उद्देश्य अनिवार्यत: नहीं है?

(1) विभिन्न सन्दर्भो में प्रयुक्त शब्दों के सही अर्थ ग्रहण करना

(2) विभिन्न सन्दर्भो और स्थितियों में अपनी बात व्यक्त करने की कुशलता का विकास

(3) भाषा के आलंकारिक प्रयोग की क्षमता का विकास

(4) मानवीय मूल्यों का विकास

ANS : 3

Q.105. भाषा-आकलन में कौन-सा तत्त्व सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है?

(1) सुलेख

(2) भाषिक संरचनाओं पर आधारित प्रश्न

(3) विविध अर्थ वाले प्रश्न पूछना

(4) श्रुत-लेख

ANS : 2

Q.106. शब्दों के अर्थ स्पष्ट करने की सर्वश्रेष्ठ पद्धति के

(1) शब्द-कोष देखना

(2) शब्दों की व्याख्या करना

(3) शिक्षक द्वारा स्वयं अर्थ स्पष्ट करना

(4) वाक्य-प्रयोग द्वारा बच्चों को अर्थ का अनुमान लगाने का अवसर देना

ANS : 4

Q.107. भाषा सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में अर्थ गढ़ने का आधार मुख्यत: है

(1) शिक्षक द्वारा अर्थ बताना

(2) शब्द-कोष देखना

(3) पाठ्य-पुस्तक

(4) समाज-सांस्कृतिक परिवेश

ANS : 4

Q.108. कहानी-कथन के उद्देश्यों में कौन-सा पक्ष शामिल नहीं है

(1) सृजनात्मकता का विकास

(2) भाषा के लिखित रूप से परिचय

SACHIN ACADEMY

(3) शब्द-भण्डार का विकास (4) कल्पनाशीलता का विकास

ANS : 2

Q.109. विद्यालय आने से पूर्व बच्चों के पास

(1) व्याकरण की समझ बिलकुल नहीं होती (2) व्याकरण की पूर्ण समझ होती है

(3) व्याकरण की सचेत समझ नहीं होती (4) व्याकरण की सचेत समझ होती है

ANS : 3

Q.110. एक भाषा शिक्षक के रूप में आप अपनी क्या जिम्मेदारी महसूस करते हैं?

(1) समय-सीमा के भीतर भाषा का पाठ्यक्रम पूर्ण करना

(2) समय-सीमा के भीतर पाठ्य-पुस्तक पूर्ण करना

(3) बच्चों का भाषा के विविध स्वरूपों और प्रयोगों से परिचय

(4) बच्चों द्वारा भाषा परीक्षाओं में अच्छे अंक लाना

ANS : 3

Q.111. भाषा-कौशलों के सम्बन्ध में कौन-सा कथन सही है?

(1) भाषा-कौशल परस्पर अन्तः सम्बन्धित होते हैं

(2) भाषा-कौशल परस्पर अन्तः सम्बन्धित नहीं होते हैं

(3) भाषा-कौशल एक-दूसरे पर प्रभाव नहीं डालते हैं

(4) भाषा-कौशल स्तरानुसार सीखे जाते हैं

ANS : 1

Q.112. हिन्दी भाषा की कक्षा में मोना लिखते समय कठिनाई का अनुभव करती है। यह समस्या किससे सम्बन्धित है?

(1) डिस्लेक्सिया (2) डिस्ग्राफिया (3) डिस्कैल्कुलिया (4) डिस्लेखिया

ANS : 2

SACHIN ACADEMY

Q.113. पहली - दूसरी कक्षा में अनेक बच्चे हिंदी भाषा सीखते समय अपनी मातृभाषा का प्रयोग करते हैं । यह -

(1) अस्वीकार्य है। (2) वैध नहीं है। (3) बहुत गलत है। (4) स्वीकार्य है।

ANS : 4

Q.114. माया अकसर शब्दों को लिखते समय अक्षरों को छोटा-बड़ा लिखती है या उनके बीच समान दूरी नहीं रख पाती । माया संभवतः_____ के कारण ऐसा करती है।

(1) अज्ञानता (2) डिस्ग्राफ़िया (3) अरुचि (4) लापरवाही

ANS : 2

Q.115. भाषा का मनुष्य की _____ और मनुष्य के _____ के साथ गहरा संबंध होता है।

(1) व्यावहारिकता, व्यवहार (2) अस्मिता, विचार

(3) वैचारिकता, व्यापार (4) अस्मिता, व्यापार

ANS : 2

Q.116. संयुक्त परिवारों में बच्चों का भाषा-विकास अपेक्षाकृत बेहतर होता है । इसका आधार है-

(1) बच्चों द्वारा बड़ों का अनुकरण (2) परस्पर अंतःक्रिया

(3) परस्पर प्रश्नोत्तर (4) बड़ों की परिपक्व भाषा

ANS : 2

Q.117. भाषा की पढ़ाई

(1) समूची पाठ्यचर्या में व्याप्त है (2) समूची पाठ्यचर्या का केवल एक हिस्सा है

(3) बेहद जटिल और संवेदनशील है (4) भाषा की पाठ्य-पुस्तक से ही सम्भव है

ANS : 1

Q.118. मैं अपनी कक्षा में बहुभाषिकता को महत्त्व देती हूँ, इसलिए मैं

(1) सभी बच्चों को अपनी मातृभाषा में कहने-सुनने की आजादी देती हूँ

SACHIN ACADEMY

(2) भिन्न-भिन्न भाषाओं की पुस्तकों का आदर करती हूँ

(3) बच्चों को कई भाषाओं की कविताओं का गान करवाती हूँ

(4) श्यामपट्ट पर हिन्दी भाषा के शब्दों के अर्थ दो भाषाओं में अवश्य लिखती हूँ

ANS : 1

Q.119. भाषा-अर्जन के सम्बन्ध में कौन-सा कथन उचित नहीं है।

(1) भाषा-अर्जन के लिए नियम सिखाए जाते हैं

(2) भाषा-अर्जन को सहज बनाने के लिए समृद्ध भाषिक परिवेश होना चाहिए

(3) बिना विद्यालय गए भाषा-अर्जन सम्भव है

(4) सभी बच्चों में भाषा-अर्जन की स्वाभाविक क्षमता होती है

ANS : 1

Q.120. बच्चे के व्यक्तित्व-निर्माण में ..... का महत्त्वपूर्ण योगदान है ।

(1) विदेशी भाषा (2) शास्त्रीय भाषा (3) मातृभाषा (4) क्षेत्रीय भाषा

ANS : 3

Q.121. भाषा-शिक्षण के सन्दर्भ में बाल-साहित्य का उद्देश्य है

(1) बच्चों को भाषा के नियमों की जानकारी देना

(2) बच्चों को उत्साही पाठक बनने के लिए प्रोत्साहित करना

(3) बच्चों को साहित्यिक विधाओं से परिचित करवाना

(4) बच्चों को जीवन-कौशल सिखाना

ANS : 2

Q.122. सुरभि किसी भी ऐसे शब्द विशेष को बोलने में कठिनाई अनुभव करती है जिसमें दो से अधिक बार 'त' की आवृत्ति हुई हो। आप उससे/उसे

(1) ऐसे शब्दों को बार-बार सुनने के लिए कहेंगी

(2) बोलते समय इस ओर ध्यान न देने के लिए कहेंगी

SACHIN ACADEMY

(3) 'त' वाले शब्दों का बार-बार उच्चारण करवाएँगी

(4) ऐसे शब्दों का विकल्प ढूँढ़कर देंगी

ANS : 3

Q.123. "भाषा शून्य में विकसित नहीं होती" इसका शैक्षिक निहितार्थ है कि भाषा सीखने के लिए ..... अनिवार्य है।

(1) सामाजिक अन्तःक्रिया

(2) विद्यालयी पढ़ाई-लिखाई

(3) भाषा प्रयोगशाला

(4) पारिवारिक संवाद

ANS : 1

Q.124. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन प्राथमिक स्तर पर भाषा सीखने के एक महत्त्वपूर्ण उद्देश्य की ओर संकेत करता है?

(1) संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और वचन की शुद्ध पहचान करना

(2) भाषण, वाद-विवाद और कविता-पाठ में भाग लेना

(3) भाषा को अपने परिवेश एवं अनुभव को समझने का माध्यम मानना

(4) गणित के पाठ्यक्रम के अनुरूप हिन्दी में संख्याएँ जानना

ANS : 3

Q.125. जब बच्चे भाषा से भिन्न कोई विषय पढ़ते हैं, तो वे

(1) साथ-साथ परीक्षा की तैयारी भी करते हैं

(2) केवल अवधारणा ही बना पाते है

(3) केवल विषय ही पढ़ते हैं

(4) साथ-साथ भाषा भी सीखते हैं

ANS : 4

Q.126. हिन्दी भाषा के सन्दर्भ में एक महत्त्वपूर्ण उद्देश्य है कि बच्चे

(1) कही या लिखी गई बात को शब्दश: कह और लिख सकें

(2) अपना शब्द-भण्डार विकसित कर सकें

(3) व्याकरण के नियमों को याद कर सकें

SACHIN ACADEMY

(4) कही या लिखी गई बात आलोचनात्मक दृष्टि से परख सकें

ANS : 4

Q.127. पढ़ने का प्रारम्भ ..... से ही हो और किसी उद्देश्य के लिए हो।

(1) अर्थ (2) अक्षर (3) शब्द (4) वाक्य

ANS : 1

Q.128. बहुभाषिक कक्षाओं में बच्चों की घर की भाषा को स्थान देने की दृष्टि से कौन-सा कार्य सर्वाधिक प्रभावी है?

(1) अपनी भाषा में अपनी पसन्द का कोई गीत सुनाओ

(2) हिन्दी भाषा के शब्दों को अपनी भाषा में कहो

(3) हिन्दी भाषा के शब्दों को अपनी भाषा में लिखो

(4) हिन्दी भाषा में सुनी कहानी को अपनी भाषा में कहो

ANS : 1

Q.129. तीसरी कक्षा का मोहित अक्सर पढ़ते समय शब्दों की पुनरावृत्ति करता है। आप उसके पठन के बारे में क्या कहेंगे?

(1) उसे शब्द पढ़ने में कठिनाई होती है (2) उसे पढ़ना नहीं आता

(3) उसे पढ़ने में बहुत कठिनाई होती है (4) वह अर्थ की खोज में पुनरावृत्ति करता है

ANS : 4

Q.130. मुहावरे और लोकोक्तियों के प्रयोग के संदर्भ में कौन सा कथन उचित है ?

(1) ये भाषा का अनिवार्य हिस्सा है। (2) ये भाषा-प्रयोग को प्रभावी बनाते हैं।

(3) ये भाषा को नियंत्रित करते हैं। (4) भाषा का अलंकरण इनका कार्य है।

ANS : 2

Q.131. निम्नलिखित में से कौन सा प्रश्न बच्चों की भाषा क्षमता के विकास में सर्वाधिक सहायक है ?

(1) डाल-डाल का इस्तेमाल करते हुए वाक्य बनाओ।

SACHIN ACADEMY

(2) तितली कली के पास कब गई होगी और क्यों ?

(3) तितली और कली ने क्या खेल खेला ?

(4) तुम्हारी मनपसंद किताब कौन सी है ?

ANS : 2

Q.132. कौन सा प्रश्न कक्षा में बहु-भाषिकता को पोषित करता है ?

(1) अच्छी लगने वाली महक को क्या कहेंगे ?

(2) बुरी लगने वाली महक को क्या कहेंगे ?

(3) तुम्हारे घर में किस-किसकी महक आती है ?

(4) फूलों के नाम अपनी भाषा में लिखो।

ANS : 4

Q.133. कक्षा में भाषा की_____ के प्रति_____बनकर उसका उपयोग भाषा शिक्षण में करना चाहिए।

(1) विविधता, विद्वान

(2) विविधता, संवेदनशील

(3) संवेदनशीलता, कठोर

(4) एकरूपता, संवेदनशील

ANS : 2

Q.134. भाषा की पाठ्य-पुस्तकों में दिए गए अभ्यास

(1) बच्चों की चीजों को परखने, गहराई से जुड़ने और व्यापक अनुभव स्तर से तादात्म्य का अवसर देते हैं

(2) बच्चों की भाषायी और सांस्कृतिक विविधता को सीमित करते हैं

(3) बच्चों को विस्तृत अभ्यास करने और शिक्षकों को बच्चों की भाषा में सुधार करने के तरीके बताते हैं।

(4) बच्चों का सही-सही आकलन करने में सदैव मदद करते हैं कि वे क्या नहीं जानते ?

ANS : 1

SACHIN ACADEMY

Q.135. निम्नलिखित में से कौन-सा नियम पढ़ना सीखने में मुश्किल पैदा नहीं करता?

(1) यह सुनिश्चित करना कि ध्वनि के नियम सीखकर उन पर अमल किया जाए

(2) बच्चों पर सावधानीपूर्वक पढ़ने के लिए जोर डालना

(3) शब्द-प्रति-शब्द पढ़ते हुए गति को बढ़ाने का आग्रह करना

(4) चित्र, सन्दर्भ और पूर्व अनुभवों के आधार पर अनुमान लगाते हुए पढ़ने के अवसर देना

ANS : 4

Q.136. प्राथमिक स्तर पर बच्चों के शुरुआती भाषा-विकास में सर्वाधिक योगदान दे सकते/सकती है/हैं

(1) टीवी पर देखे जाने वाले पन्द्रह मिनट के कार्टून कार्यक्रम

(2) गृहकार्य पर व्यय किए जाने वाले तीस मिनट

(3) एफ एम पर पन्द्रह मिनट सुने जाने वाले समाचार

(4) परिवार में होने वाली परस्पर गुणवत्तापूर्ण बातचीत

ANS : 4

Q.137. विद्यालय आने से पूर्व बच्चों के पास

(1) पाँच हजार वाक्य होते हैं

(2) अपनी भाषा की जटिल और समद्ध संरचनाएँ होती हैं

(3) अपनी भाषा का सम्पूर्ण बाल साहित्य होता है

(4) पाँच हजार शब्द होते हैं

ANS : 2

Q.138. इनमें से ..... अक्षर-बोध की विधि नहीं है।

(1) वाक्य विधि (2) प्रत्यक्ष विधि (3) वर्ण विधि (4) शब्द विधि

ANS : 2

SACHIN ACADEMY

Q.139. प्राथमिक स्तर पर बच्चों की भाषा प्रयोग की क्षमता सम्बन्धी रिकॉर्ड तैयार करने के उपरान्त कौन-सा कार्य सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है?

(1) रिकॉर्ड की वैधता की जाँच करना (2) रिकॉर्ड की विश्वसनीयता की जाँच करना

(3) रिकॉर्ड को सुरक्षित रखना (4) रिपोर्टिंग करना

ANS : 4

Q.140. अमित पढ़ते समय कठिनाई का अनुभव करता है। वह ..... से ग्रस्त है।

(1) डिस्कैल्कुलिया (2) अफेजिया (3) डिस्लेक्सिया (4) डिस्ग्राफिया

ANS : 3

Q.141. प्राथमिक स्तर पर हिन्दी भाषा सिखाने का सर्वोपरि उद्देश्य है

(1) भाषा के विभिन्न प्रयोगों की क्षमता का विकास करना

(2) भाषा की कठिन बातों को सरलता से समझना

(3) भाषा के मानक स्वरूप को पूर्णत: आत्मसात् करना

(4) भाषा के व्याकरणिक नियमों को पूर्णत: आत्मसात् करना

ANS : 1

Q.142. प्राथमिक स्तर की कक्षा के सन्दर्भ में नीचे दी गई किस स्थिति में वास्तव में लेखन हो रहा है?

(1) पाठ्य-पुस्तक से पढ़कर, याद करके लिख रहे हैं

(2) श्यामपट्ट पर लिखे हुए को समझकर लिख रहे हैं

(3) दो-दो के समूह में चर्चा करने के बाद विद्यार्थी अपनी-अपनी पुस्तिका में लिख रहे हैं।

(4) पाठ्य-पुस्तक से देखकर बोल-बोल कर लिख रहे हैं

ANS : 3

Q.143. कहानी सुनते समय बच्चे कहानी के लम्बे-लम्बे वाक्यों से घबराते नहीं हैं, बशर्ते वाक्य

SACHIN ACADEMY

(1) सीधे व सरल हों (2) सार्थक तथा मजेदार हों

(3) जोर से बोले गए हों (4) पहले से सुने हुए हों

ANS : 2

Q.144. चॉम्स्की के अनुसार

(1) भाषिक क्षमता जन्मजात होती है (2) भाषिक क्षमता विद्यालय से प्राप्त होती है

(3) भाषा अनुकरण से ही सीखी जाती है (4) भाषा सीखने में समाज का स्थान सर्वोपरि है

ANS : 1

Q.145. हिन्दी की कक्षा में प्राय: हिन्दीतर-भाषी बच्चे अरुचि प्रदर्शित करते हैं, क्योंकि

(1) उन्हें हिन्दी सीखने का उपयोग नजर नहीं आता

(2) अध्यापक उनकी भाषा सम्बन्धी त्रुटियों को सहजता से स्वीकार नहीं करते

(3) उन्हें अपनी भाषा के प्रति विशेष लगाव होता है

(4) उन्हें तुलनात्मक रूप से हिन्दी बहुत कठिन लगती है

ANS : 2

Q.146. हिन्दी भाषा के सतत् और व्यापक मूल्यांकन के सन्दर्भ में कौन-सा कथन उचित नहीं है?

(1) यह बताता है कि बच्चों को किस तरह की मदद की जरूरत है

(2) यह बच्चे के सन्दर्भ में ही मूल्यांकन करता है

(3) यह बच्चों को उत्तीर्ण-अनुत्तीर्ण श्रेणियों में विभाजित करने में विश्वास रखता है

(4) सतत् और व्यापक मूल्यांकन बच्चों की सीखने की क्षमता और तरीके के बारे में जानकारी देता है

ANS : 3

Q.147. निम्नलिखित में से किस उद्देश्य के लिए प्राथमिक स्तर पर भाषा नहीं सीखी जाती?

SACHIN ACADEMY

(1) अपनी अनेक जरूरतों को पूरा करना (2) जीवन की विभिन्न स्थितियों को साधना

(3) भाषा का व्याकरण सीखना (4) मन की बात कहना-सुनना

ANS : 3

Q.148. भाषा का प्राथमिक रूप है

(1) मौखिक (2) सांकेतिक (3) व्याकरणिक (4) लिखित

ANS : 2

Q.149. भाषा की कक्षा में कौन-सी शिक्षण-युक्ति सबसे कम प्रभावी है?

(1) दूसरों की हस्तलिखित सामग्री, पत्र आदि पढ़वाना

(2) उचित गति एवं प्रवाह के साथ पढ़ने पर बल देना

(3) शुद्ध उच्चारण पर अत्यधिक बल देना

(4) बच्चों की रुचि के अनुसार परिचित विषय या प्रसंग पर चर्चा

ANS : 1

Q.150. भाषा शिक्षक को स्वयं अपनी भाषा प्रयोग की क्षमता को बढ़ाना चाहिए क्योंकि

(1) उसका भाषा प्रयोग कक्षा में भाषा वातावरण का निर्माण करता है

(2) वह भाषा का शिक्षक है

(3) विद्यालय का निर्देश है

(4) इससे वह दूसरों पर प्रभाव डाल सकता है

ANS : 1

Q.1. भाषा एक औजार है जिसका उपयोग करते हैं

(1) जीवन-जगत को प्रस्तुत करने के लिए (2) जिन्दगी को समझने के लिए

(3) जिन्दगी से जुड़ने के लिए (4) उपरोक्त सभी

ANS : 4

Q.2. बच्चे विद्यालय आने से पहले

SACHIN ACADEMY

(1) अपनी बोलचाल की भाषा के अनुभवों से लैस होते हैं

(2) कोई भी भाषा बोल नहीं सकते हैं

(3) सभी भाषाएँ पढ़ सकते है

(4) सब कुछ लिख सकते है

ANS : 1

Q.3. बच्चों में पठन-संस्कृति का विकास करने के लिए अनिवार्य है

(1) पठित सामग्री का लेखन अभ्यास

(2) कक्षा में मुखर वाचन करने का अभ्यास

(3) बाल साहित्य पठन हेतु प्रेरणा

(4) वर्तनी विन्यास का अभ्यास

ANS : 3

Q.4. प्राथमिक स्तर पर बच्चों का भाषा-विकास सर्वाधिक रूप से निर्भर करता है

(1) समृद्ध भाषिक परिवेश पर

(2) भाषा की व्याकरणिक जानकारी पर

(3) भाषा के कठोर आकलन पर

(4) भाषा की पाठ्य-पुस्तक पर

ANS : 1

Q.5. वैज्ञानिक दृष्टि से भाषा और बोली में

(1) आंशिक सम्बन्ध नहीं होता

(2) अन्तर नहीं होता

(3) अन्तर होता है

(4) आंशिक सम्बन्ध होता है

ANS : 2

Q.6. भाषा में 'आकलन' का अर्थ है

(1) साहित्यिक विधाओं की जानकारी का आकलन

(2) भाषा-व्याकरण का आकलन

(3) भाषा-प्रयोग की क्षमता का आकलन

(4) आलंकारिक भाषा के प्रयोग का आकलन

ANS : 3

SACHIN ACADEMY

Q.7. प्राथमिक स्तर पर शब्दों की मौखिक अभिव्यक्ति का विकास करने की दृष्टि से सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण गतिविधि है

(1) कहानी सुनकर शब्दशः लिखना
(2) कहानी सुनकर उसे अपनी भाषा में कहना
(3) कहानी को ज्यों का त्यों दोहराना
(4) कहानी सुनकर चित्र बनाना

ANS : 2

Q.8. पहली कक्षा में पढ़ने वाली अंकिता अक्सर 'ड़' वाले शब्दों को गलत तरीके से बोलती है। आप क्या करेंगे?

(1) उसे 'ड़' वाले शब्दों की सी.डी. सुनने के लिए देंगे

(2) अंकिता को 'ड़' वाले शब्दों की सूची देंगे

(3) अंकिता को 'ड़' वाले शब्दों को अपने पीछे-पीछे दोहराने के लिए कहेंगे

(4) स्वयं 'ड़' वाले शब्दों को सहज भाव से उसके समक्ष प्रस्तुत कर उससे धैर्यपूर्वक बोलने का अभ्यास कराएंगे

ANS : 4

Q.9. एक समावेशी कक्षा में 'भाषा-शिक्षण' की समस्या है

(1) उपयुक्त भाषा-परिवेश का निर्माण न हो पाना

(2) उपयुक्त पाठ्य-सामग्री का अभाव

(3) विद्यार्थियों की योग्यताओं में भिन्नता होना

(4) विद्यार्थियों में असमान रुचि का होना

ANS : 1

Q.10. प्राथमिक स्तर पर बहु-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि वाली कक्षा में बच्चे लक्ष्य भाषा के परिवेश से भाषा अर्जित करते हुए

(1) लक्ष्य भाषा की अपनी भाषा से तुलना करते हैं

(2) धीमे-धीमे भाषा के रचनात्मक प्रयोग का अभ्यास करने लगते हैं

SACHIN ACADEMY

(3) उसे शुद्ध-अशुद्ध रूप में पहचानते हैं।

(4) व्याकरणिक नियमों की शुद्धता को परखते हैं

ANS : 2

Q.11. प्राथमिक स्तर पर 'सुनना-बोलना' कौशल के विकास में कौन-सी विधियाँ अधिक सहायक हैं?

(1) कहानी-कथन और श्रुतलेख

(2) कविता-पाठ और भाषा-प्रयोगशाला

(3) भूमिका निर्वाह (रोल-प्ले) और समाचार-वाचन

(4) भूमिका निर्वाह और बातचीत करना

ANS : 4

Q.12. बच्चों को बाल-साहित्य उपलब्ध कराने से क्या लाभ है?

(1) बच्चों को विविधतापूर्ण भाषिक सामग्री पढ़ने के अवसर देना

(2) पात्रों का चरित्र-चित्रण करने की कुशलता का विकास

(3) श्रवण-कौशल का विकास

(4) लेखकों से परिचर

ANS : 2

Q.13. 'सुनना' कौशल के बारे में कौन-सा उचित नहीं है?

(1) सुनना कौशल सबसे कम महत्त्वपूर्ण है

(2) सुनना कौशल मौखिक कौशल के अन्तर्गत आता है

(3) सुनना कौशल अन्य कौशलों के विकास में सहायक है

(4) सुनना कौशल का विकास भाषा के नियमों को पहचानने, उनका निर्माण करने में सहायक है

ANS : 1

Q.14. पाठ्य-पुस्तक भाषा-शिक्षण में मुख्यत: क्या सहायता करती है?

(1) बच्चों का आकलन करती है

SACHIN ACADEMY

(2) बच्चों को विभिन्न पर्यों की जानकारी देती है

(3) व्याकरणिक नियम कण्ठस्थ कराती है

(4) भाषा की विभिन्न छटाएँ प्रस्तुत करती है

ANS : 4

Q.15. कविता-शिक्षण में कौन-सा तत्त्व उसे गद्य से अलग करता है?

(1) भाषा-प्रयोग की छटाएँ

(2) गेयता

(3) भाषा-सौष्ठव की महत्ता

(4) शब्द-भण्डार में वृद्धि

ANS : 2

Q.16. 'प्राथमिक स्तर की शिक्षा मुख्यतः भाषा शिक्षा है।' इस कथन का निहितार्थ यह है कि

(1) बच्चों को केवल भाषा की ही शिक्षा दी जाए

(2) बच्चों के भाषा-विकास पर विशेष ध्यान दिया जाए

(3) बच्चों को अनेक भाषाएँ सिखाना अनिवार्य है

(4) बच्चों को मानक भाषाएँ सिखाई जाएँ

ANS : 2

Q.17. मातृभाषा में शिक्षा से

(1) कक्षा में पढ़ाई करने में सुविधा होगी

(2) शिक्षार्थियों की अधिकाधिक प्रतिभागिता होगी

(3) बेहतर परिणाम निकलेंगे

(4) उपरोक्त सभी

ANS : 4

Q.18. भाषा सीखने में बातचीत का इस रूप में सर्वाधिक महत्त्व है कि

(1) इसमें बच्चों का अच्छा समय व्यतीत हो जाता है

(2) शिक्षक और बच्चे दोनों ही बातचीत में रस लेते हैं

SACHIN ACADEMY

(3) बच्चे विभिन्न उद्देश्यों के लिए भाषा का प्रयोग करना सीखते हैं

(4) बच्चे दूसरों के शुद्ध उच्चारण का अनुकरण कर सकते हैं

ANS : 3

Q.19. आपके विचार से भाषा शिक्षण के सन्दर्भ में सबसे कम महत्त्वपूर्ण है

(1) भाषा शिक्षण के प्रति शिक्षक का नजरिया

(2) भाषागत विविधता के प्रति संवेदनशीलता

(3) भाषा के आकलन की प्रक्रियाएँ

(4) किसी भाषा विशेष का साहित्य

ANS : 4

Q.20. हिन्दी भाषा-शिक्षण के सन्दर्भ में आप किस कथन से सहमत नहीं हैं?

(1) कक्षा में बच्चों को विविध प्रकार का बाल-साहित्य उपलब्ध कराया जाना चाहिए

(2) कक्षा में बच्चों को अधिकाधिक लिखित कार्य दिया जाना चाहिए

(3) कक्षा में बच्चों की भाषा का सम्मान किया जाना चाहिए

(4) कक्षा में बच्चों को अपनी बात कहने की स्वतन्त्रता दी जानी चाहिए

ANS : 2

Q.21. पहली-दूसरी कक्षा के बच्चों को साथ भाषा सिखाने के लिए जरूरी है कि उन्हें

(1) बात कहने के तरीकों का अभ्यास करवाया जाए

(2) कविता गाने के अधिकाधिक अवसर दिए जाएँ

(3) पारस्परिक संवाद के लिए प्रोत्साहित किया जाए

(4) अपने उच्चारण पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा जाए

ANS : 3

Q.22. भाषा की कक्षाओं में लोकतान्त्रिकता बनाए रखने के लिए क्या जरूरी है?

(1) स्वतन्त्र एवं मौलिक अभिव्यक्ति के अवसर देना

SACHIN ACADEMY

(2) राज्य भाषा को अनिवार्यत: पढ़ाना

(3) बच्चों को हर समय बोलने के लिए कहना

(4) लोकतन्त्र पर निबन्ध पढ़ाना-लिखवाना

ANS : 1

Q.23. भाषा की कक्षा में बच्चों को किसी त्योहार विशेष के बारे में बताना है, आप

(1) किसी पुस्तक से उस त्योहार के बारे में पढ़कर सुनाएँगे

(2) बच्चों को उस त्योहार के बारे में अपने-अपने अनुभव सुनाने के लिए कहेंगे

(3) उस त्योहार पर गृहकार्य के रूप में निबन्ध लिखकर लाने के लिए कहेंगे

(4) श्यामपट्ट पर उस त्योहार विशेष के बारे में लिख देंगे

ANS : 2

Q.24. 'सन्दर्भ में व्याकरण' का शैक्षिक निहितार्थ है

(1) व्याकरण पाठ के सन्दर्भ में सिखाया जाता है

(2) पाठ के सन्दर्भ में व्याकरण जानना जरूरी नहीं है

(3) व्याकरण और सन्दर्भ दोनों अलग हैं

(4) व्याकरण का सन्दर्भ पाठ्य-पुस्तक में ही होता है

ANS : 1

Q.25. प्राथमिक स्तर पर भाषा का आकलन करने में सर्वाधिक सहायक है

(1) नाटक का मंचन (2) वीडियोग्राफी (3) लिखित परीक्षा (4) पोर्टफोलियो

ANS : 4

Q.26. प्राथमिक स्तर पर भाषा-शिक्षण का उद्देश्य है, बच्चों को

(1) अक्षरों की बनावट के प्रति सचेत करना (2) सहज अभिव्यक्ति का अवसर देना

(3) मातृभाषा की लिपि की पहचान करवाना (4) व्याकरणिक नियमों को कण्ठस्थ करवाना

ANS : 2

SACHIN ACADEMY

Q.27. भाषा सीखने में शब्दकोश का बहुत महत्त्व है। निम्नलिखित में से शब्दकोश का सबसे कम महत्त्वपूर्ण उपयोग कौन-सा होगा?

(1) किसी शब्द का अर्थ जानना
(2) किसी शब्द का समानार्थी शब्द जानना
(3) किसी शब्द की सही वर्तनी जानना
(4) अक्षरों/वर्गों का क्रम जानना

ANS : 4

Q.28. प्राथमिक स्तर पर हिन्दी भाषा का शिक्षण करते समय आप किस बिन्दु पर सर्वाधिक बल देंगे?

(1) हिन्दी भाषा की मानक वर्तनी
(2) हिन्दी भाषा के मुहावरे और लोकोक्तियाँ
(3) हिन्दी भाषा की विभिन्न वाक्य-संरचनाएँ
(4) हिन्दी भाषा का सौन्दर्य और आँचलिकता

ANS : 4

Q.29. भाषा अर्जित करने के सन्दर्भ में कौन-सा कथन उचित नहीं है?

(1) बच्चों को नियम बनाना सिखाया जाता है
(2) यह एक सहज प्रक्रिया है
(3) यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है
(4) बच्चे भाषा के नियमों को आत्मसात् करते हैं

ANS : 1

Q.30. कक्षा पाँच के बच्चों की हिन्दी भाषा का आकलन करने में कौन-सा प्रश्न सर्वाधिक उपयोगी है?

(1) हीरा समझदार था या मोती? क्यों?
(2) झूरी के कितने बैल थे?
(3) झूरी के बैलों के नाम बताइए।
(4) गया कैसा व्यक्ति था?

ANS : 1

SACHIN ACADEMY

Q.31. भाषा सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में सबसे कम महत्त्वपूर्ण है

(1) भाषा का परिवेश
(2) भाषा की पाठ्य-पुस्तक
(3) भाषा का आकलन
(4) भाषा-शिक्षण की पद्धति

ANS : 2

Q.32. मीता ने सभी बच्चों को एक अनुच्छेद दिया जिसमें हर पाँचवें शब्द की जगह रिक्त स्थान था, जिसे बच्चों को भरना था । मीता ने किसका प्रयोग किया ?

(1) पठन परीक्षण
(2) लेखन परीक्षण
(3) व्याकरण परीक्षण
(4) क्लोज़ परीक्षण

ANS : 4

Q.33. 'सामाजिक अंत:क्रिया' की अवधारणा_____ से संबंधित है।

(1) स्किनर
(2) पियाजे
(3) चॉम्स्की
(4) वाइगोत्स्की

ANS : 4

Q.34. 'इस कहानी में पहाड़ी, घाटी शब्दों का इस्तेमाल हुआ है । पहाड़ी इलाके से जुड़े हुए और शब्द सोचकर लिखो।' - यह अभ्यास प्रश्न_____ का उदाहरण है।

(1) संदर्भ में व्याकरण
(2) शब्द-भंडार में विकास
(3) शब्द-कोश का विकास
(4) पर्यायवाची शब्दों से परिचय

ANS : 1

Q.35. हिन्दी भाषा में सतत् आकलन का सर्वाधिक उचित तरीका है

(1) हर पन्द्रह दिन में सरल परीक्षा लेना
(2) बच्चों को अपने अनुभवों को कहने-लिखने के पर्याप्त अवसर देना
(3) बच्चों से समूह में परियोजना कार्य करवाना
(4) बच्चों से अनौपचारिक बातचीत करना

ANS : 2

SACHIN ACADEMY

Q.36. प्राथमिक स्तर पर भाषा-शिक्षण का मुख्य उद्देश्य है

(1) चार अक्षर वाले शब्द पढ़-लिख लेना

(2) पाठ्य-पुस्तक के अन्त में दिए गए सभी अभ्यासों को पूरा करना

(3) दूसरों की बातों को धैर्य से सुनना और सुनी गई बात पर अपनी टिप्पणी देना

(4) वर्णमाला को क्रम से याद करना

ANS : 3

Q.37. यदि सुलेखा 'रेलगाड़ी' को 'रेलगाडि' लिखती है तो एक भाषा-शिक्षक के रूप में आप क्या करेंगे?

(1) सुलेखा से रेलगाड़ी' शब्द तीस बार लिखवाएँगे ताकि दोबारा गलती न हो

(2) उसकी कॉपी पर 'रेलगाड़ी' शब्द लिखेंगे और सुलेखा से पूछेगे कि लिखे हुए दोनों शब्दों में क्या अन्तर है? उसे अपना शब्द स्वयं ठीक करने के लिए कहेंगे

(3) 'रेलगाड़ि' शब्द पर घेरा लगाकर सही शब्द लिखकर सुलेखा की कॉपी वापस कर देंगे

(4) 'रेलगाडि' शब्द पर घेरा लगाएँगे और सुलेखा को डाँटेंगे ताकि वह आगे से शब्दों को सही-सही लिखे

ANS : 2

Q.38. हिन्दी भाषा-शिक्षक को यह स्वीकार करना चाहिए कि

(1) गलतियाँ सीखने-सिखाने की प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा है

(2) गलतियों पर बिलकुल ध्यान न देने से वे सुधर जाती हैं

(3) बच्चों को उनकी गलतियाँ समझाना उनके भाषा-विकास में महान बाधा है

(4) बच्चों को भाषा सिखाना जरूरी नहीं है

ANS : 1

Q.39. 'किसी कक्षा में चित्रात्मक तथा रंग-बिरंगे चार्ट होने चाहिए।' कौन-सा विकल्प इसके उद्देश्य की पूर्ति नहीं करता?

SACHIN ACADEMY

(1) बच्चों के कल्पनालोक के रंगों तथा आकृतियों को पहचान नहीं मिलती

(2) बच्चों को सीखने-सिखाने का वातावरण प्रदान करते हैं

(3) उससे शैक्षिक वातावरण को बनाने में मद्द मिलती है

(4) बच्चे उसकी सामग्री से सीखने का प्रयास करते हैं

ANS : 1

Q.40. प्राथमिक स्तर पर पढ़ने की क्षमता के आकलन में सबसे कम महत्त्वपूर्ण है

(1) पढ़ने में प्रवाह (2) चित्रों से अनुमान लगाकर पढ़ना

(3) समझकर पढ़ना (4) अक्षर जोड़कर पढ़ना

ANS : 4

Q.41. दी गई सहायक सामग्री में से शेष से भिन्न सहायक सामग्री चुनिए।

(1) समाचार-पत्र (2) टेलीविजन (3) पत्र-पत्रिकाएँ (4) बाल साहित्य

ANS : 2

Q.42. पढ़ना सीखने का वास्तव में सबसे अच्छा तरीका यह है कि बच्चे

(1) बारहखड़ी अच्छी तरह से याद करें (2) बिना मात्रा वाले शब्दों की वर्तनी बता सकें

(3) चित्र के साथ अनुमान लगाना सीखें (4) सबसे पहले वर्गों की पहचान करना सीखें

ANS : 3

Q.43. भाषा की कक्षा में मुद्रित समृद्ध परिवेश कैसे रचा जा सकता है?

(1) दीवारों पर सूक्तियाँ एवं उपदेशात्मक बातें लिखकर

(2) केवल विविध आकर्षक पुस्तकें सजाकर

(3) दीवारों पर केवल आकर्षक पोस्टर लगाकर

(4) कहानी, कविता के पोस्टर व बच्चों के कामों को कक्षा में प्रदर्शित कर

ANS : 4

SACHIN ACADEMY

Q.44. बच्चों के भाषा विकास के लिए निम्नलिखित में से किसकी अनुशंसा सर्वोत्तम होगी?

(1) ऐसे अभिभावक जो तरह-तरह की श्रव्य सी डी लाकर सुनाते हों

(2) ऐसा अध्यापक जो भाषा के नियमों की समग्र जानकारी दे सके

(3) घर का ऐसा परिवेश जहाँ मानक भाषा बोली जाती हो

(4) घर तथा पास-पड़ोस का ऐसा परिवेश जहाँ बोलने-सुनने के बहुत-से अवसर सुलभ हों

ANS : 4

Q.45. प्राथमिक स्तर पर आप कहानियों, कविताओं में किस पक्ष को सबसे ज्यादा महत्त्वपूर्ण मानते हैं?

(1) प्रतिष्ठित लेखकों की कहानियाँ, कविताएँ बच्चों को पढ़ाई जाएँ

(2) प्रत्यक्ष उपदेशात्मकता

(3) कहानियों, कविताओं का व्याकरणिक नियमों की जानकारी की दृष्टि से समृद्ध होना

(4) घटनाओं, शहरों, पदों में दोहराव

ANS : 4

Q.46. कलिका हिन्दी भाषा में बोलते समय कई बार अटकती है आप क्या करेंगे?

(1) धैर्य रखते हुए उसे सहज अभिव्यक्ति के लिए प्रोत्साहित करेंगे

(2) उसे प्रवाहपूर्ण अभिव्यक्ति के नमूने सुनाएँगे और कहेंगे कि उसे भी हू-ब-हू ऐसे ही बोलना है

(3) कक्षा के बाकी बच्चों से कहेंगे कि कलिका के समक्ष प्रवाहपूर्ण अभिव्यक्ति के नमूने प्रस्तुत करें

(4) कक्षा में केवल कलिका को ही बार-बार बोलने के लिए कहेंगे

ANS : 1

SACHIN ACADEMY

Q.47. हिन्दी भाषा की पाठ्य-पुस्तक में लोकगीतों को शामिल करने का कौन-सा उद्देश्य सबसे कम महत्त्वपूर्ण है?

(1) लोकगीतों की भाषिक विशेषताओं से परिचित होने का अवसर मुहैया कराना

(2) लोकगीतों से सम्बद्ध राज्यों की जानकारी देना

(3) लोकगीतों की रसानुभूति

(4) लोकगीतों के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विशेषताओं से परिचित कराना

ANS : 2

Q.48. भाषा-अर्जन के सम्बन्ध में कौन-सा कथन उचित नहीं है?

(1) इसमें समाज-सांस्कृतिक विशेषताओं को सहज रूप से आत्मसात् किया जाता है

(2) भाषा के नियम सीखे जाते हैं

(3) परिवेश से प्राप्त भाषिक आँकड़ों के आधार पर सहज रूप से भाषिक नियम बनाए जाते हैं।

(4) भाषा-अर्जन में भाषिक परिवेश महत्त्वपूर्ण होता है

ANS : 2

Q.49. भाषा अर्जन और भाषा अधिगम में मुख्य अन्तर

(1) भाषा लेखन के अभ्यास का

(2) पाठ्य-पुस्तक के अभ्यासों का अभ्यास करने का

(3) स्वाभाविकता का

(4) भाषा के नियमों को स्मरण करने का

ANS : 3

Q.50. भाषा की पाठ्य-पुस्तक में सबसे महत्त्वपूर्ण पक्ष है

(1) कागज की गुणवत्ता और छपाई

(2) वस्तुनिष्ठ अभ्यास

(3) व्याकरणिक नियमों की सैद्धान्तिक व्याख्या

(4) पाठों का उद्देश्यपूर्ण चयन

ANS : 4

Q.51. किस तरह के परिवेश में बच्चों का भाषा विकास अपेक्षाकृत बेहतर होगा?

SACHIN ACADEMY

(1) शिक्षक द्वारा मानक भाषा का प्रयोग करना

(2) एकल परिवार, जहाँ माता-पिता मानक भाषा का प्रयोग करते हैं

(3) संयुक्त परिवार, जहाँ परिवार के सभी सदस्य बच्चों के साथ निरन्तर अन्त:क्रिया करते हैं

(4) आधुनिक तकनीक से लैस कक्षा जहाँ भाषा-प्रयोगशाला का निरन्तर प्रयोग होता है

ANS : 3

Q.52. प्राथमिक स्तर पर भाषिक रेखांकन और चित्रांकन

(1) लेखन अभ्यास एक महत्त्वपूर्ण चरण है

(2) एक सह-शैक्षणिक गतिविधि मात्र है

(3) बच्चों की अनुकरण प्रवृत्ति को पोषित करता है

(4) काव्य-व्याख्या का एकमात्र मार्ग है

ANS : 1

Q.53. _____ वाले बच्चों को मुख्यतः लिखने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

(1) अफेज़िया (2) डिस्लेक्सिया (3) डिस्ग्राफ़िया (4) डिस्केलकुलिया

ANS : 3

Q.54. बहु-भाषिकता हमारी ..... भी है और हमारी सभ्यता व ..... का अभिन्न अंग भी।

(1) समस्या, पहचान (2) विडम्बना, संस्कृति

(3) चुनौती, संस्कृति (4) पहचान, संस्कृति

ANS : 4

Q.55. बच्चों की लेखन क्षमता का आकलन करते समय आप सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण किसे मानते हैं?

SACHIN ACADEMY

(1) सुन्दर लेखन (2) व्याकरणिक ज्ञान (3) शुद्ध वर्तनी (4) विचार तत्व

ANS : 4

Q.56. पाठ पढ़ने-पढ़ाने के बाद किस तरह के सवाल बच्चों की समझ का मूल्यांकन करने में सहायक नहीं होते?

(1) 'यदि-तो' वाले प्रश्न

(2) पढ़े गए पाठ से जोड़ते हुए अपने निजी अनुभवों को व्यक्त करने वाले प्रश्न

(3) 'क्यों', 'कैसे' वाले प्रश्न

(4) 'क्या शिक्षा मिलती है?' वाला प्रश्न

ANS : 1

Q.57. कक्षा में कुछ बच्चे गलत वर्तनी का प्रयोग करते हुए लिखते हैं। आप क्या करेंगे?

(1) इसे एक सहज और स्वाभाविक प्रक्रिया मानते हुए कक्षा में 'प्रिंट'-समृद्ध माहौल का निर्माण करेंगे

(2) शब्दों को दस-दस बार सही तरीके से लिखने के लिए कहेंगे

(3) बच्चों को उनकी त्रुटियों का अहसास कराएँगे

(4) गलत वर्तनी वाले शब्दों पर लाल स्याही से घेरा या क्रॉस लगाएँगे।

ANS : 1

Q.58. राधिका अकसर 'लड़का' को 'लका', 'कमाई होने लगी' को 'कमाई होगी' लिखना जैसी गलतियाँ कर बैठती है। यह इस ओर संकेत करता है कि

(1) राधिका ध्यान से नहीं लिखती

(2) उसके लेखन के स्तर में सुधार की आवश्यकता है

(3) राधिका को मात्राओं का ज्ञान नहीं है

(4) राधिका के विचारों की तेज गति के साथ उसकी लेखनी नहीं चल पाती

SACHIN ACADEMY

ANS : 4

Q.59. एकांकी पाठ मुख्यत: किसमें सहायता करते हैं?

(1) वाक्य-संरचना की जानकारी (2) अभिनय की कुशलता

(3) लेखन-कौशल का विकास (4) सन्दर्भ के अनुसार उचित उतार-चढ़ाव के साथ बोलना

ANS : 4

Q.60. अर्थ की गहनता को समझने में कौन-सी पद्धति सर्वाधिक रूप से सहायक है?

(1) द्रुत पठन (2) धीमा पठन (3) सस्वर पठन (4) मौन पठन

ANS : 4

Q.61. मंजूषा 8वीं कक्षा को हिन्दी पढ़ाती है। इस स्तर पर उसे किसके लिए प्रयास करना चाहिए?

(1) अलंकार समझाना (2) छन्द समझाना

(3) सस्वर पठन (4) साहित्यिक विधाओं का परिचय

ANS : 4

Q.62. जो शिक्षक बच्चों का भाषा से अर्थपूर्ण परिचय कराना चाहते हैं

(1) वे पाठ्य-पुस्तक में रोजमर्रा की भाषा को स्थान देते हैं

(2) वे साहित्य के शिक्षण पर बल देते हैं

(3) वे भाषागत शुद्धता पर अत्यधिक बल देते हैं

(4) वे बच्चों की भाषा का आकलन नहीं करते हैं

ANS : 1

Q.63. भाषा सीखने-सिखाने के सम्बन्ध में कौन-सा कथन सही नहीं है?

(1) भाषा परिवेश से सीखी जाती है

(2) भाषा अर्जित करना सहज होता है

(3) संचार-माध्यम भाषा सीखने में मदद करते हैं

SACHIN ACADEMY

(4) भाषा विद्यालय में ही अर्जित की जाती है

ANS : 4

Q.64. प्राथमिक स्तर पर बच्चों की भाषा का आकलन करने में क्या सबसे कम उपयोगी है?

(1) चित्र देखकर कहानी, कविता लिखना

(2) पाठ के अन्त में दिए गए सवालों के जवाब लिखना

(3) किसी घटना का वर्णन करना

(4) नानी की चिट्ठी लिखते हुए अपनी नई दोस्त के बारे में बताना

ANS : 2

Q.65. बच्चों का अपने लेखन के प्रति आत्मविश्वास जगाने के लिए जरूरी है कि

(1) उनके द्वारा लिखी गई बात का सम्मान किया जाए

(2) उनके लिखने की गति पर ध्यान दिलाया जाए

(3) उनके अक्षरों की बनावट की प्रशंसा की जाए

(4) उनकी वर्तनी की शुद्धता को सराहा जाए

ANS : 1

Q.66. 'पढ़ना' कौशल में सबसे ज्यादा महत्त्वपूर्ण है

(1) पढ़ने की गति

(2) अर्थ एवं अनुमान

(3) शब्दों का उच्चारण

(4) वर्गों की पहचान

ANS : 2

Q.67. प्राथमिक स्तर पर बच्चों की भाषायी क्षमताओं के आकलन में सबसे अधिक कारगर है

(1) पोर्टफोलियो (2) जाँच सूची (3) रेटिंग स्केल (4) लिखित परीक्षा

ANS : 1

SACHIN ACADEMY

Q.68. बच्चों को कहानी सुनाने की उपयोगिता सिद्ध होती है

(1) कहानी में गुँथे हुए नैतिक मूल्यों के आधार पर

(2) कहानी से मिलने वाली ज्ञान-विज्ञान की जानकारी द्वारा

(3) कहानी से मिलने वाली सीख द्वारा

(4) कहानी कहने के तरीके द्वारा

ANS : 4

Q.69. "यदि तुम्हें डलिया भरकर आम दे दिए जाएँ, तो तुम क्या करोगी?' इस प्रश्न का उद्देश्य है

(1) बच्चों की मौखिक परीक्षा लेना

(2) बच्चों को गणित की ओर प्रवृत्त करना

(3) बच्चों को नए शब्दों से परिचित कराना

(4) बच्चों के अनुभव और चिन्तन को स्थान देना

ANS : 4

Q.70. भाषायी कौशलों के सम्बन्ध में कौन-सा कथन सही है?

(1) सभी भाषायी कौशल स्वयं ही विकसित होते हैं

(2) सभी भाषायी कौशल पाठ्य-पुस्तक से ही विकसित होते हैं

(3) कोई भी भाषायी कौशल अन्त:सम्बन्धित नहीं है

(4) सभी भाषायी कौशल अन्त:सम्बन्धित हैं

ANS : 4

Q.71. लिखना सीखने में सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण है

(1) अर्थ की अभिव्यक्ति

(2) अक्षर - ज्ञान

(3) शब्द - ज्ञान

(4) वाक्य - संरचना

ANS : 1

SACHIN ACADEMY

Q.72. भाषा शिक्षक के लिए जरूरी है कि वे भारतीय भाषाओं की ..... को स्वीकार करें और समृद्ध साहित्य को ..... की दृष्टि से देखें।

(1) सराहना, विविधता
(2) जटिलताओं, साहित्यिक
(3) विषमताओं, सराहना
(4) विविधता, सराहना

ANS : 4

Q.73. बच्चों में_____ और____ के माध्यम से लेखन कौशल का विकास किया जा सकता है।

(1) रेखांकन, चित्रांकन
(2) चित्रांकन, लिपि-चिह्नों
(3) रेखांकन, लिपि-चिह्नों
(4) लिपि-चिह्नों, अक्षर बनावट

ANS : 1

Q.74. स्किनर ने भाषा सीखने की प्रक्रिया में_____सर्वाधिक बल दिया।

(1) अंत:क्रिया (2) अनुकरण (3) भाषा अर्जन क्षमता (4) सृजनात्मकता

ANS : 2

Q.75. शिक्षण-प्रक्रिया को रुचिकर बनाने में_____ शिक्षण-सामग्री सहायक होती है।

(1) ऑडियो-वीडियो (2) वैविध्यपूर्ण (3) वीडियोपरक (4) पत्र-पत्रिकाएँ

ANS : 2

Q.76. भाषा-कक्षाओं में प्रदर्शित सामग्री केवल तब सजावटी हो जाती है जब

(1) बच्चों को पढ़ना-लिखना सिखाने में उसका उपयोग नहीं होता
(2) वह बच्चों को अनिवार्यतः कोई मूल्य न सिखाए
(3) वह सामग्री पाठ्य-पुस्तक की न हो
(4) बच्चे उसे आते-जाते देखते हैं

ANS : 1

Q.77. 'तुम्हारे आस-पास ऐसे कौन-कौन से फूल हैं, जिनकी बहुत तेज़ महक है? फूलों के नाम अपनी भाषा में लिखो।' हिन्दी भाषा के इन अभ्यासों का क्या उद्देश्य है?

SACHIN ACADEMY

(1) पाठ को अपने अनुभव संसार से जोड़ने के अवसर देना और बहुभाषिकता को पोषित करना

(2) बच्चों की भाषा को कक्षा में स्थान देते हुए यह जानना कि क्या वे अपनी भाषा में लिख सकते हैं

(3) बच्चों को फूलों और उनकी महक के बारे में विस्तृत जानकारी देना

(4) बच्चों से यह जानना कि कितने फूलों के नाम जानते हैं?

ANS : 1

Q.78. बच्चों की श्रवण योग्यता का विकास करने में सर्वाधिक सहायक है

(1) भाषा-प्रयोगशाला (2) ऑडियो टेप

(3) शब्दों का श्रुतलेख (4) परस्पर बातचीत

ANS : 4

Q.79. प्राथमिक स्तर पर भाषा - शिक्षण में बाल साहित्य का प्रयोग किए जाने के पक्ष में सर्वाधिक ठोस तर्क है

(1) इन्हें पढ़ाने में शिक्षक को मजा आता है

(2) इनका प्रयोग बच्चों के भाषा-अनुभवों को विस्तृत करता है

(3) यह पाठ्य-पुस्तक से बेहतर होता है

(4) इन्हें पढ़ाना अपेक्षाकृत सरल होता है

ANS : 2

Q.80. प्राथमिक स्तर पर एक अध्यापिका 'संज्ञा' पढ़ाते समय पहले 'संज्ञा' की परिभाषा बताती है। उसके बाद उससे सम्बन्धित उदाहरण समझाती है। अध्यापिका व्याकरण शिक्षण की कौन-सी विधि अपनाती है?

(1) प्रत्यक्ष विधि (2) सूत्र विधि (3) आगमन विधि (4) निगमन विधि

ANS : 4

Q.81. यदि पठन सामग्री के साथ चित्र हों, तो

SACHIN ACADEMY

(1) पठन सामग्री की गुणवत्ता में वृद्धि होती है

(2) चित्रकार की भूमिका के महत्त्व का पता चलता है

(3) पठन सामग्री का आकर्षण बढ़ जाता है

(4) लिखे हुए के बारे में अनुमान लगाना आसान हो जाता है

ANS : 4

Q.82. निशिता अपने सहपाठियों से ठीक तरह से बात करती है परन्तु कक्षा में उत्तर देते समय हकलाती है। वह सम्भवत:

(1) बड़े समूह में अपनी बात कहने में दबाव महसूस करती है

(2) कक्षा में हँसी का माहौल पैदा करना चाहती है

(3) घर से पाठ याद करके नहीं आती है

(4) जानबूझकर ऐसी करती है जिससे उससे सवाल न पूछे जाएँ

ANS : 1

Q.83. तमिल भाषी सुहेल प्रायः 'भजन' को 'बजन' कहता है। भाषा के शिक्षक के रूप में आप क्या करेंगे?

(1) 'भजन' शब्द का बार-बार उच्चारण करवाएँगे

(2) सुहेल को उसकी त्रुटि के लिए डाँटेंगे

(3) तमिल और हिन्दी भाषा का तुलनात्मक अध्ययन करते हुए महाप्राण ध्वनियों से युक्त भाषिक सामग्री का प्रयोग करेंगे

(4) सुहेल को बताएँगे कि सही शब्द 'भजन' है

ANS : 3

Q.84. पढ़ने की कुशलता में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है-

(1) अर्थ-निर्माण (2) तीव्र गति (3) उच्चारणगत शुद्धता (4) शब्द पढ़ना

SACHIN ACADEMY

ANS : 1

Q.85. कहानियाँ बच्चों के भाषा-विकास में किस प्रकार सहायक हैं?

(1) ये बच्चों की कल्पनाशक्ति, सृजनात्मकता और चिन्तन को बढ़ावा देती हैं

(2) ये भाषिक नियम ही सिखाती हैं

(3) बच्चों के खाली समय का सदुपयोग करने में मदद करती हैं

(4) ये पाठ्य-पुस्तक का सबसे महत्त्वपूर्ण हिस्सा है।

ANS : 1

Q.86. एक बहुभाषिक कक्षा में बच्चों की गृहभाषा के प्रयोग को

(1) कदापि प्रोत्साहन नहीं करना चाहिए

(2) सम्मान देना चाहिए

(3) प्रोत्साहन नहीं देना चाहिए

(4) अत्यन्त सीमित कर देना चाहिए

ANS : 2

Q.87. मौखिक कुशलता में शामिल है

(1) विभिन्न प्रकार की औपचारिक-अनौपचारिक चर्चाओं में बेझिझक बोलने की कुशलता

(2) तत्सम शब्दों के प्रयोग की कुशलता

(3) तीव्र गति से बोलने की कुशलता

(4) बोलते समय दृष्टान्तों का प्रयोग करने की कुशलता

ANS : 1

Q.88. सुनना कौशल में शामिल है

(1) सुने हुए शब्दों की केवल पुनरावृत्ति

(2) दूसरों की बात सुनने में रुचि, धैर्य और प्रतिक्रिया

(3) प्रश्नों को ध्यानपूर्वक सुनने की क्षमता का विकास

(4) शान्तिपूर्वक सुनना

ANS : 2

SACHIN ACADEMY

Q.89. प्राथमिक स्तर पर भाषा शिक्षण का उद्देश्य है

(1) पठन के द्वारा ज्ञानार्जन एवं आनन्द प्राप्ति में समर्थ बनाना

(2) विभिन्न साहित्यिक विधाओं की रचनाओं और रचनाकारों के नाम याद करना

(3) विषय-सामग्री के माध्यम से केवल कठिन शब्दों के अर्थ जानना

(4) दूसरे के विचारों को शब्दश: दोहराने मात्र की कुशलता का विकास

ANS : 1

Q.90. एक तीन साल के बच्चे से किसी भी ऐसे विषय पर अच्छी तरह से बातचीत की जा सकती है, जो उसके ..... दायरे के अन्दर आता हो।

(1) विद्यालयी (2) भावनात्मक (3) संज्ञानात्मक (4) भौगोलिक

ANS : 3

Q.91. 'बच्चे अपनी जन्मजात भाषा अर्जन क्षमता के सहारे परिवेश में मौजूद भाषा अर्जित करते हैं।' यह कथन किसे महत्त्व नहीं देता?

(1) भाषा-नियमों में विस्तार को (2) भाषा-अनुकरण करने को

(3) समृद्ध भाषा परिवेश को (4) भाषा-नियमों में परिवर्तन को

ANS : 2

Q.92. लगभग दो साल के बच्चे तार वाली भाषा (टेलीग्राफिक स्पीच) का प्रयोग करते हैं। तार वाली भाषा का अर्थ है

(1) तार में प्रयुक्त होने वाले शब्दों का प्रयोग

(2) अंग्रेजी शब्दों का उपयोग

(3) संक्षिप्त वाक्यों का प्रयोग करना

(4) मुख्य अर्थ को व्यक्त करने वाले संज्ञा, क्रिया, विशेषण आदि दो शब्दों वाली अभिव्यक्ति

ANS : 4

Q.93. ग्राह्यात्मक कौशलों में शामिल हैं

SACHIN ACADEMY

(1) सुनना, बोलना (2) बोलना, लिखना (3) सुनना, पढ़ना (4) पढ़ना, लिखना

ANS : 3

Q.94. लेखन-कौशल में कौन-सा पक्ष सबसे कम महत्त्वपूर्ण है?

(1) लिखित कार्य पर शिक्षक की प्रतिक्रिया/टिप्पणी

(2) सुन्दर लेखक का यान्त्रिक अभ्यास

(3) प्रिण्ट समृद्ध वातावरण

(4) अपने अनुभावों की लिखित अभिव्यक्ति

ANS : 3

Q.95. बहु सांस्कृतिक पृष्ठभूमि वाली कक्षा में भाषा-शिक्षक को क्या करना चाहिए?

(1) परस्पर बातचीत करने के अधिकारिक अवसर देना चाहिए

(2) बच्चों को मानक भाषा-प्रयोग के लिए ही कहना चाहिए

(3) मौखिक कौशलों पर बल देना चाहिए

(4) अभिव्यक्यात्मक कौशलों पर ही बल देना चाहिए

ANS : 1

Q.96. सुहेल को पढ़ने में कठिनाई होती है, लेकिन उसका अवबोधन-पक्ष बेहतर है। सुहेल की समस्या है

(1) डिस्केलकुलिया (2) डिप्रेशन (3) डिग्राफिया (4) डिस्लेक्सिया

ANS : 4

Q.97. पढ़ने की प्रक्रिया में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है

(1) वर्णमाला का क्रमिक ज्ञान (2) शब्दों को पढ़ने की कुशलता

(3) वाक्यों को पढ़ने की कुशलता (4) पढ़ी गई पाठ्य-वस्तु का अर्थ ग्रहण करना

ANS : 4

Q.98. लिखना

SACHIN ACADEMY

(1) एक तरह की बातचीत है
(2) एक यान्त्रिक कौशल है
(3) अत्यन्त जटिल कौशल है
(4) पढ़ने के बाद सीखा जाता है

ANS : 1

Q.99. पहली कक्षा की नादिरा पढ़ते हुए बार-बार अटकती है। ऐसे में आप क्या करेंगे?

(1) नादिरा को डाँटेंगे कि वह सही से क्यों नहीं पढ़ती

(2) उसे पढ़ने के लिए मना कर देंगे

(3) उससे कहेंगे कि पहले पढ़ना सीख लो फिर कक्षा में पढ़ना

(4) शिक्षक धैर्य से काम लेते हुए उसकी पढ़ने-सीखने में मदद करे

ANS : 4

Q.100. जिन बच्चों को लिखने में कठिनाई होती है सम्भवतया वे ..... से ग्रसित हों।

(1) गणितीय-अक्षमता (डिस्कैल्कलिया)
(2) स्वर-अक्षमता (डिस्फोनिया)
(3) पठन-अक्षमता (डिस्लैक्सिया)
(4) लेखन अक्षमता (डिसग्राफिया)

ANS : 4

Q.101. प्राथमिक स्तर पर बच्चे किस प्रकार की कविताएँ पसन्द करते हैं?

(1) जिनमें मूल्य हो
(2) जिनमें योग्यता हो
(3) जिनमें नवीन शब्दों का भण्डार हो
(4) जिनमें तुकबन्दी हो

ANS : 4

Q.102. कहानी पढ़ने के बाद कक्षा में कौन-सी गतिविधि सबसे कम प्रभावी है?

(1) कहानी को दोहराना
(2) कहानी का अन्त परिवर्तित करना
(3) कहानी को आगे बढ़ाना
(4) कहानी को अपने शब्दों में कहना

ANS : 1

Q.103. अवलोकन को आकलन का भाग तभी कहा जा सकता है जब अवलोकन

SACHIN ACADEMY

(1) लड़के-लड़कियों का अलग-अलग किया जा रहा हो

(2) अनिवार्यत: औपचारिक रूप से किया जा रहा हो

(3) नियमित रूप से किया जा रहा हो

(4) प्रतिदिन प्रत्येक बच्चे का किया जा रहा हो

ANS : 3

Q.104. अकादमिक सत्र शरू होने के दो माह बाद तक भी कक्षा चार के विद्यार्थियों को भाषा की पाठ्य-पुस्तकें उपलब्ध नहीं करवाई जा सकी हैं। ऐसी स्थिति में शिक्षक

(1) भाषायी क्षमताओं के विकास के लिए अन्य विषयों की पाठ्य-पुस्तकों का प्रयोग करें

(2) श्रवण एवं वाचन कौशल का अभ्यास करवाते रहें

(3) विद्यार्थियों को पाठ्य-पुस्तक अपने आप खरीदने के लिए प्रोत्साहित करें

(4) पाठ्य-पुस्तक के उपलब्ध होने तक पठन-लेखन की प्रक्रिया आरम्भ न करवाएँ

ANS : 1

Q.105. 'पढ़कर समझना' कुशलता का विकास करने में सबसे कम महत्त्वपूर्ण है

(1) कहानी पर आधारित व्याकरण समझाना (2) कहानी को अपनी भाषा में कहलवाना

(3) कहानी पर आधारित प्रश्न बनवाना (4) कहानी का अन्त बदलवा देना

ANS : 1

Q.106. प्राथमिक स्तर पर भाषाई क्षमताओं का विकास_____ है और साहित्य_____ है।

(1) साधन, साध्य (2) साध्य, उद्देश्य

(3) साध्य, साधन (4) उद्देश्य, साध्य

ANS : 3

Q.107. रूपा चौथी कक्षा को पढ़ाती हैं । उन्होंने गुजराती लोक कथा 'मुफ़्त ही मुफ़्त' पढ़ाने के बाद बच्चों से पूछा कि उनकी भाषा में आदर के लिए किन शब्दों का प्रयोग

SACHIN ACADEMY

किया जाता है, जैसे गुजराती भाषा में 'भाई' 'बेन' का प्रयोग किया जाता है । रूपा का उद्देश्य है –

(1) सभी बच्चों को अवसर देना (2) बहुभाषिकता को संबोधित करना

(3) अभ्यास प्रश्न को करवाना (4) अन्य भाषाओं को जानना

ANS : 2

Q.108. "भाषा अर्जन क्षमता' सिद्धांत _____ से संबंधित है।

(1) पियाजे (2) स्किनर (3) वाइगोत्स्की (4) चॉम्स्की

ANS : 4

Q.109. ज़्यादातर बच्चे, स्कूल की शिक्षा की शुरुआत से पहले ही भाषा की _____और ___ को आत्मसात कर पूर्ण भाषिक क्षमता रखते हैं।

(1) जटिलताओं, मानकों (2) चुनौतियों, प्रचलनों

(3) जटिलताओं, नियमों (4) चुनौतियों, अवसरों

ANS : 3

Q.110. प्राथमिक स्तर पर अधिकांशत: बच्चे ..... कविता पसन्द करते हैं।

(1) लयपूर्ण कविताएँ (2) छोटी कविताएँ

(3) वीर रस की कविताएँ (4) नैतिक मूल्यों से ओत-प्रोत कविताएँ

ANS : 1

Q.111. प्राथमिक स्तर पर भाषा कौशलों का विकास ..... है।

(1) कठिन (2) साधन (3) साध्य (4) सम्भव नहीं

ANS : 3

Q.112. राहुल को जब भी कक्षा में उत्तर देने के लिए कहा जाता है वह हकलाने लगता है। इसका क्या कारण हो सकता है?

(1) राहुल जानबूझकर ऐसा करता है ताकि उसे जवाब न देना पड़े

(2) राहुल को सही उत्तर नहीं पता होता

SACHIN ACADEMY

(3) यह राहुल की आदत है

(4) राहुल बड़े समूह के सामने अपनी बात कहने में मनोवैज्ञानिक दबाव महसूस करता है

ANS : 4

Q.113. परस्पर बातचीत मुख्यत:

(1) सुनने और बोलने के कौशलों के विकास में सहायक है

(2) पढ़ने-लिखने में सहायक है

(3) समय की बर्बादी है

(4) अनुशासनहीनता को उत्पन्न करती है

ANS : 1

Q.114. भाषा में सीखने और भाषा अर्जित करने में अन्तर का सर्वप्रमुख कारण है

(1) भाषा की पाठ्य-पुस्तकें

(2) भाषा में आकलन

(3) भाषायी परिवेश

(4) भाषा का व्याकरण

ANS : 3

Q.115. आपकी कक्षा के कुछ विद्यार्थी 'सड़क' को 'सरक' बोलते हैं। इसका सबसे सम्भावित कारण है।

(1) लापरवाही का होना

(2) उनकी मातृभाषा का प्रभाव

(3) उन्हें हिन्दी न आना

(4) सुनने में समस्या

ANS : 2

Q.116. प्राथमिक स्तर पर भाषा-शिक्षण के संदर्भ में कौन-सा कथन सर्वाधिक उचित है ?

(1) बच्चों को केवल भाषा की पाठ्य-पुस्तक ही दी जाए।

(2) सभी बच्चों की प्रगति समान रूप से ही होनी चाहिए।

(3) बच्चों को विभिन्न प्रकार का बाल साहित्य पढ़ने के अवसर दें।

SACHIN ACADEMY

(4) बच्चों को क्रम से भाषा कौशल सिखाए जाने चाहिए।

ANS : 3

Q.117. बच्चों की लेखन क्षमता का आकलन करने की दृष्टि से कौन-सा प्रश्न सर्वाधिक बेहतर है ?

(1) 'बहादुर बित्तो' कहानी का अंत बदलकर लिखिए।

(2) 'बहादुर बित्तो' में संज्ञा शब्दों को चिह्नित कीजिए।

(3) 'बहादुर बित्तो' कहानी को शीर्षक दीजिए।

(4) 'बहादुर बित्तो' शीर्षक कहानी लिखिए ।

ANS : 1

Q.118. प्राथमिक स्तर पर पढ़ाने वाली सुनीता अपनी कक्षा के बच्चों को प्रतिदिन एक कहानी पढ़कर सुनाती हैं और उस पर चर्चा करती हैं । आप इस कक्षा के बारे में क्या कहेंगे ?

(1) कहानी पर चर्चा भाषा-विकास को अवरुद्ध करती है।

(2) पढ़ने और मौखिक अभिव्यक्ति का विकास हो रहा है।

(3) सुनीता अपने शिक्षक प्रशिक्षण की रीतियों को निभा रही है।

(4) कहानी सुनाने से समय नष्ट हो रहा है।

ANS : 2

SACHIN ACADEMY

PAPER - 2

Q.1. त्रिभाषा सूत्र के अनुसार स्कूल में पहली भाषा जो पढ़ाई जाए वह ____हो या_____भाषा।

(1) हिंदी, अंग्रेज़ी

(2) अंग्रेज़ी, विदेशी

(3) मातृभाषा, क्षेत्रीय

(4) मातृभाषा, हिंदी

ANS : 3

Q.2. संदर्भ में व्याकरण किस पर बल देता है ?

(1) पाठ के अंत में दिए समस्त भाषा-अभ्यास को पूर्ण करवाने पर।

(2) पाठ पढ़ाते समय प्रसंगवश आने वाले व्याकरणिक बिंदुओं को स्पष्ट करने पर ।

(3) पाठ के अंत में समस्त व्याकरणिक बिंदुओं को स्पष्ट करने पर ।

(4) पाठ के दौरान आए समस्त व्याकरणिक बिंदुओं की परिभाषा बताने पर ।

ANS : 2

Q.3. हिंदी भाषा की पाठ्य-पुस्तकों में हिंदीतर भाषाओं की रचनाओं को भी स्थान मिलना चाहिए ताकि -

(1) बच्चे हिंदीतर भाषाओं पर अपनी पकड़ बना सकें।

SACHIN ACADEMY

(2) बच्चे हिंदीतर भाषाओं के व्याकरण से परिचित हो सकें।

(3) बच्चों को हिंदीतर रचनाकारों की जानकारी मिल जाए ।

(4) बच्चे हिंदीतर रचनाओं की भाषिक विशेषताओं से परिचित हो सकें।

ANS : 4

Q.4. आप छठी कक्षा के बच्चों के लिए हिंदी भाषा सीखने-सिखाने की किस पद्धति का समर्थन करेंगे?

(1) जिसमें बच्चे परस्पर अंतः क्रिया करते हैं।

(2) जिसमें बच्चे केवल लेखन कार्य करते हैं।

(3) जिसमें बच्चों को बोलने के अवसर मिलें ।

(4) जिसमें बच्चों को पाठ्य-पुस्तक बिलकुल न पढ़नी हो।

ANS : 1

Q.5. भाषा सभी विषयों के ..... में है।

(1) अध्यायों (2) केन्द्र (3) प्रारम्भ (4) पढ़ने

ANS : 2

Q.6. लेखन क्षमता के आकलन के लिए

(1) व्याकरण-सम्मत भाषा को देखना होगा

(2) अर्थपूर्ण वाक्यों और सन्दर्भो को देखन होगा

(3) लिखावट की सफाई और सुन्दरता को जाँचना होगा

(4) अभिव्यक्त विचारों को जाँचना होगा

ANS : 2

Q.7. पढ़ना सीखने के लिए आवश्यक है कि

(1) घर की भाषा सुनने-बोलने को मिले

(2) लक्ष्य भाषा की अर्थपूर्ण और रोचक सामग्री सुनने-पढ़ने को मिले

SACHIN ACADEMY

(3) चाट अधिक-से-अधिक कक्षा में लगाए जाएँ

(4) केवल लक्ष्य भाषा सुनने का माहौल हो

ANS : 2

Q.8. “कोई भाषा किसी भी लिपि में लिखी जा सकती है"_____इस क्थन पर आपकी राय है कि

(1) यह बहुत हद तक सम्भव है

(2) हर भाषा की अपनी लिपि होती है

(3) भाषा और लिपि के बीच एक सीधा सम्बन्ध है

(4) यह बिल्कुल सम्भव नहीं

ANS : 1

Q.9. उच्च प्राथमिक स्तर पर भाषा सीखने का उद्देश्य है

(1) प्रश्नोत्तरी, भाषण, अन्त्याक्षरी का मात्र आयोजन करना

(2) भाषा की बारीकी और सौन्दर्यबोध को सही रूप से समझना

(3) दूसरों के अनुभवों से जुड़कर सवालों के जवाब देना

(4) निजी अनुभवों को केवल लिखकर अभिव्यक्त करना

ANS : 2

Q.10. उच्च प्राथमिक स्तर पर भाषा सीखने में पाठय-पुस्तक के अतिरिक्त कौन-सी संसाधन सामग्री सर्वाधिक महत्वपूर्ण है?

(1) रेडियो नाटक (2) कविता पाठ

(3) आयु अनुरूप साहित्य (4) समाचार-पत्र

ANS : 3

Q.11. उच्च प्राथमिक स्तर पर भाषा-आकलन की दृष्टि से सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है

(1) अवलोकन (2) जाँच सूची (3) साक्षात्कार सूची (4) लिखित परीक्षा

ANS : 2

SACHIN ACADEMY

Q.12. उच्च प्राथमिक स्तर पर भाषा की पाठय-पस्तक में 'रक्त और हमारा शरीर' पाठ शामिल करने का विचार ....." से जुड़ा है।

(1) विषयों की विभिन्न भाषाओं
(2) सम्पूर्ण पाठ्यचर्या में भाषा
(3) हिन्दी भाषा की विभिन्न रंगतों
(4) विज्ञान सम्बन्धी शब्दावली

ANS : 2

Q.13. उच्च प्राथमिक स्तर पर भाषा-शिक्षण का सर्वोपरि उद्देश्य है

(1) विभिन्न साहित्यिक विधाओं का गहनतम ज्ञान प्राप्त करना

(2) सरसरी तौर पर तीव्र गति से पढ़ना

(3) भाषा के सौन्दर्यशास्त्र से परिचय

(4) निजी अनुभवों के आधार पर भाषा का सृजनशील इस्तेमाल

ANS : 4

Q.14. उच्च प्राथमिक स्तर पर हिन्दी भाषा-विकास के लिए कौन-सी गतिविधि उपयोगी नहीं हो सकती?

(1) मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाना

(2) सूचना, डायरी-लेखन, विज्ञापन-लेखन आदि का कार्य करवाना

(3) पढ़ी गई कहानियों का समूह में नाट्य-रूपान्तरण

(4) विज्ञापनों, पोस्टरों, साइनबोर्ड और भाषा के अन्य उपयोगों का विश्लेषण करना

ANS : 1

Q.15. भाषा सीखने का अर्थ उस भाषा की ..... सीखना भी है, क्योंकि भाषा किसी भी ..... का अभिन्न हिस्सा होती है।

(1) ऐतिहासिकता, इतिहास
(2) संस्कृति, संस्कृति
(3) बारीकी, व्याकरण
(4) नियमबद्धता, व्याकरण

ANS : 2

SACHIN ACADEMY

Q.16. हिन्दी भाषा का आकलन करते समय 'पोर्टफोलियो' बच्चों के बारे में यह बताता है कि

(1) उनकी प्रगति में माता-पिता की भूमिका कैसी है?

(2) उनकी प्रगति में शिक्षकों की भूमिका कितनी है?

(3) वे क्या जानते हैं?

(4) क्रमश: उनकी प्रगति किस प्रकार हो रही है?

ANS : 4

Q.17. भाषा-अर्जन में बच्चे भाषा को

(1) सहज और स्वाभाविक रूप से सीखते हैं।

(2) अभ्यास और यान्त्रिकता से सीखते हैं

(3) स्वाभाविक और प्रयासपूर्ण तरीके से सीखते हैं

(4) सहजता और अभ्यास से सीखते हैं

ANS : 1

Q.18. सातवीं कक्षा में पढ़ने वाली रूबी कक्षा में सबसे पहले अपना कार्य समाप्त कर लेती है। हिन्दी भाषा शिक्षक के रूप में आप क्या करेंगे?

(1) रूबी को दूसरे बच्चों के कार्य की जाँच का एकमात्र अधिकारी बताएँगे

(2) रूबी की दूसरों से तुलना करेंगे

(3) रूबी को उसकी पसन्द का कार्य करने के लिए कहेंगे

(4) रूबी से शान्त बैठने के लिए कहेंगे

ANS : 3

Q.19. व्याकरण पढ़ाने की आगमन विधि _____पर सर्वाधिक बल देती है।

(1) उदाहरणों (2) मानकता (3) नियमों (4) परिभाषा

ANS : 1

SACHIN ACADEMY

Q.20. प्रत्येक भाषा शिक्षक को इस बात की जानकारी ज़रूर होनी चाहिए कि उसकी कक्षा के बच्चों की _____पृष्ठभूमि क्या है।

(1) भाषिक व सांस्कृतिक
(2) सांस्कृतिक व आर्थिक.
(3) आर्थिक व सामाजिक
(4) सामाजिक व व्यावसायिक

ANS : 1

Q.21. उच्च प्राथमिक स्तर पर हिंदी भाषा शिक्षण का एक महत्त्वपूर्ण उद्देश्य है -

(1) हिंदी भाषा के प्रसिद्ध रचनाकारों को जानना।
(2) हिंदी भाषा की प्रसिद्ध रचनाओं को जानना ।
(3) हिंदी भाषा की नियमबद्ध प्रकृति को पहचानना।
(4) हिंदी भाषा के व्याकरण को कंठस्थ करना।

ANS : 3

Q.22. उच्च प्राथमिक स्तर पर बहुभाषिक कक्षा में बच्चों की भाषा/भाषाएँ

(1) एक संसाधन है/हैं
(2) एक कठिन समस्या है/हैं
(3) एक पहेली है/हैं
(4) एक जटिल चुनौती है/हैं

ANS : 1

Q.23. उच्च प्राथमिक स्तर पर बच्चों की हिन्दी भाषा की क्षमता के आकलन में प्रकार्यपरक पक्ष पर बल देने का आशय है

(1) भाषा प्रयोग पर बल देना
(2) भाषा के कार्यों को बढ़ावा देना
(3) भाषा-प्रयोग का पक्ष बताना
(4) भाषा के कार्यों की सूची बनाना

ANS : 1

Q.24. बच्चे के स्कूल की भाषा और घर एवं पड़ोस की भाषा में ..... होना/होनी चाहिए।

(1) जुड़ाव (2) समरूपता (3) समरसता (4) अलगाव

ANS : 2

SACHIN ACADEMY

Q.25. पद्य, गद्य और नाटक हमारी..... संवेदना को धार प्रदान करने के साथ-साथ हमारे जीवन के..... पहलू को समृद्ध करते हैं।

(1) भाषिक, सौन्दर्यात्मक
(2) भाषिक, ज्ञानात्मक
(3) सांस्कृतिक, साहित्यिक
(4) सांस्कृतिक, भौतिक

ANS : 3

Q.26. उच्च प्राथमिक स्तर पर हिन्दी भाषा-शिक्षण का सर्वाधिक सम्बन्ध है

(1) पढ़ी सामग्री के बारे में आलोचनात्मक चिन्तन से

(2) हिन्दी की व्याकरणिक व्यवस्था को जानने से

(3) सृजनात्मक लेखन की अनिवार्यता से

(4) हिन्दी की ध्वनियों को सिखाने से

ANS : 3

Q.27. "बच्चे की भाषा समाज के साथ सम्पर्क का ही परिणाम है।" यह विचार किसका है?

(1) पियाजे
(2) चॉमस्की
(3) स्किनर
(4) वाइगोत्स्की

ANS : 4

Q.28. माधुरी पढ़ते समय कभी-कभी वाक्यों, शब्दों की पुनरावृत्ति करती है। इसका यह भाषायी व्यवहार दर्शाता है कि

(1) वह समझ के साथ पढ़ने की कोशिश कर रही है

(2) वह अटक-अटक कर ही पढ़ सकती है

(3) उसे पढ़ना बिलकुल नहीं आता

(4) वह पढ़ने में ज्यादा समय लेती है

ANS : 1

Q.29. कक्षा में मौजूद बहुभाषिकता

(1) बच्चों को 'लक्ष्य भाषा' सीखने के लिए हतोत्साहित करती है

SACHIN ACADEMY

(2) शिक्षक के लिए एक जटिल और कठोर चुनौती है

(3) भाषा-शिक्षण में बाधक है

(4) भाषा-शिक्षण में एक संसाधन के रूप में प्रयुक्त हो सकती है

ANS : 4

Q.30. सुहेल एक साल पहले असोम से पंजाब आया है। वह हिन्दी भाषा का प्रयोग करते समय त्रुटियाँ करता है। एक शिक्षक के रूप में आप किस कथन को सही मानेंगे?

(1) उसे रोज एक घण्टा हिन्दी भाषा के शब्द बोलने का अभ्यास कराना चाहिए

(2) सुहेल को भाषा प्रयोग के अधिकाधिक अवसर व प्रोत्साहन देना चाहिए

(3) सुहेल को बार-बार उसकी त्रुटियों के बारे में बताना चाहिए

(4) सुहेल की मातृभाषा का प्रभाव लक्ष्य भाषा पर नहीं पड़ने देना चाहिए

ANS : 2

Q.31. उच्च प्राथमिक स्तर पर भाषा-शिक्षण की प्रक्रिया में सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण है

(1) पाठ्य-पुस्तक में दिए गए साहित्यिक अंशों की विस्तृत व्याख्या

(2) पठन-कौशल पर अधिक बल देना

(3) पाठों के शब्दों का अर्थ जानने के लिए शब्दकोश का प्रयोग करना

(4) समाचार-पत्र, पत्रिकाओं या अन्य भाषिक सामग्री में कही गई बात के निहितार्थ, सोच, सरोकार की पहचान करना

ANS : 4

Q.32. उच्च प्राथमिक स्तर पर कहानी, कविता पढ़ने के बाद यह ज़रूरी है कि बच्चे

(1) प्रश्नों के लिखित उत्तर दे सकें

(2) उसे अपने शब्दों में दोहरा सकें

(3) विपरीत भाव की कहानी या कविता लिख सकें

(4) उन्हें अपने अनुभव संसार से जोड़ सकें

SACHIN ACADEMY

ANS : 4

Q.33. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेख-2005 के अनुसार कौन-सा कथन सही है?

(1) भाषा केवल भाषा की कक्षा तक सीमित होनी चाहिए

(2) भाषा-शिक्षण एक प्रकार से अन्य विषयों की कक्षाओं में भी मौजूद रहता है

(3) बच्चे विद्यालय आकर ही भाषा सीखते हैं

(4) प्राथमिक स्तर पर भाषा सीखने-सिखाने में केवल पढ़ने पर बल देना चाहिए

ANS : 2

Q.34. भाषा में आकलन करने के बाद महत्त्वपूर्ण सोपान होना चाहिए

(1) आकलन से प्राप्त आँकड़ों के आधार पर बच्चों के अभिभावकों से विचार-विमर्श करना

(2) आँकड़ों को सहेज कर रखना

(3) आँकड़ों को तत्काल नष्ट करना

(4) आँकड़ों का पुन:-पुनः परीक्षण करना

ANS : 1

Q.35. हिन्दी भाषा के प्रश्न-पत्र में आप किस प्रश्न को सर्वाधिक उचित मानते हैं?

(1) विशेषणों के कितने और कौन-से भेद होते हैं।

(2) प्रत्ययों की परिभाषा लिखिए

(3) सर्वनाम के भेदों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए

(4) लेखक ने पहाड़ों पर होने वाली बारिश का वर्णन एक अलग तरीके से किया है। आप बारिश सम्बन्धी अपना अनुभव लिखिए

ANS : 4

Q.36. विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की भाषा का आकलन करते समय

(1) उन्हें प्रश्न-संख्या में विशेष छूट मिलनी चाहिए

(2) उन्हें अधिक अंक देने का प्रयास करना चाहिए

SACHIN ACADEMY

(3) उनकी क्षमता और सीमाओं का ध्यान रखना चाहिए

(4) उनके प्रति दया भाव रखना चाहिए

ANS : 3

Q.37.'पाठ में ठिठियाकर हँसने लगी' जैसा वाक्य आया है। ठिठियाना शब्द में 'आना' प्रत्यय का प्रयोग हुआ है। 'आना' प्रत्यय से बनने वाले चार सार्थक शब्द लिखिए।' इस प्रश्न का स्वरूप ... को पोषित करता है।

(1) पाठ्य-पुस्तकीय व्याकरण

(2) प्रत्यय के समस्त ज्ञान

(3) सूत्र शैलीय व्याकरण

(4) सन्दर्भ में व्याकरण

ANS : 4

Q.38. 'भाषा की नियमबद्ध प्रकृति को पहचानना और उसका विश्लेषण करना।' उच्च प्राथमिक स्तर पर भाषा शिक्षण का .....।

(1) मुख्य उद्देश्य है

(2) उद्देश्य है

(3) उद्देश्य नहीं है

(4) एकमात्र उद्देश्य है

ANS : 1

Q.39. उच्च प्राथमिक स्तर पर बच्चों के भाषायी आकलन की दृष्टि से सबसे महत्त्वपूर्ण प्रश्न है

(1) नीलकण्ठ की नृत्य-भंगिका को अपने शब्द-चित्र में प्रस्तुत कीजिए

(2) मोर-मोरनी के नाम किस आधार पर रखे गए हैं?

(3) वसंत ऋतु में नीलकण्ठ के लिए जालीघर में बन्द रहना असहनीय क्यों हो जाता था?

(4) लेखिका को नीलकण्ठ की कौन-कौन-सी चेष्टाएँ बहुत भाती थीं?

ANS : 1

Q.40. 'स्त्री को सौन्दर्य का प्रतिमान बना दिया जाना ही उसका बन्धन बन जाता है।' इस विषय पर कक्षा में चर्चा कीजिए। भाषा की पाठ्य-पुस्तक में इस प्रश्न को स्थान देने का क्या औचित्य है?

SACHIN ACADEMY

(1) भाषा को स्त्री विमर्श से जोड़ना (2) सौन्दर्य-प्रतिमान बनाना

(3) स्त्री-बन्धन की चर्चा करना (4) सौन्दर्य प्रसाधनों का विरोध करना

ANS : 3

Q.41. भाषा सीखने में जो त्रुटियाँ होती हैं

(1) उन्हें कठोरता से लेना चाहिए

(2) उन्हें जल्दी से दूर किया जाना चाहिए

(3) वे बच्चों की त्रुटियों की ओर संकेत करती हैं

(4) वे सीखने की प्रक्रिया का स्वाभाविक हिस्सा होती हैं जो समय के साथ दूर होने लगती हैं

ANS : 4

Q.42. 'मैंने चाट खाई और फिर मैंने हँसी।' शर्मिला का यह भाषा-प्रयोग मुख्यत: किस ओर संकेत करता है?

(1) व्याकरणिक नियमों की जानकारी न होना (2) नियमों का अति सामान्यीकरण

(3) भाषा-प्रयोग में असावधानी (4) भाषा की समझ न होना

ANS : 1

Q.43. किसी भाषा कक्षा में कहानी-कथन की आवश्यकता के सन्दर्भ में कौन-सा तर्क उचित नहीं है?

(1) सभी बच्चों को भाषा सुनने का परिवेश मिलता है।

(2) सभी बच्चों की क्षमता को ध्यान में रखते हुए यह उचित नहीं है

(3) बच्चों को शब्द-भण्डार के विकास के अवसर प्राप्त होते हैं

(4) सभी बच्चों की क्षमता अनुसार कल्पना-शक्ति का विकास होता है

ANS : 4

Q.44. भाषा-शिक्षण की कौन-सी विधि मातृभाषा को मध्यस्थ बनाए बिना दूसरी भाषा को सिखाने पर बल देती है?

SACHIN ACADEMY

(1) द्विभाषीय विधि
(2) अनुवाद विधि
(3) व्याकरण एवं अनुवाद विधि
(4) प्रत्यक्ष विधि

ANS : 4

Q.45. भाषा

(1) जानने का अर्थ उसका व्याकरण जानना है

(2) सीखने-सिखाने में पाठ्य-पुस्तकों का विशेष महत्त्व होता है

(3) जीवन की विभिन्न स्थितियों को साधती है

(4) व्याकरण पर ही आधारित होती है

ANS : 3

Q.46. भाषा में सतत और व्यापक मूल्यांकन का उद्देश्य है

(1) केवल बच्चों की कमियाँ जानना

(2) केवल यह जानना कि बच्चों ने कितना सीखा

(3) बच्चों को उत्तीर्ण-अनुत्तीर्ण श्रेणी में रखना

(4) बच्चों द्वारा भाषा सीखने की प्रक्रिया को जानना, समझना

ANS : 4

Q.47. भाषा के आधारभूत कौशल

(1) क्रमबद्ध रूप से चलते हैं
(2) हमेशा अर्जित किए जाते हैं
(3) सर्वथा पृथक् हैं
(4) अन्तःसम्बन्धित होते हैं

ANS : 4

Q.48. स्वाभाविक अभिव्यक्ति, कल्पनाशीलता, कौशल और सोच को विकसित करना

(1) भाषा-शिक्षण को किसी प्रकार की दिशा नहीं देता

(2) भाषा-शिक्षण का एकमात्र उद्देश्य है

SACHIN ACADEMY

(3) भाषा-शिक्षण का उद्देश्य नहीं है

(4) भाषा-शिक्षण का एक महत्त्वपूर्ण उद्देश्य है

ANS : 4

Q.49. भाषा के सम्बन्ध में कौन-सा कथन सही नहीं है?

(1) भारत की भाषिक विविधता एक जटिल चुनौती है

(2) बहुभाषिकता बच्चे की अस्मिता का निर्माण करती है

(3) भाषाएँ आपस में सम्पर्क संवाद करती है

(4) भाषागत विविधता एक समस्या है

ANS : 4

Q.50. भाषा-शिक्षण में पाठ्य-पुस्तकों के अतिरिक्त कौन-सा सबसे कम प्रभावशाली है?

(1) प्रश्नों के उत्तर लिखना

(2) संवाद अदायगी

(3) परिचर्चा करना

(4) घटना-वर्णन करना

ANS : 1

Q.51. पूरक पठन-सामग्री का उददेश्य है

(1) भाषा की नियमबद्धता को सिखाना

(2) शिक्षक की सहायता से बच्चों को पढ़ना सिखाना

(3) द्रत गति से पठन की योग्यता का विकास करना

(4) सहपाठियों की सहायता से पढ़ना सीखना

ANS : 3

Q.52. “भाषा और चिन्तन में सम्बन्ध होता है।" यह कथन

(1) पूर्णतः सही है

(2) आंशिक रूप से सही है

(3) पूर्णत: गलत है

(4) व्यर्थ का है

ANS : 1

SACHIN ACADEMY

Q.53. कक्षा आठ में पढ़ने वाली नन्दिनी लिखते समय वर्तनी की अशुद्धियाँ करती है। भाषा-शिक्षक के रूप में आप अपनी क्या जिम्मेदारी मानते हैं?

(1) नन्दिनी को ऐसे अवसर प्रदान करना कि वह स्वयं उनमें सुधार करे

(2) नन्दिनी की अशुद्धियों को काटकर सही करना और उन्हें बीस-बीस बार लिखवाना

(3) नन्दिनी को समझाना कि वर्तनी की अशुद्धियाँ करने पर उसके अंक कट जाएँगे

(4) नन्दिनी को समझाना कि वर्तनी की शुद्धता ही लेखन का सशक्त पहलू है

ANS : 1

Q.54. किसी रचना के बारे में स्वतन्त्र राय बनाने का आत्मविश्वास विकसित करने के लिए आवश्यक है

(1) कवि और कविता बोध

(2) साहित्य बोध और ऐतिहासिक बोध

(3) साहित्य बोध और छन्द बोध

(4) भाषा बोध और साहित्य बोध

ANS : 4

Q.55. भाषा-शिक्षण की किस विधि में मातृभाषा को मध्यस्थ नहीं रखा जाता?

(1) व्याकरण विधि (2) सूत्र विधि (3) अनुवाद विधि (4) प्रत्यक्ष विधि

ANS : 4

Q.56. उच्च प्राथमिक स्तर पर हिन्दी भाषा में अभिव्यक्ति परखने के लिए आप किस प्रश्न को सर्वाधिक महत्वपूर्ण समझते हैं?

(1) 'लोकगीत संस्कृति के परिचायक होते हैं' इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(2) 'आँखों पर पर्दा पड़ना' मुहावरे का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

(3) सेना ने पार्क को क्यों घेर लिया था?

(4) लेखक ने ऐसा क्यों कहा कि ताजा बर्फ धोखा देने वाला होता है?

ANS : 2

SACHIN ACADEMY

Q.57. “बच्चे अपने चारों ओर लिखित सामग्री का जितना उपयोग होते देखेंगे उतनी ही लिखित भाषा के प्रति उनकी समझ सहज रूप से बनती चली जाएगी।"

उपरोक्त कथन का निहितार्थ है

(1) बच्चों की पाठ्य-पुस्तकों में बहुत-से पाठ होने चाहिए

(2) बच्चों को अपने इर्द-गिर्द विज्ञापन, होर्डिंग्स, कलेण्डर, बाल-साहित्य, सूचियाँ आदि देखने-पढ़ने के अवसर मिलते रहने चाहिए

(3) बच्चों को गृहकार्य में लेखन-सम्बन्धी कार्य ही देना चाहिए

(4) बच्चों को श्यामपट्ट पर लिखे हुए तथ्य अपनी कॉपी में लिखने के अधिकाधिक अवसर देने चाहिए

ANS : 2

Q.58. मुहावरे और लोकोक्तियाँ सीखने-सिखाने का एक महत्त्वपूर्ण उद्देश्य है

(1) मुहावरे एवं लोकोक्तियों का सुचिन्तित प्रयोग करना

(2) मुहावरे एवं लोकोक्तियों का निर्माण करना

(3) मुहावरे एवं लोकोक्तियों का अर्थ बताना

(4) कोश से मुहावरा एवं लोकोक्ति का अर्थ देखना

ANS : 1

Q.59. भोजपूरीभाषी मोना 'श' को 'स' और 'र' को 'ड' बोलती है ।

इसका सर्वाधिक सम्भावित कारण है

(1) मातृभाषा से प्रेम

(2) उच्चारणगत त्रुटि

(3) हिन्दी भाषा की कठिनता

(4) मातृभाषा का व्याघात

ANS : 4

Q.60. उच्च प्राथमिक स्तर पर बच्चों की भाषायी क्षमताओं का आकलन करने के लिए सर्वाधिक उपयोगी है

SACHIN ACADEMY

(1) पाठान्त प्रश्नों के उत्तर लिखवाना (2) पाठ के व्याकरण की जाँच-परख करना

(3) पाठ की विषय-वस्तु को लिखवाना (4) पाठ में आई कहानी को आगे बढ़वाना

ANS : 4

Q.61. "कविता का एक निश्चित अर्थ होता है, जिसे सभी विद्यार्थियों को पढ़ाना चाहिए"-इस कथन के बारे में आप मानते हैं कि

(1) सभी विद्यार्थी अपने अनुभव और परिवेश में ही कविता समझते हैं

(2) कवि ने कविता एक अर्थ में लिखी, जिसे हर विद्यार्थी को समझना चाहिए

(3) अलग-अलग अर्थ समझने से पढ़ने की प्रक्रिया बाधित होती है

(4) किसी कविता को एक निश्चित अर्थ के साथ पढ़ना चाहिए

ANS : 2

Q.62. हिन्दी के पाठों में अन्य भाषाओं के शब्दों के होने का अर्थ है

(1) पाठ समाज के बहुभाषी स्वरूप की सहज प्रस्तुति है

(2) पाठ कठिन और अस्पष्ट है

(3) विद्यार्थियों को शुद्ध भाषा नहीं सिखाई जा रही

(4) पाठ का लेखक हिन्दी नहीं जानता।

ANS : 1

Q.63. भाषा केवल अभिव्यक्ति का माध्यम ही नहीं, बल्कि स्वयं से ....." का माध्यम है।

(1) पढ़ने (2) बातचीत (3) सुनने (4) लिखने

ANS : 2

Q.64. एक भाषा के अध्यापक को बच्चों में

(1) आलंकारिक भाषा प्रयोग की समझ विकसित करने पर बल देना चाहिए

(2) विविध सन्दर्भो में भाषा-प्रयोगों की क्षमता विकसित करने पर बल देना चाहिए

(3) शुद्ध भषा प्रयोग की क्षमता विकसित करने पर बल देना चाहिए

SACHIN ACADEMY

(4) भाषा सिद्धान्तों की समझ विकसित करने पर बल देना चाहिए

ANS : 2

Q.65. 'ज्ञान से सम्बन्धित अन्य विषयों की समझ का विकास तथा उससे आनन्द उठाने की क्षमता का विकास' उच्च प्राथमिक स्तर पर भाषा सीखने का

(1) एकमात्र उद्देश्य है
(2) एक महत्त्वपूर्ण उद्देश्य है
(3) सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण उद्देश्य है
(4) सबसे कम महत्त्वपूर्ण उद्देश्य है

ANS : 2

Q.66. भाषा के संदर्भ में संचार माध्यमों का प्रयोग न केवल सामाजिक संवेदनाएँ विकसित करता है बल्कि _____ को समझने में मदद करता है।

(1) विभिन्न माध्यमों के उपयोग
(2) विभिन्न माध्यमों की आर्थिक स्थिति
(3) विभिन्न माध्यमों की जानकारी
(4) विभिन्न माध्यमों में प्रयुक्त भाषा

ANS : 4

Q.67. सातवीं कक्षा में पढ़ाने वाले ऋषभ ने बच्चों को जल संरक्षण' पर आधारित सरकार द्वारा जारी पोस्टर दिखाया और चर्चा की । ऋषभ द्वारा प्रयुक्त सामग्री है

(1) कृत्रिम
(2) प्रामाणिक
(3) अनुपयोगी
(4) मनोरंजक

ANS : 2

Q.68. भाषण, परिचर्चा, संवाद, बच्चों की_____ क्षमता का विकास करने में सहायक हैं ।

(1) कल्पनाशीलता
(2) अनुकरण
(3) लिखित अभिव्यक्ति
(4) मौखिक अभिव्यक्ति

ANS : 4

Q.69. गणित, विज्ञान आदि विषयों की कक्षाओं में भी बच्चे भाषा सीखते हैं। यह विचार

(1) पूर्णतः सत्य है
(2) पूर्णत: असत्य है
(3) आंशिक रूप से सत्य है
(4) निराधार है

ANS : 1

SACHIN ACADEMY

Q.70. द्वितीय भाषा की पाठ्यचर्या का एक लक्ष्य है-प्राकृतिक भाषा ज्ञान में अर्जित दक्षता के अनुरूप .....दक्षता प्राप्त करना।

(1) उच्च (2) सर्वोच्च (3) औसत (4) बुनियादी

ANS : 4

Q.71. त्रिभाषा-फार्मूला भारत की _____ की चनौतियों और _____ को सम्बोधित करने का प्रयास है।

(1) संस्कृति, समाधानों (2) समस्याओं, अवसरों

(3) भाषा-स्थिति, संस्कृति (4) भाषा-स्थिति, अवसरों

ANS : 3

Q.72. सुनी, पढ़ी और समझी हुई भाषा को सहज और स्वाभाविक लेखन द्वारा अभिव्यक्त करने की क्षमता का विकास करने में निम्नलिखित में से कौन सहायक है?

(1) सुनी, देखी, पढ़ी घटना को अपने शब्दों में लिखित रूप में अभिव्यक्त करना

(2) 'मेरा प्रिय विद्यालय' विषय पर निबन्ध लिखना

(3) औपचारिक पत्र-लेखन

(4) किसी पढ़ी हुई कहानी को संक्षेप में लिखना

ANS : 1

Q.73. उच्च प्राथमिक स्तर पर व्याकरण-शिक्षण की सर्वाधिक उचित विधि है

(1) भाषा-संसर्ग विधि (2) सूत्र विधि (3) निगमन विधि (4) आगमन विधि

ANS : 4

Q.74. कक्षा आठ के बच्चों के लिए साहित्य का चयन करते समय आपके लिए क्या जानना सर्वाधिक जरूरी है?

(1) बच्चों के भाषा प्रयोग का स्तर

(2) अच्छे साहित्य के प्रकाशक, लेखक

SACHIN ACADEMY

(3) बच्चों की भाषिक पृष्ठभूमि

(4) बच्चों की मनोवैज्ञानिक विशेषताएँ और भाषा-प्रयोग की क्षमता

ANS : 4

Q.75. किस साहित्यिक विधा को पढ़ाते समय आप सस्वर पठन पर अनिवार्यत: बल देंगे?

(1) आत्मकथा (2) एकांकी (3) जीवनी (4) यात्रा-वृत्तान्त

ANS : 2

Q.76. जो बच्चे विशेष रूप से पढ़ने में कठिनाई महसूस करते हैं, वे

(1) डिस्ग्राफिया से ग्रस्त होते हैं

(2) मन्दबुद्धि होते हैं

(3) डिस्लेक्सिया से ग्रस्त होते हैं

(4) सीखने में अक्षम होते हैं

ANS : 3

Q.77. उच्च प्राथमिक स्तर पर भाषा सीखने को प्रभावित करता है

(1) बच्चों द्वारा किया जाने वाला सुलेख

(2) शिक्षक का भाषा-शिक्षण सम्बन्धी रवैया

(3) शिक्षक द्वारा ली गई लिखित परीक्षा

(4) भाषा सम्बन्धी गृहकार्य

ANS : 2

Q.78. उच्च प्राथमिक स्तर पर हिन्दी भाषा की समावेशी कक्षा का स्वरूप निर्धारित करने में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है

(1) अभ्यास कार्य (2) शिक्षण प्रक्रिया (3) आकलन (4) पाठ्य-पुस्तक

ANS : 2

Q.79. व्याकरण की समझ को सन्दर्भपरक प्रश्नों के माध्यम से आँकना

(1) पूर्णत: उचित है

(2) आंशिक रूप से उचित है

(3) पूर्णत: असम्भव है

(4) बिल्कुल अनुचित है

SACHIN ACADEMY

ANS : 1

Q.80. भाषा की पाठ्य-पुस्तक में एक पाठ एकांकी के रूप में है, आप

(1) एकांकी में आए पात्रों के संवाद याद करवाएंगी

(2) शिक्षार्थियों से एकांकी पढ़वाने के बाद उसका मंचन करवाएँगी

(3) एकांकी के मुख्य संवाद लिखवाएँगी

(4) हाव-भाव के साथ एकांकी पढ़कर सुनाएँगी

ANS : 4

Q.81. कोई एक भाषा ....." लिपि/लिपियों में लिखी जा सकती है, हाँ, उसमें थोड़ा फेरबदल हो सकता है।

(1) तीन (2) सभी (3) सीमित (4) एक

ANS : 2

Q.82. भाषा नियमों द्वारा नियन्त्रित .....का माध्यम भर नहीं है, बल्कि यह हमारी सोच को भी निर्मित करती है।

(1) सौन्दर्यबोध (2) संस्कृति (3) सम्प्रेषण (4) कला

ANS : 3

Q.83. भाषा अर्जित करने की स्थिति में बच्चे

(1) भाषिक नियमों को स्वाभाविक रूप से रटते हैं

(2) कभी कोई त्रुटि नहीं करते

(3) अधिकतर त्रुटियाँ ही करते हैं

(4) भाषिक नियमों को स्वाभाविक रूप से ग्रहण करते हैं

ANS : 4

Q.84. 'उसने पढ़ा।', 'उसने खाया।' और 'उसने चीखा।'

जैसे-भाषा-प्रयोग दर्शाते हैं

SACHIN ACADEMY

(1) नियम का उल्लंघन

(2) सन्दर्भ की समझ न होना

(3) नियम कण्ठस्थ न होना

(4) नियमों का अति सामान्यीकरण

ANS : 4

Q.85. द्वितीय भाषा के रूप में हिन्दी सीखने का मुख्य उद्देश्य है

(1) मानक हिन्दी लिखने में निपुणता प्राप्त करना

(2) हिन्दी और अपनी मातृभाषा के अन्तर को कण्ठस्थ करना

(3) हिन्दी के व्याकरण पर अधिकार प्राप्त करना

(4) दैनिक जीवन में हिन्दी में समझने तथा बोलने की क्षमता का विकास करना

ANS : 4

Q.86. भाषा के सन्दर्भ में निदानात्मक परीक्षण का उद्देश्य के

(1) बच्चों हेतु भाषा-प्रयोग के अवसर जुटाना

(2) बच्चों को अगली कक्षा में प्रोन्नत करना

(3) बच्चों को विभिन्न श्रेणियों में विभक्त करना

(4) बच्चों की भाषा प्रयोग सम्बन्धी कठिनाइयों के सम्भावित कारणों की पहचान करना

ANS : 4

Q.87. भाषा-अर्जन

(1) शिक्षक की आवश्यक उपस्थिति की माँग करता है

(2) भाषा की कक्षा में ही सम्भव है

(3) सहज, स्वाभाविक होता है

(4) प्रयासपूर्ण होता है

ANS : 3

Q.88. प्लेटो का यह कथन कि 'बच्चा बड़ों के बीच एक विदेशी की तरह होता है' किस भाषिक सच्चाई की ओर संकेत करता है?

SACHIN ACADEMY

(1) बच्चे अपनी भाषा में बोलते हैं, जिसे बड़े सही-सही नहीं समझ पाते

(2) बच्चा बड़ों से उम्र में छोटा होने के कारण अजनबी बना रहता है

(3) बच्चों की भाषा अपरिपक्व होती है

(4) बच्चों की भाषा के प्रति बड़ों का दृष्टिकोण संकीर्णता से परिपूर्ण होता है

ANS : 1

Q.89. भाषा-कौशलों के सन्दर्भ में कौन-सा कथन सही है?

(1) सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना एक क्रम से सीखे जाते हैं

(2) सुनना और पढ़ना निष्क्रिय कौशल हैं

(3) पढ़ना और लिखना कौशल में कोई सम्बन्ध नहीं है

(4) सभी कौशल एक-दूसरे के साथ अन्त:सम्बन्धित होते हैं

ANS : 4

Q.90. विद्यालय में एक से अधिक भाषाओं का शिक्षण

(1) जटिल समस्याएँ उत्पन्न करता है

(2) अनेक भाषाओं के शिक्षकों के रोजगार को बढ़ावा देता है

(3) बहुभाषिकता और राष्ट्रीय सद्भाव का प्रसार करता है

(4) व्यावहारिक नहीं है

ANS : 3

Q.91. चॉम्स्की के अनुसार ..... के कारण बच्चे भाषा सीखने

(1) भाषायी समाज (2) भाषा-अर्जन क्षमता

(3) भाषा-आकलन क्षमता (4) व्याकरणिक नियमों की जानकारी से ही

ANS : 1

Q.92. उच्च प्राथमिक स्तर पर ... परिचित कराने की प्रक्रिया पर बल दिया जाता है।

(1) साहित्यिक विधाओं से (2) पठन प्रक्रिया से

SACHIN ACADEMY

(3) लेखन प्रक्रिया से (4) अलंकार व छन्द से

ANS : 1

Q.93. उच्च प्राथमिक स्तर पर बच्चों के भाषा-विकास के लिए ज़रूरी है कि ..... समृद्धि का भाषा ..... व अन्य विषयगत शिक्षण युक्ति में उपयोग किया जाए।

(1) परिवेश, भाषिक (2) साहित्य, कला

(3) कलात्मक, साहित्य (4) भाषिक, साहित्य

ANS : 4

Q.94. भाषा अर्जित करने के सन्दर्भ में ..... सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है।

(1) विद्यालयी परीक्षा-प्रक्रिया (2) भाषिक पठन-सामग्री

(3) समृद्ध भाषा-परिवेश (4) संचार माध्यमों का अधिक प्रयोग

ANS : 3

Q.95. भाषा सीखने और भाषा अर्जित करने में मुख्य अन्तर का आधार नहीं है

(1) व्याकरण (2) भाषायी परिवेश (3) स्वाभाविकता (4) सहजता

ANS : 1

Q.96. 'पढ़ना' कौशल में सबसे ज्यादा महत्त्वपूर्ण है

(1) शब्दों-वाक्यों को शुद्ध रूप से उच्चरित करना (2) केवल अक्षर पहचान

(3) तेज गति से पढ़ना (4) सन्दर्भानुसार अर्थ ग्रहण करना

ANS : 4

Q.97. लिखित कार्य की जाँच में बच्चों की सहायता लेने से

(1) केवल पठन-कौशल का अभ्यास होता है

(2) बच्चे ज्यादा ग़लतियाँ ढूँढ़ना सीख जाते हैं

(3) बच्चों को दूसरों के हस्तलिखित सामग्री को पढ़ने का अवसर और अवलोकन-क्षमता के विकास का अवसर मिलता है

SACHIN ACADEMY

(4) बच्चे दूसरों के विचारों से परिचित होते हैं

ANS : 3

Q.98. एल.एस. वाइगोत्स्की के अनुसार

(1) भाषा चिन्तन को निर्धारित करती है

(2) चिन्तन भाषा को निर्धारित करता है

(3) भाषा एवं चिन्तन एक-दूसरे से स्वतन्त्र रूप से विकसित होते हैं

(4) भाषा एक अर्जित योग्यता है

ANS : 4

Q.99. भाषा-शिक्षण का सम्प्रेषणपरक उपागम

(1) भाषिक संरचनाओं की जानकारी पर बल देता है

(2) सन्दर्भ में भाषा-प्रयोग की कुशलता पर बल देता है

(3) मातृभाषा-प्रयोग का निषेध करता है

(4) 'बोलना' कौशल पर बल देता है

ANS : 2

Q.100. भाषा की कक्षा में समाचार-पत्र-पत्रिकाओं का उपयोग यह सुनिश्चित करता है कि

(1) शिक्षण-सामग्री का उपयोग हो रहा है

(2) बच्चों की भाषा पर समाचार-पत्र-पत्रिकाओं का प्रभाव पड़े

(3) बच्चों को मुख्य शीर्षक याद है

(4) बच्चे प्रमाणित लेख, समाचार आदि पर अपनी प्रतिक्रिया देने की क्षमता रखते हैं

ANS : 4

Q.101. सस्वर पठन का मुख्य उद्देश्य है

(1) मौन पठन करना

(2) बच्चों की पढ़ने-सम्बन्धी झिझक को समाप्त करना

(3) बोल-बोलकर पढ़ना

(4) द्रुत गति से पठन करना

SACHIN ACADEMY

ANS : 2

Q.102. शिक्षक की स्वयं की भाषा-प्रयोग की कुशलता है

(1) बच्चों के भाषा-प्रयोग के लिए आदर्श रूप प्रस्तुत करती है

(2) बच्चों के भाषा-प्रयोग पर कोई प्रभाव नहीं डालती

(3) बच्चों को आलंकारिक भाषा-प्रयोग के लिए प्रेरित करती है

(4) बच्चों को भाषा का अनुकरण करने के लिए बाध्य करती है

ANS : 1

Q.103. मौखिक भाषा के आकलन का सर्वोत्तम तरीका है

(1) किताब पढ़ना

(2) अन्त्याक्षरी

(3) प्रश्नों के तयशुदा उत्तर देना

(4) अनुभव बॉटना व बातचीत

ANS : 4

Q.104. नेहा अपनी बात कहते समय अपनी मातृभाषा के शब्दों का प्रयोग करती है। आप क्या करेंगे?

(1) लक्ष्य भाषा के शब्द का प्रयोग करते हुए सहजता से उसके वाक्य को दोहराएँगे

(2) उसे डांटेंगे कि वह अपनी भाषा के शब्दों का प्रयोग न करें

(3) उसे बताएंगे कि किसी शब्द विशेष को क्या कहते हैं

(4) उसे बताएँगे कि ये शब्द गलत हैं

ANS : 1

Q.105. “हर व्यक्ति को मैंने ही सच्चाई दिखाई।" वाक्य पर चर्चा करने का उद्देश्य है

(1) बच्चों को संज्ञा के प्रयोग का ज्ञान कराना

(2) बच्चों को सर्वनाम के प्रयोग का ज्ञान कराना

(3) बच्चों को क्रिया के प्रयोग का ज्ञान कराना

(4) बच्चों को भाषा की नियमबद्ध प्रकृति की पहचान और उसका विश्लेषण करना सिखाना

SACHIN ACADEMY

ANS : 4

Q.106. हिन्दी भाषा के प्रश्न-पत्र में आप किस सवाल को सबसे बेहतर मानते हैं?

(1) संज्ञा की परिभाषा बताइए

(2) लाल बहादुर शास्त्री के बचपन का क्या नाम था?

(3) बाबा भारती क्यों उदास थे?

(4) अगर आप बाबा भारती की जगह होते तो क्या करते?

ANS : 4

Q.107. अन्त:वाक् की संकल्पना किससे सम्बद्ध है?

(1) चॉम्स्की से (2) वाइगोत्स्की से (3) पैवलॉव से (4) स्किनर से

ANS : 2

Q.108. उच्च प्राथमिक स्तर पर मुहावरे -लोकोक्तियों के शिक्षण के सम्बन्ध में आपके लिए सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है

(1) मुहावरे-लोकोक्तियों का वाक्यों में प्रयोग करना

(2) अधिक-से-अधिक मुहावरे-लोकोक्तियों के प्रयोग द्वारा भाषा को आलंकारिक बनाना

(3) सन्दर्भानुसार मुहावरे-लोकोक्तियों के प्रयोगों को समझना और उनका प्रयोग करना

(4) मुहावरे-लोकोक्तियों का अर्थ समझाने का प्रयत्न

ANS : 3

Q.109. बच्चों के लिए अतिरिक्त पठन सामग्री क्यों विकसित की जाती है?

(1) पढ़ने में रुचि जगाने एवं भाषा ज्ञान में वृद्धि के लिए

(2) पढ़ने में रुचि जगाने एवं सामान्य ज्ञान में वृद्धि के लिए

(3) भाषा ज्ञान बढ़ाने एवं साहित्यकारों में रुचि जगाने के लिए

(4) भाषा ज्ञान बढ़ाने और सामान्य ज्ञान में रुचि जगाने के लिए

ANS : 1

SACHIN ACADEMY

Q.110. भाषा-शिक्षण के सन्दर्भ में किसी शिक्षक के लिए सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है

(1) पाठ्यचर्या सहगामी क्रियाओं का आयोजन करना

(2) भाषा प्रयोग के अधिक अवसर प्रदान करना

(3) निर्धारित पाठ्यक्रम को पूरा करना

(4) परीक्षा का आयोजन करना

ANS : 2

Q.111. साहित्य की किस विधा के शिक्षण में सस्वर पठन सर्वाधिक अपेक्षित है?

(1) आत्मकथा (2) संस्मरण (3) एकांकी (4) जीवनी

ANS : 3

Q.112. 'भाषा अर्जन' के बारे में कौन-सा कथन सही है?

(1) यह सहज होता है (2) यह परिवार में ही होता है

(3) यह कठिन होता है (4) यह विद्यालय में ही होता है

ANS : 1

Q.113. निम्नलिखित में से किस प्रकार के प्रश्न बच्चों की भाषागत रचनात्मकता का आकलन करने में सर्वाधिक रूप से उपयुवा होंगे?

(1) मुक्त अन्त वाले प्रश्न (2) बहुविकल्पीय प्रश्न

(3) एक शब्द में उत्तर वाले प्रश्न (4) 'सही कथन पर निशान लगाओ' वाले प्रश्न

ANS : 1

Q.114. कक्षा III की शिक्षिका अपने विद्यार्थियों को पाठ्य-पस्तक से इतर भिन्न- भिन्न प्रकार के बाल-साहित्य पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करती है, क्योंकि वह चाहती है कि बच्चे

(1) विभिन्न बाल-साहित्यकारों के नाम जान सकें

(2) तरह-तरह की विधाओं से परिचित हो सकें

(3) अपनी-पठन-क्षमता बढ़ा सके

SACHIN ACADEMY

(4) बाल-साहित्य के प्रकाशकों के बारे में जान सकें

ANS : 3

Q.115. कहानियों की विभिन्न शैलियों पर की गई चर्चा बच्चों को_____में मदद करती है।

(1) कहानी के तत्त्वों को याद करने
(2) कहानियों की कमियाँ बताने
(3) व्याकरण समझने
(4) कहानियाँ रचने

ANS : 4

Q.116. कविता-शिक्षण के समय शिक्षक द्वारा ऐसे प्रश्नोत्तर पर बल देना चाहिए

(1) जिनका एक ही उत्तर हो।
(2) जिनका उत्तर पुस्तक में दिया हो।
(3) जिनके उत्तर सरल हों।
(4) जिनके उत्तर विभिन्न हों।

ANS : 4

Q.117. गद्य रचना को पद्य में रूपांतरित करना और पद्य को गद्य में रूपांतरित करना_____में मदद करता

(1) भाषायी संरचनाओं पर अधिकार
(2) भाषा-व्याकरण पर अधिकार
(3) साहित्य के सर्वोत्कृष्ट सृजन
(4) अभ्यास-प्रश्नों को गढ़ने

ANS : 1

Q.118. आप मानते हैं कि अलग-अलग तरह की सामग्री पढ़ने के अवसर मिलने से

(1) व्याकरण-सम्मत भाषा लिखने को मिलती है
(2) किताबों के बारे में जानकारी मिलती है
(3) लेखकों के बारे में जानकारी मिलती है।
(4) भाषा को विविध सन्दर्भो में प्रयोग करने की समझ विकसित होती है

ANS : 4

Q.119. आपकी दृष्टि में अभ्यास

(1) बच्चों को तार्किक बनाते हैं
(2) बच्चों को भाषा के बारे में बताते है

SACHIN ACADEMY

(3) बच्चों को उत्तर देना सिखाते हैं (4) पाठ को समझने में मदद करते हैं

ANS : 1

Q.120. “लड़के होकर रोते हो'–यह कथन

(1) भाषा को अध्यापकों की दृष्टि से पढ़ने को बाध्य होता है

(2) भाषा को जेण्डर की दृष्टि से पढ़ने को बाध्य करता है

(3) भाषा को व्याकरण की दृष्टि से पढ़ने को बाध्य करता है

(4) भाषा को बच्चों की दृष्टि से पढ़ने को बाध्य करता है

ANS : 2

Q.121. पढ़ने का अर्थ है

(1) पढ़कर समझना (2) वर्णमाला का ज्ञान

(3) वाक्यों को पढ़ना (4) शब्दों को पढ़ना

ANS : 1

Q.122. उच्च प्राथमिक स्तर पर पाठ्य-पुस्तकों में हिन्दीतर भाषा को ही जगह मिलनी चाहिए, ताकि बच्चे

(1) भाषा की विभिन्न रंगतों से परिचित हो सकें

(2) हिन्दीतर भाषी साहित्यकारों से परिचित हो सकें

(3) सामाजिक संस्कृति से परिचित हो सकें

(4) उपरोक्त सभी

ANS : 4

Q.123. भाषा के विभिन्न कौशलों को ..... रूप में पढ़ाने की अनुशंसा की जाती है।

(1) क्रमिक (2) एकीकृत (3) उच्च (4) निम्न

ANS : 2

SACHIN ACADEMY

Q.124. लिखने की क्षमता का विकास बोलने, सनने और पढ़ने की क्षमता की संगति में होना चाहिए। यह विचार इस प्रश्न का हल नहीं है।

(1) पूर्णत: असत्य है
(2) पूर्णत: सत्य है।
(3) आंशिक रूप से सत्य है
(4) पूर्णत: निराधार है

ANS : 3

Q.125. भाषा के सन्दर्भ में स्कूली जीवन का यह उच्च प्राथमिक चरण .... , ... और .....' बोध के विकास की दृष्टि से अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है।

(1) साहित्य, सराहना, सामाजिक
(2) सौन्दर्य बोध, साहित्य बोध, सामाजिक-राजनैतिक
(3) भाषा, साहित्य, ऐतिहासिक
(4) साहित्य बोध, सराहना बोध, ऐतिहासिक

ANS : 2

Q.126. बच्चों का भाषायी विकास सर्वाधिक रूप से निर्भर करता है

(1) आकलन की औपचारिकता पर
(2) संचार माध्यमों पर
(3) पाठ्य-पुस्तक पर
(4) समृद्ध भाषा-परिवेश पर

ANS : 4

Q.127. नाटक, सिनेमा, परिचर्चा, वाद-विवाद आदि बच्चों की ..... व स्वाभाविक, ... एवं ..... प्रतिक्रिया व्यक्त करने की क्षमता का विकास करने में मदद करते हैं।

(1) स्वतन्त्र, मौखिक, लिखित
(2) स्वतन्त्र, प्रभावी, संस्कृतनिष्ठ
(3) मानक, सहज, प्रभावी
(4) मानक, प्रभावी, संस्कृतनिष्ठ

ANS : 1

Q.128. हिन्दी भाषा शिक्षक के रूप में आप किसे सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण मानते हैं?

(1) बच्चों की लेखन-क्षमता का विकास करना

SACHIN ACADEMY

(2) बच्चों को विभिन्न सन्दर्भो में भाषा प्रयोग सिखाना

(3) बच्चों की मौखिक अभिव्यक्ति की क्षमता का विकास करना

(4) बच्चों को व्याकरण के नियम सिखाना

ANS : 2

Q.129. उच्च प्राथमिक स्तर पर हिन्दी भाषा-शिक्षण के लिए क्या अपेक्षित नहीं है?

(1) स्वाध्यायशीलता का विकास

(2) सुनकर शब्दश: दोहराने की क्षमता का विकास

(3) भाषा-प्रयोग की क्षमता का विकास

(4) चिन्तनशीलता का विकास

ANS : 2

Q.130. उच्च प्राथमिक स्तर पर बच्चों की मौखिक अभिव्यक्ति का सतत आकलन करने के लिए सर्वाधिक उचित तरीका है

(1) प्रश्न पूछना (2) प्रतिक्रिया व्यक्त करना (3) परिचर्चा (4) ये सभी

ANS : 4

Q.131. लिखना एवं पढ़ना सीखने के सन्दर्भ में कौन-सा कथन सबसे उपयुक्त है?

(1) पढ़ना सीखने की तुलना में लिखना सीखना जटिल है

(2) लिखना सीखने की तुलना में पढ़ना सीखना जटिल है

(3) दोनों कौशल एक-एक करके सीखे जाते हैं ।

(4) लिखना और पढ़ना सीखना समान रूप से अन्त:सम्बन्धित हैं

ANS : 4

Q.132. वाणी और लेखन में मूल अन्तर यह है कि लिखित भाषा..... स्तर पर देखी जाती है और..... होती है।

(1) चेतन, स्वाभाविक (2) अचेतन, स्वाभाविक

SACHIN ACADEMY

(3) अचेतन, कालबद्ध (4) सचेतन, कालबद्ध

ANS : 4

Q.133. पूनम अपने विद्यार्थियों को पढ़ाते समय दृश्य-श्रव्य सामग्री का प्रयोग करती है। इसका प्रमुख कारण है कि वह कक्षा के

(1) सभी बच्चों की आवश्यकताओं को सम्बोधित करती है

(2) सभी बच्चों को नियन्त्रण में रखती है।

(3) सभी बच्चों की रुचि का ध्यान रखती है

(4) सभी बच्चों का मनोरंजन करती है

ANS : 3

Q.134. रमेश सातवीं कक्षा में पढ़ता है। वह सामान्य बातचीत में ठीक है, लेकिन पढ़ते समय वह बार-बार अटकता है। वह सम्भवत: ..... से ग्रस्त है।

(1) डिस्कैल्कुलिया (2) डिस्ग्राफिया (3) डिस्लेक्सिया (4) डिस्फेजिया

ANS : 3

Q.135. व्याकरण-शिक्षण के सन्दर्भ में कौन-सा कथन सही है?

(1) व्याकरण-शिक्षण के लिए समय-सारणी में अलग से काव्यांशों की व्यवस्था होनी चाहिए

(2) भाषा-प्रयोग की अपेक्षा भाषा-नियमों को ही महत्त्व देना चाहिए

(3) बच्चे परिवेश में उपलब्ध भाषिक प्रयोगों के आधार पर स्वयं भाषा के नियम बनाने की क्षमता रखते हैं

(4) व्याकरण-शिक्षण अत्यन्त आवश्यक है

ANS : 3

Q.136. निम्नलिखित में से कौन-सा उच्च प्राथमिक स्तर पर भाषा शिक्षण का उद्देश्य नहीं है?

(1) सही रूप में समझना

(2) व्याकरण के नियमों को रटना

SACHIN ACADEMY

(3) निजी अनुभवों के आधार पर भाषा का सृजनशील प्रयोग

(4) दूसरों के अनुभवों से जुड़ पाना और सन्दर्भो में चीजों को समझना

ANS : 2

Q.137. भाषा के सतत और व्यापक मूल्यांकन का उद्देश्य है

(1) बच्चों की सीखने की प्रक्रिया को समझकर उपयुक्त शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया अपनाना

(2) अगली कक्षा में प्रोन्नत करने हेतु साक्ष्य जुटाना

(3) बच्चों की त्रुटियों की पहचान करना

(4) मूल्यांकन की परम्परा का निर्वाह करना

ANS : 1

Q.138. 'भाषा की कक्षा में कहानियाँ

(1) मनोरंजन का साधन हैं

(2) पाठ्य-पुस्तक का एक पाठ हैं

(3) विभिन्न प्रकार की भाषायी संरचनाएँ और चिन्तन-विकास की सम्भावनाएँ लिए होती हैं

(4) भाषा-कौशल के विकास का एकमात्र साधन है

ANS : 3

Q.139. उच्च प्राथमिक स्तर पर भाषा की पाठ्य-पुस्तक में विविध प्रकार की साहित्यिक रचनाओं के समावेश का मुख्य उद्देश्य यह है

(1) बच्चों को सभी प्रकार की साहित्यिक विधाओं में पारंगत करना

(2) विभिन्न प्रकार की साहित्यिक विधाओं की भाषायी संरचनाओं से परिचित होने का अवसर देना

(3) विभिन्न साहित्यिक विधाओं के प्रसिद्ध रचनाकारों से परिचित कराना

(4) पाठ्य-पुस्तक निर्माण की परम्परा का निर्वाह करना

ANS : 2

SACHIN ACADEMY

Q.140. भाषा-शिक्षण की 'प्रत्यक्ष विधि' में

(1) मातृभाषा का निरर्थक हस्तक्षेप होता है

(2) भाषा-अर्जन की स्वाभाविक स्थिति का निर्माण होता है

(3) अतिरिक्त शिक्षण सामग्री की कोई आवश्यकता नहीं

(4) भाषा की विविध संरचनाओं के लेखन हेतु अभ्यास पर बल दिया जाता है

ANS : 2

Q.141. भाषा-शिक्षण में अनिवार्य है

(1) मानक भाषा पर बल

(2) समग्रतावादी दृष्टिकोण

(3) विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के साथ भिन्न व्यवहार

(4) वर्तनी सम्बन्धी गृहकार्य ।

ANS : 1

Q.142. उच्च प्राथमिक स्तर पर व्याकरण सिखाने की किस विधि को आप सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण एवं उपयोगी पाते हैं?

(1) अनुवाद विधि

(2) आगमन विधि

(3) निगमन विधि

(4) पाठ्य-पुस्तकीय विधि

ANS : 2

Q.143. 'उच्च प्राथमिक स्तर की हिन्दी भाषा की पाठ्य-पुस्तकों में हिन्दीतर भाषा को भी जगह मिलनी चाहिए।' इस कथन का औचित्य नहीं है

(1) हिन्दीतर भाषाओं के माध्यम से संवेदनाओं को विस्तार देना

(2) हिन्दीतर भाषियों के आक्रोश को शान्त करना

(3) हिन्दीतर भाषा के साहित्य से परिचित कराना

(4) हिन्दीतर भाषाओं की रचना-शैलियों से परिचित कराना

SACHIN ACADEMY

ANS : 2

Q.144. बहुभाषिक कक्षा में बच्चों की भाषाओं को स्थान देने के लिए आवश्यक है कि

(1) शिक्षक बच्चों की मातृभाषाओं में गीत-कविता सुने

(2) शिक्षक बच्चों की भाषाओं का ही प्रयोग करे

(3) शिक्षक बच्चों को उनकी भाषाओं में ही व्यवहार करने के लिए कहे

(4) शिक्षक बच्चों के मातृभाषा-प्रयोग को स्वीकार करें

ANS : 4

Q.145. सुलेखा ने पाठ को पढ़ते हुए 'जीवन' को 'जिन्दगी' पढ़ा।

यह इस ओर संकेत करता है कि

(1) उसे अक्षरों की पहचान में भ्रम हो जाता है

(2) उसे केवल पठन-अभ्यास की बहुत आवश्यकता है

(3) सुलेखा ध्यान से नहीं पढ़ती

(4) वह अक्षर-पहचान की बजाय अर्थ को समझते हुए पढ़ रही है।

ANS : 4

Q.146. लोकगीतों को भाषा की कक्षाओं में स्थान दिया जाना चाहिए, क्योंकि

(1) लोकगीतों को बढ़ावा देना भाषा-शिक्षण का मुख्य उद्देश्य है

(2) लोकगीत गाए जा सकते हैं

(3) केवल लोकगीतों के माध्यम से पारम्परिक मूल्यों की शिक्षा दी जा सकती है

(4) इससे बच्चे संस्कृतिगत विशेषताओं से परिचित होते हैं

ANS : 4

Q.147. भाषा-शिक्षण के सन्दर्भ में कौन-सा कथन सही नहीं है?

(1) भाषा-अर्जन और भाषा-अधिगम में अन्तर होता है

(2) भाषा-शिक्षण में केवल भाषायी शुद्धता पर ही अधिक बल रहता है

SACHIN ACADEMY

(3) भाषा सीखने में अन्य विषयों का अध्ययन-अध्यापन सहायक होता है

(4) समृद्ध भाषा-परिवेश भाषा अर्जित करने में सहायक होता है

ANS : 2

Q.148. सुलेखा जब-तब बच्चों के साथ बातचीत करती रहती है। वह

(1) बच्चों को वाचाल बनाना चाहती है

(2) सदैव बच्चों की परीक्षा ले रही है

(3) समय नष्ट कर रही है

(4) बच्चों को भाषा अर्जित करने के लिए परिवेश दे रही है

ANS : 4

Q.149. भाषा-शिक्षण में कौन-सा बिन्दु सबसे कम महत्त्वपर्ण है?

(1) भाषायी अभ्यास

(2) भाषिक परिवेश

(3) पाठ्य-सामग्री

(4) परीक्षाएँ

ANS : 3

Q.150. भाषा-अर्जन और भाषा-अधिगम में महत्त्वपूर्ण अन्तर है

(1) भाषा का कठिनाई-स्तर

(2) भाषा की पाठ्य-पुस्तक

(3) भाषा सीखने-सिखाने की पद्धति

(4) भाषिक परिवेश की उपलब्धता

ANS : 4

Q.1. भाषा की कक्षा में यह जरूरी है कि

(1) भाषा की पाठ्य-पुस्तक पर विशेष ध्यान दिया जाए

(2) बच्चे मानक भाषा में ही बातचीत करें

(3) भाषिक पृष्ठभूमि के आधार पर किसी को पीछे न छोड़ा जाए

(4) बच्चों की अधिक-से-अधिक परीक्षाएँ ली जाएँ

ANS : 3

SACHIN ACADEMY

Q.2. गद्य शिक्षण में अपेक्षित नहीं है -

(1) तार्किक शक्ति का विकास

(2) अनुकरण क्षमता का विकास

(3) भाषा की बारीकियाँ समझना

(4) कल्पनाशीलता का विकास

ANS : 2

Q.3. आठवीं कक्षा में हिंदी भाषा सीखने-सिखाने के लिए आप किस सामग्री को सर्वाधिक महत्त्व देंगे ?

(1) व्याकरण की पुस्तक

(2) पोस्टर

(3) पाठ्य-पुस्तक

(4) साहित्यिक सामग्री

ANS : 4

Q.4. लेखन-क्षमता का विकास करने के सन्दर्भ में आपके लिए सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण है।

(1) सुन्दर लेखन का अभ्यास

(2) मानक वर्तनी का प्रयोग

(3) सुनी, पढ़ी और समझी हुई बातों की स्वाभाविक लिखित अभिव्यक्ति

(4) दिए हुए बिन्दुओं और निर्देशों के आधार पर निबन्ध लिखना

ANS : 3

Q.5. कविता-शिक्षण के सन्दर्भ में आप किस बिन्दु को सर्वाधिक महत्त्व देते हैं?

(1) कविता का एक निश्चित अर्थ होता है

(2) कविता के एक से अधिक अर्थ हो सकते हैं

(3) कविता में सामाजिक परिस्थितियों की झलक नहीं होती

(4) कविता में राजनीतिक परिस्थितियों की झलक नहीं होती

ANS : 2

Q.6. निम्नलिखित में से कौन-सा प्रश्न “सन्दर्भ में व्याकरण शिक्षण” को पुष्ट करता है?

(1) 'घर-घर' पुनरुक्त शब्द-युग्म है, इसी तरह के दो और शब्द-युग्म बताइए।

SACHIN ACADEMY

(2) 'घर-घर' पुनरुक्त शब्द-युग्म है, दिए गए शब्द-समूहों में से ऐसे शब्द-युग्म छाँटिए।

(3) 'घर-घर' शब्द-युग्म का प्रयोग करते हुए दो वाक्य बनाइए।

(4) 'घर-घर' आपकी ही चर्चा है।' वाक्य में 'घर' शब्द की पुनरावृत्ति से अर्थ पर क्या प्रभाव पड़ता है?

ANS : 4

Q.7. उच्च प्राथमिक स्तर पर भाषा-शिक्षण का एक महत्त्वपूर्ण उद्देश्य है

(1) भाषा की नियमबद्ध प्रकृति को पहचानना

(2) भाषा के आलंकारिक रूप को पहचानना

(3) भाषा के व्याकरण को कण्ठस्थ करना

(4) साहित्यिक विधाओं में रचना करना

ANS : 1

Q.8. सतत आकलन का उद्देश्य यह जानना है कि

(1) बच्चे कैसे सीखते हैं?

(2) बच्चे क्यों नहीं सीखते?

(3) बच्चों ने कितना सीखा है?

(4) बच्चों ने क्या सीखा हैं?

ANS : 1

Q.9. निम्नलिखित में से किस स्थिति में आप कहेंगे कि 'पठन' हो रहा है?

(1) अनुमान के साथ भाव ग्रहण

(2) उचित गति एंव प्रवाह

(3) प्रत्येक शब्द का सही उच्चारण

(4) ध्वनि का उतार- चढ़ाव

ANS : 1

Q.10. तपस्या सातवीं कक्षा में विभिन्न सन्दर्भो में 'पृथ्वी', 'वसुधा' और 'भूमि' शब्दों के प्रयोगों की तरफ बच्चों का ध्यान आकर्षित करती है। ऐसा करने में उसका उद्देश्य है।

(1) शब्द भण्डार का विकास कराना

(2) भाषा का व्याकरणिक ज्ञान देना

(3) हिन्दी की बारीकियाँ समझाना

(4) पर्यायवाची शब्दों की परिभाषा देना

SACHIN ACADEMY

ANS : 3

Q.11. उच्च प्राथमिक स्तर पर व्याकरणिक पक्षों, शब्दों की बारीकियों के आकलन के सन्दर्भ में सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण है

(1) परिभाषाओं को जानना
(2) शब्दकोशीय शब्द-सम्पदा का ज्ञान
(3) सन्दर्भ में व्याकरण समझना
(4) पाठ्य-पुस्तकीय व्याकरण के नियम जानना

ANS : 3

Q.12. हिन्दी में विज्ञान सम्बन्धी पाठों को पढ़ाने का उद्देश्य है

(1) विज्ञान विषय को गहराई से जानना
(2) विज्ञान के प्रति जिज्ञासा बढ़ाना
(3) विज्ञान के सन्दर्भ में हिन्दी भाषा प्रयोग को समझना
(4) विज्ञान की भाषा को समझना

ANS : 3

Q.13. उच्च प्राथमिक स्तर की पाठ्य-सामग्री में अनुवाद सामग्री रखने का उद्देश्य है

(1) प्रचुर हिन्दी साहित्य का न होना
(2) अन्य भाषाओं के साहित्य को हिंदी में पढ़ने के अवसर देना
(3) पूरे देश को पढ़ने के अवसर देना
(4) बहुत-सी साम्रगी से परिचय कराना

ANS : 2

Q.14. कहानी के सन्दर्भ में कौन-सा कथन उपयुक्त लगता है?

(1) कहानी में शुरुआत होना आवश्यक है।
(2) कहानी में शुद्ध भाषा होना आवश्यक है
(3) कहानी में कथानक का होना आवश्यक है
(4) कहानी में संवाद होना आवश्यक है

ANS : 3

SACHIN ACADEMY

Q.15. कविता में कई बार 'अभी भी' का प्रयोग करके बातें रची गई हैं”….. बिना रुके चलने वाले किसी कार्य का भाव निकल रहा है या नहीं?' प्रश्न ..... की ओर संकेत करता है।

(1) व्याकरणिक ज्ञान
(2) भाषा की बारीकी
(3) व्याकरण की परिभाषा
(4) भाषा-संरचना

ANS : 2

Q.16. बच्चे भाषा तब बेहतर तरीके से सीखते हैं, जब

(1) अनेक पाठ्य-पुस्तकें हों
(2) भाषा समृद्ध परिवेश हो
(3) सरल साहित्य का चयन हो
(4) परीक्षाओं का आयोजन हो

ANS : 2

Q.17. व्याकरण शिक्षण की कौन-सी विधि अपेक्षाकृत प्रभावी है।

(1) आगमन विधि (2) निगमन विधि (3) सूत्र विधि (4) पाठ्य-पुस्तक विधि

ANS : 1

Q.18. उच्च प्राथमिक स्तर पर व्याकरण-शिक्षण का उद्देश्य ..... में सहायक होगा।

(1) भाषा की नियमबद्ध प्रकृति को अत्यधिक महत्त्व देने
(2) भाषा की प्रकृति, प्रकार्य और व्याकरणिक नियमों को कण्ठस्थ करने
(3) व्याकरण की परिभाषाओं को कण्ठस्थ करने
(4) भाषा की नियमबद्ध प्रकृति को समझने और उसका विश्लेषण करने

ANS : 4

Q.19. उच्च प्राथमिक स्तर पर यह जरूरी है कि बच्चे

(1) भाषा के आकलन के लिए की जाने वाली सभी गतिविधियों में समान रूप से हिस्सा लें
(2) भाषा का अतिरिक्त अभ्यास करें और परियोजना कार्य में इण्टरनेट का प्रयोग करें
(3) समाचार-पत्र में छपी किसी खबर, लेख या कही गई बात का निहितार्थ समझ सकें
(4) अपनी पाठ्य-पुस्तक के सभी पाठों का अभ्यास कर सकें

SACHIN ACADEMY

ANS : 3

Q.20. हमारे अनुभवों को आकार देने में भाषा की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। इसका शैक्षिक निहितार्थ यह है कि भाषा की कक्षा में

(1) डायरी-लेखन पर जोर दिया जाए ताकि लेखन परिपक्व बन सके

(2) बच्चों को विविध सन्दर्भों में अनुभव करने, विविध अनुभवों से स्वयं को जोड़ने के अवसर दिए जाएँ

(3) सदैव अनुभवों पर बातचीत की जाए

(4) अनुभवों का लेखन-कार्य बढ़ाया जाए

ANS : 2

Q.21. हिन्दी भाषा की बारीकी को सही रूप में समझने की क्षमता का विकास करने के लिए आप क्या करेंगे?

(1) हिन्दी भाषा के विभिन्न प्रयोगों से युक्त सामग्री उपलब्ध कराना

(2) संस्कृतनिष्ठ हिन्दी भाषा से युक्त सामग्री उपलब्ध कराना

(3) हिन्दी भाषा के प्राचीनतम प्रयोगों से युक्त सामग्री उपलब्ध कराना

(4) गूढ़ अर्थ वाली भाषा से युक्त सामग्री पढ़वाना

ANS : 1

Q.22. उच्च प्राथमिक स्तर पर हिन्दी भाषा-शिक्षण में सर्वोपरि महत्त्वपूर्ण सामग्री है

(1) अभ्यास-पत्रक (2) पाठ्य-पुस्तक

(3) अभ्यास पुस्तिका (4) बाल साहित्य

ANS : 4

Q.23. भाषा सीखने में सामाजिक अन्तःक्रिया का महत्त्वपूर्ण स्थान है। इस कथन का सम्बन्ध .....से है।

(1) स्किनर (2) चॉम्स्की (3) वाइगोत्स्की (4) पियाजे

ANS : 3

SACHIN ACADEMY

Q.24. द्वितीय भाषा सीखने के सन्दर्भ में सबसे कम महत्त्वपूर्ण है

(1) अभिभावक से प्राप्त प्रोत्साहन (2) भाषा की परीक्षा

(3) अभिवृत्ति (4) शिक्षक का रवैया

ANS : 1

Q.25. भाषा-कक्षा में समावेशी वातावरण का निर्माण करने के लिए जरूरी है कि

(1) बच्चों की सभी आवश्यकताओं को पूर्ण किया जाए

(2) बच्चों को विविध दृश्य-श्रव्य सामग्री उपलब्ध कराई जाए

(3) बच्चों के प्रति अति उदारवादी दृष्टिकोण रखा जाए

(4) बच्चों की विविध भाषाओं को पढ़ाया जाए

ANS : 2

Q.26. कक्षा आठ के बच्चों का सतत आकलन करने में सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण है

(1) लिखित परीक्षा (2) भाषा-प्रयोग की क्षमता

(3) मौखिक परीक्षा (4) व्याकरण की जानकारी

ANS : 2

Q.27. भाषा की पाठ्य-पुस्तक में ऐसे पाठ रखे जाएँ, जो

(1) केवल व्याकरणिक नियमों का ही अभ्यास कराते हों (2) अत्यन्त छोटे हों

(3) सरल भाषा से युक्त हों (4) बच्चों के परिवेश से जुड़े हों

ANS : 4

Q.28. सपना अपनी कक्षा के बच्चों को मौखिक अभिव्यक्ति के अवसर देने के लिए अनेक क्रियाकलाप करती है। आप निम्नलिखित में से सबसे ज्यादा प्रभावी किसे मानते हैं?

(1) विभिन्न परिस्थितियों में संवाद-अदायगी करना (2) शब्दों को जोर-जोर से बोलना

(3) कहानी को बोल-बोलकर पढ़ना (4) समाचार-पत्र का वाचन करना

ANS : 1

SACHIN ACADEMY

Q.29. उपचारात्मक शिक्षण की सफलता मुख्यत: निर्भर करती है

(1) बच्चों की समाज-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर

(2) बच्चों की भाषागत त्रुटियों की सूची बनाने पर

(3) समस्याओं की पहचान पर

(4) समस्याओं के कारणों की सही पहचान पर

ANS : 4

Q.30. रश्मि अपनी कक्षा को बाहर मैदान में ले जाती है और पर्यावरण पर आधारित कविता-पाठ का कार्य करती है। रश्मि का उद्देश्य है

(1) बच्चों को रोज़मर्रा की चर्चा से कुछ अलग माहौल देना

(2) बच्चों को मैदान में घूमने का अवसर देना

(3) मैदान के प्राकृतिक वातावरण के साथ सम्बन्ध जोड़ते हुए कविता को समझने का अवसर देना

(4) अपने शिक्षक प्रशिक्षण में सीखी बातों का निर्वाह करना

ANS : 3

Q.31. भाषा में रचनात्मक आकलन का सर्वाधिक बेहतर उदाहरण है

(1) बच्चे को अपने खट्टे-मीठे अनुभव लिखने के लिए कहना (2) श्रुतलेख

(3) प्रश्नों के उत्तर लिखवाना (4) इकाई-परीक्षा लेना

ANS : 1

Q.32. उच्च प्राथमिक स्तर पर भाषा शिक्षण का उद्देश्य नहीं है

(1) विभिन्न साहित्यिक विधाओं की समझ का विकास

(2) निजी अनुभवों के आधार पर भाषा का सृजनशील प्रयोग

(3) भाषा के व्याकरणिक बिन्दुओं की परिभाषाओं को जानना

(4) भाषा की बारीकी और सौन्दर्य बोध को समझने की क्षमता का विकास

SACHIN ACADEMY

ANS : 3

Q.33. विद्यार्थियों की पढ़ने में रुचि जगाने एवं भाषा-ज्ञान में वृद्धि के लिए पाठ्य-पुस्तक के अतिरिक्त..... ।

(1) पठन सामग्री विकसित की जा सकती है

(2) शैक्षिक भ्रमण का अधिकाधिक आयोजन किया जाना चाहिए

(3) पाठ्यचर्या सहगामी क्रियाओं का अधिकाधिक आयोजन किया जाना चाहिए

(4) समाचार-पत्र, पोस्टर का निर्माण करवाया जाना चाहिए

ANS : 3

Q.34. आठवीं कक्षा में पढ़ने वाली रूबीना लिखने में बेहद कठिनाई का अनुभव करती है। सम्भव है कि वह ... से ग्रसित हो।

(1) भाषाघात (2) डिस्कैलकुलिया (3) डिस्लेक्सिया (4) डिसग्राफिया

ANS : 4

Q.35. 'बच्चे भाषा सीखने की क्षमता के साथ पैदा होते हैं।'

मुख्यत: यह किसका विचार है?

(1) एल.एस. वाइगोत्स्की (2) ईवॉन पैवलॉव

(3) नॉओम चॉम्सकी (4) जीन पियाजे

ANS : 3

Q.36. पाठ पढ़कर बच्चों से प्रश्न बनवाने से

(1) इस बात का पता चलता है कि बच्चे प्रश्नवाचक शब्दों से परिचित हैं या नहीं

(2) शिक्षक को यह जानने का अवसर मिलता है कि बच्चों ने पाठ को कितनी गहराई से समझा है।

(3) कक्षा-कार्य की अच्छी युक्ति पूरी होती है

(4) प्रश्न बनाने की आदत का विकास होता है

SACHIN ACADEMY

ANS : 2

Q.37. एक बहुसांस्कृतिक पृष्ठभूमि वाली कक्षा में भाषा सीखने के बारे में कौन-सा विचार उचित है?

(1) अधिकाधिक पुस्तकों का निर्माण किया जाए

(2) भाषा सिखाने के लिए व्याकरणिक नियमों का और अधिकाधिक प्रयोग होना चाहिए

(3) भाषा परिवेश का निर्माण किया जाए ताकि भाषा-अर्जन की सहज स्थिति बन सके

(4) बच्चों में भाषा सीखने की क्षमता बलपूर्वक विकसित करनी होती है

ANS : 3

Q.38. सुमन बचपन से ही गुजराती बोल-समझ लेती है। वह कभी विद्यालय नहीं जाती है। यह उदाहरण है

(1) भाषा-अर्जन का (2) सुमन की प्रतिभा का

(3) भाषा सीखने का (4) भाषा में पिछड़ेपन का

ANS : 1

Q.39. सतत मूल्यांकन का एक निहितार्थ है

(1) बच्चों के भाषा-प्रयोग का निरन्तर अवलोकन करना

(2) बच्चों के परीक्षा-सम्बन्धी भय को समाप्त करना

(3) प्रतिदिन परीक्षाएँ लेना

(4) हर महीने परीक्षाएँ लेना

ANS : 1

Q.40. भाषा की पाठ्य-पुस्तक में..... से सम्बन्धित पाठ होने चाहिए।

(1) संस्कृति (2) साहित्य (3) विज्ञान (4) ये सभी

ANS : 2

Q.41. उच्च प्राथमिक स्तर पर भाषा-शिक्षण का उददेश्य है

SACHIN ACADEMY

(1) व्याकरण के नियमों को कण्ठस्थ कराना

(2) भाषा की विभिन्न संरचनाओं का यान्त्रिक अभ्यास कराना

(3) सभी साहित्यिक विधाओं में लेखन की कुशलता विकसित करना

(4) भाषा की बारीकी और सौन्दर्यबोध को समझने की क्षमता का विकास करना

ANS : 4

Q.42. भाषा की पाठ्य-पुस्तकों में हिन्दीतर भाषाओं को भी जगह मिलनी चाहिए। इस कथन के समर्थन में कौन-सा तर्क काम करेगा?

(1) इससे भाषाओं के बीच द्वन्द्व नहीं होगा

(2) इससे भाषागत विविधता को सही रूप में सम्बोधित किया जा सकता है

(3) इससे भारत की सभी भाषाओं को स्थान दिया जा सकेगा

(4) इससे त्रिभाषा सूत्र का पालन किया जा सकता है

ANS : 2

Q.43. कोई भी भाषा पुस्तक तभी सफल मानी जाएगी, जब

(1) वह बच्चों में साहित्य की धरोहर और वर्तमान साहित्य के प्रति उत्सुकता बनाए

(2) वह बच्चों को प्राचीन साहित्य की पूरी जानकारी दे

(3) वह बच्चों को व्याकरण के नियमों से परिचित कराए

(4) वह बच्चों को केवल प्रसिद्ध साहित्य से परिचित कराए

ANS : 1

Q.44. उच्च प्राथमिक स्तर पर हिन्दी भाषा की पाठ्य-पुस्तक का निर्माण करते हुए आपके लिए सबसे कम महत्त्वपूर्ण है

(1) समृद्ध हिन्दी साहित्य की छटा का प्रदर्शन

(2) भाषायी क्षमताओं को बढ़ावा देने के अभ्यास

(3) समस्त व्याकरणिक बिन्दुओं का समावेश

SACHIN ACADEMY

(4) भाषा की विविध छटाओं को समेटने वाले पाठ

ANS : 3

Q.45. “विभिन्न कार्यक्षेत्रों से जुड़ी प्रयुक्तियों से विद्यार्थियों को परिचित कराया जाना चाहिए।” इस कथन में 'प्रयुक्ति' से तात्पर्य है

(1) विभिन्न भाषा उदाहरण

(2) विशिष्ट भाषा प्रयोग

(3) भाषा के नियम

(4) शब्दों की व्युत्पत्ति

ANS : 2

Q.46. जब शिक्षिका पूछती है कि “हम भी सफल होंगे—इस वाक्य में 'भी' लगने से अर्थ में क्या अन्तर आता है?", तो इसका आशय है कि शिक्षिका बच्चों को

(1) अवलोकन क्षमता के अवसर देना चाहती है

(2) भाषा की बारीकियाँ समझाना चाहती है

(3) व्याकरण सिखाना चाहती है

(4) परीक्षा के लिए तैयार करना चाहती है

ANS : 2

Q.47. उच्च माध्यमिक स्तर पर हिन्दी भाषा की पाठ्य-पुस्तक में हिन्दीतर भाषाओं की रचनाओं को भी स्थान देने का मुख्य उद्देश्य है

(1) अन्य भाषाओं के व्याकरण से परिचित कराना

(2) अन्य भाषाओं के उत्कृष्ट साहित्य से परिचित कराना

(3) अन्य भाषाओं के रचनाकारों से परिचित कराना

(4) अन्य भाषाओं के साथ तुलना करना

ANS : 2

Q.48. सरसरी तौर पर किसी पाठ को देखकर उसकी विषय-वस्तु का पता कर लेना

(1) पढ़ने की निम्न स्थिति को दर्शाता है

(2) पढ़ने की कुशलता का अन्तिम पड़ाव है

SACHIN ACADEMY

(3) पढ़ने की एक महत्त्वपूर्ण कुशलता है। (4) पढ़कर समझने का पहला प्रयास है

ANS : 3

Q.49. आपने अपने विद्यार्थियों को एक प्रश्न दिया है—"घर से विद्यालय आने तक आप रास्ते में जो-जो चीजें देखते हैं, उन्हें लिखें।" आपकी कक्षा में एक विद्यार्थी दृष्टिबाधित है। आप

(1) उसे इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए मना करेंगी

(2) स्वयं प्रश्न का उत्तर लिखकर देंगी

(3) उसे कहेंगी कि अपने सहपाठी से पूछकर लिख लो

(4) प्रश्न में उस बच्चे की आवश्यकता के अनुसार परिवर्तन करेंगी

ANS : 4

Q.50. यदि आपकी कक्षा में दृष्टिबाधित बच्चे हैं, तो आप

(1) उन्हें पढ़ने के उपयुक्त साधन देंगे (2) उन्हें सभी बच्चों से अलग गतिविधि देंगे

(3) उनसे कम गतिविधियाँ कराएँगे (4) उन्हें विशेष सहानुभूति से पढ़ाएँगे

ANS : 1

Q.51. मुदिता आठवीं कक्षा में हिन्दी भाषा पढ़ाती हैं। कविता के भाव के बारे में बातचीत करते समय आप उन्हें किस बात के प्रति सचेत रहने की सलाह देंगे?

(1) कविता को गद्य में परिवर्तित करवाने वाली गतिविधि कविता-शिक्षण का अनिवार्य पक्ष है

(2) कविता की भाषा, व्याकरण पर विशेष बल दिया जाए

(3) कविता में अलंकार, रस पर विशेष बल दिया जाए

(4) कविता का एक निश्चित भाव, अर्थ नहीं हो सकता

ANS : 4

Q.52. उच्च प्राथमिक स्तर पर समझकर पढ़ने के सन्दर्भ में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है

(1) तीव्र गति से पढ़ जाना

(2) बोल-बोलकर शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ना

SACHIN ACADEMY

(3) लिखित सामग्री में शब्दों की पहचान करना

(4) किसी लिखित सामग्री का निहितार्थ समझना

ANS : 4

Q.53. उच्च कक्षाओं में

(1) साहित्य साध्य है और भाषा-कौशल साधन

(2) केवल छन्द-अलंकारों को समझने के प्रयास करना ही भाषा-शिक्षण का उद्देश्य है

(3) भाषा-कौशल साध्य हैं और साधन है-साहित्य

(4) भाषा की पाठ्य-पुस्तक अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है

ANS : 4

Q.54. हिन्दी भाषा के विविध रूपों से परिचित कराने में.....सर्वाधिक सहायक है।

(1) हिन्दी भाषा की पत्रिका व पाठ्य पुस्तक

(2) हिन्दी भाषा के समाचार-पत्र व विज्ञापन

(3) हिन्दी भाषा का साहित्य व अन्य मुद्रित सामग्री

(4) हिन्दी भाषा की पुस्तक व विज्ञापन

ANS : 3

Q.55. स्वलीन विकार (ऑटिस्टिक डिस्ऑर्डर) में बच्चा

(1) अपने हाथ-पैर हिलाने में कठिनाई का अनुभव करता है

(2) सामाजिक अन्त:क्रिया और सम्प्रेषण में कठिनाई का अनुभव करता है

(3) अक्सर खाने से मना कर देता है

(4) अपने ही कार्यों में लीन रहता है

ANS : 2

Q.56. आकलन

(1) मूलत: शिक्षक-केन्द्रित ही होता है

SACHIN ACADEMY

(2) केवल यह बताता है कि बच्चे ने क्या नहीं सीखा

(3) भाषा सीखने-सिखाने की प्रक्रिया का अभिन्न अंग है

(4) पाठ-समाप्ति पर ही किया जाता है

ANS : 3

Q.57. भाषा की कक्षा को एक समावेशी कक्षा बनाने के लिए यह आवश्यक है कि

(1) पाठयक्रम को कम कर दिया जाए

(2) भाषाई कुशलताओं का आकलन न किया जाए

(3) विभिन्न प्रकार की दृश्य-श्रव्य सामग्री का उपयोग किया जाए

(4) पाठय-पुस्तक के पाठ कम कर दिए जाएँ

ANS : 3

Q.58. हिन्दी भाषा के शिक्षक के रूप में आपके लिए सबसे कम महत्त्वपूर्ण है

(1) भाषा प्रयोग की क्षमता का विकास

(2) व्याकरणिक नियमों की जानकारी

(3) भाषा-कौशलों का ज्ञान

(4) संवैधानिक मूल्यों की जानकारी

ANS : 4

Q.59. बच्चों की सशक्त लेखन क्षमता का परिचायक है

(1) सुन्दर लिखावट

(2) आलंकारिक भाषा

(3) सशक्त वाक्य-विन्यास

(4) मौलिक विचार

ANS : 4

Q.60. बच्चों के बोलना सीखने के सन्दर्भ में कौन-सा कथन सही है?

(1) सभी बच्चों की बोलना एवं सुनना सीखने की गति समान होती है

(2) अपनी भाषा से इतर भाषाओं को सुनने के लिए मना करना चाहिए

(3) बच्चों को प्रारम्भ से ही शुद्ध उच्चारण के प्रति सचेत रहना चाहिए

(4) बच्चों को सुनने और बोलने के अधिक-से-अधिक अवसर देने चाहिए

SACHIN ACADEMY

ANS : 4

Q.61. आकलन का प्रयोग ..... के लिए होना चाहिए।

(1) कितना सीखा को आँकने
(2) परस्पर तुलना
(3) भाषा की जानकारी
(4) सीखने में मदद

ANS : 4

Q.62. भाषा और लिपि के बीच

(1) कोई निश्चित सम्बन्ध नहीं होता
(2) एक तार्किक सम्बन्ध होता है
(3) कोई सम्बन्ध होता ही नहीं है
(4) एक निश्चित सम्बन्ध होता है

ANS : 1

Q.63. उच्च प्राथमिक स्तर पर भाषा सीखने-सिखाने का एक उद्देश्य है-

(1) साहित्य की गद्य एवं पद्य विधाओं की रचना
(2) हिन्दी भाषा के समग्र इतिहास के बार में जानना
(3) भाषा की नियमबद्ध प्रकृति की पहचान और उसका विश्लेषण करना
(4) व्याकरण के सभी नियमों को कण्ठस्थ करना

ANS : 3

Q.64. उच्च प्राथमिक स्तर पर विभिन्न विषयों पर आधारित पाठों को पाठ्य-पुस्तक में शामिल करने का उद्देश्य है

(1) बच्चों को विभिन्न प्रयुक्तियों से परीचित कराना
(2) अन्य विषयों को सीखने में मद्द करना
(3) अन्य विषयों का सरलीकरण करना
(4) बच्चों को विभिन्न विषयों की जानकारी देना

ANS : 1

SACHIN ACADEMY

Q.65. “पाठ से तीनों प्रकार की संज्ञाओं के उदाहरण खोजकर लिखिए।" अभ्यास प्रश्न ..... का उदाहरण है।

(1) सन्दर्भ में व्याकरण
(2) व्याकरणिक जटिलता
(3) व्याकरण पर अत्यधिक बल
(4) व्याकरण कण्ठस्थ करने

ANS : 1

Q.66. आठवीं कक्षा का मुदित पढ़ते समय परेशानी का अनुभव करता है। सम्भवतः मुदित ..... से ग्रस्त है।

(1) डिस्केलकुलिया
(2) अफेजिया
(3) डिस्ग्राफिया
(4) डिस्लेक्सिया

ANS : 4

Q.67. उच्च प्राथमिक स्तर पर बच्चों के भाषा-विकास की दृष्टि से सबसे कम महत्त्वपूर्ण है

(1) परिचर्चा
(2) श्रुतलेख
(3) संवाद अदायगी
(4) सृजनात्मक लेखन

ANS : 2

Q.68. उच्च प्राथमिक स्तर पर भाषा सीखने का एक महत्त्वपूर्ण उद्देश्य है

(1) पठित सामग्री का तार्किक विश्लेषण करना
(2) पठित सामग्री के पक्ष में अपनी बात रखना
(3) पठित सामग्री के विरुद्ध अपनी बात रखना
(4) पठित सामग्री को ज्यों का त्यों प्रस्तुत करना

ANS : 1

Q.69. भाषा शिक्षण पर हुए शोध बताते हैं कि द्वितीय/विदेशी भाषा में दक्षता सीखने वाले की ..... और ..... पर ही ज्यादा निर्भर करती है।

(1) संस्कृति, वर्ग
(2) अभिप्रेरणा, उपलब्धि
(3) अभिवृत्ति, अभिप्रेरणा
(4) अभिवृत्ति, परिवार

ANS : 3

SACHIN ACADEMY

Q.70. उच्च प्राथमिक स्तर पर भाषा सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में ..... की उपेक्षा बिल्कुल नहीं की जा सकती।

(1) शिक्षक के शास्त्रीय ज्ञान
(2) बच्चों की भाषिक पृष्ठभूमि
(3) बच्चों की सामाजिक श्रेणी
(4) बच्चों के पाठ्य-पुस्तकीय ज्ञान

ANS : 2

Q.71. सतीश सातवीं कक्षा का विद्यार्थी है। वह निबन्ध लिखते समय कुँजी या गाइड से रटी हुई भाषा का प्रयोग करता है। इसके कारणों में सबसे कमजोर कारण हो सकता है

(1) उसकी लिखित भाषा पर पकड़ नहीं है
(2) उसमें विचार करने का सामर्थ्य नहीं है
(3) सृजनात्मक लेखन की शिक्षण पद्धति उचित नहीं है
(4) उसकी मौखिक भाषा बेहद कमजोर है

ANS : 2

Q.72. पोर्टफोलियो

(1) बच्चों की क्रमिक प्रगति की जानकारी देता है
(2) बच्चों की हर प्रकार की प्रगति का पूर्ण लेखा-जोखा है
(3) बच्चों के अभिभावकों को पूर्ण जानकारी देता है
(4) बच्चों के आकलन का सबसे सरल तरीका है

ANS : 1

Q.73. उच्च प्राथमिक स्तर पर व्याकरण-शिक्षण का कौन-सा तरीका सर्वाधिक प्रभावी है?

(1) व्याकरणिक बिन्दुओं पर कार्य-पत्रक (वर्कशीट्स) तैयार करके बच्चों को देना
(2) बच्चों को भाषा-प्रयोगशाला में व्याकरणिक कोटियों का अभ्यास कराना
(3) व्याकरण के बिन्दुओं पर एक-एक करके चर्चा करना
(4) पढ़ाए जा रहे पाठ के सन्दर्भ में आए किसी व्याकरणिक बिन्दु को स्पष्ट करना

SACHIN ACADEMY

ANS : 4

Q.74. 'अहं-केन्द्रित भाषा' की संकल्पना किसके साथ घनिष्ठं रूप से जुड़ी है?

(1) चॉम्स्की (2) पियाजे (3) स्किनर (4) वाइगोत्स्की

ANS : 2

Q.75. भाषा सीखना और भाषा के बारे में सीखना

(1) विद्यालयी आकलन का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है

(2) भाषा-विमर्श का हिस्सा नहीं है

(3) दो भिन्न संकल्पनाएँ हैं

(4) दो भिन्न संकल्पनाएँ नहीं हैं

ANS : 3

Q.76. बच्चों को समृद्ध भाषिक परिवेश उपलब्ध कराने में कौन सहजता से योगदान दे सकता है/सकती हैं/सकते हैं?

(1) भाषा-प्रयोगशाला के अभ्यास (2) स्वयं शिक्षक का भाषा-प्रयोग

(3) कक्षा में प्रदर्शित चार्ट (4) पुस्तकालय में रखी पुस्तकें

ANS : 2

Q.77. त्रिभाषा सूत्र में हिन्दी का स्थान

(1) राजभाषा के रूप में है (2) शास्त्रीय भाषा के रूप में है

(3) सह-राजभाषा के रूप में है (4) राष्ट्रभाषा के रूप में है

ANS : 1

Q.78. भाषा हमारे/हमारी ..... को व्यवस्थित करती है।

(1) व्याकरणिक चेतना (2) खेल-क्रिया

(3) विचार-प्रक्रिया (4) सामाजिक व्यवहार

ANS : 3

Q.79. भाषा हमें .....व ..... की अनखोजी दुनिया में ले जाती है।

SACHIN ACADEMY

(1) समाज, कल्पना.
(2) ज्ञान, समाज
(3) कल्पना, विज्ञान
(4) ज्ञान, कल्पना

ANS : 4

Q.80. बहुभाषिक कक्षा की आवश्यकताओं को सम्बोधित करने में सर्वाधिक सहायक है

(1) विविध स्वरूपी लिखित परीक्षाएँ
(2) विविध स्वरूपी पाठ्य-सामग्री
(3) एक से अधिक बार भाषायी आकलन
(4) एक से अधिक पाठ्य-पुस्तक

ANS : 2

Q.81. पढ़ने की कुशलता का विकास करने के लिए जरूरी है कि

(1) बच्चों को द्रुत गति से पढ़ने के लिए बाध्य किया जाए
(2) बच्चों को बोल-बोलकर पढ़ने के लिए निर्देश दिए जाएँ
(3) बच्चों को शब्दार्थ जानने के लिए बाध्य किया जाए
(4) बच्चों को विविध प्रकार की विषय-सामग्री उपलब्ध कराई जाए

ANS : 4

Q.82. पठित अंश पर प्रश्नों का निर्माण करवाने से

(1) प्रश्न-बैंक तैयार हो जाता है, जिसका उपयोग प्रश्न-पत्र बनाने में किया जाता है
(2) बच्चों की ऊर्जा, समय व्यर्थ चला जाता है
(3) बच्चों की पढ़कर समझने की योग्यता का आकलन होता है
(4) प्रश्न-पत्र बनाने में आसानी होती है

ANS : 3

Q.83. भाषा की पाठ्य-पुस्तक में लोकगीतों को स्थान देना

(1) भारत की सांस्कृतिक विशेषताओं से परिचित होने में मदद करता है
(2) बच्चों को 'संगीत' सिखाने से जुड़ा है
(3) गायन को महत्त्व देना है

SACHIN ACADEMY

(4) परम्परा का निर्वाह करना है

ANS : 1

Q.84. 'नाटक शिक्षण' में सतत और व्यापक मूल्यांकन के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है?

(1) पढ़े गए नाटक का मंचन
(2) पात्रों का चरित्र-चित्रण लिखना
(3) लिखित परीक्षा
(4) मुख्य संवादों को सुन्दर रूप में लिखना

ANS : 1

Q.85. पठन कौशल से अभिप्राय है

(1) लिपि-चिह्नों की पहचान
(2) शब्दों को पढ़ना
(3) वाक्यों को पढ़ना
(4) पढ़कर समझना

ANS : 4

Q.86. किस तरह के लेखन को आकलन में शामिल करना उचित है?

(1) सूचना-सन्देश
(2) डायरी
(3) विज्ञापन
(4) ये सभी

ANS : 4

Q.87. 'डिस्पाफिया' का सम्बन्ध किससे है?

(1) पठन-अक्षमता से
(2) लेखन-अक्षमता से
(3) गणना सम्बन्धी अक्षमता से
(4) बोलने सम्बन्धी अक्षमता से

ANS : 2

Q.88. पूरक पाठ्य-पुस्तक का उद्देश्य है

(1) बलपूर्वक पढ़ना
(2) अतिरिक्त गृहकार्य देना
(3) वाचन अभ्यास
(4) गम्भीर साहित्य पढ़ना

ANS : 3

Q.89. उच्च प्राथमिक स्तर पर मुहावरे और लोकोक्तियों के शिक्षण के सन्दर्भ में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है

SACHIN ACADEMY

(1) सन्दर्भानुसार उनका प्रयोग करना (2) उनकी परिभाषा याद करना

(3) उनके अर्थ जानना (4) उनका क्रम याद रखना

ANS : 1

Q.90. उच्च प्राथमिक स्तर पर हिन्दी भाषा सीखने में सबसे कम सहायक है

(1) अन्य विषयों की कक्षाओं में भाषा पर ध्यान देना

(2) समृद्ध भाषा-परिवेश की उपलब्धता

(3) पाठ्य-पुस्तकों का प्रयोग

(4) संचार माध्यमों का प्रयोग

ANS : 3

Q.91. राधिका सातवीं कक्षा में पढ़ाती है। वह बच्चों को नाम सम्बन्धी कुछ उदाहरण देती है फिर 'संज्ञा' के बारे में समझाती हैं। राधिका द्वारा प्रयुक्त विधि है

(1) भाषा-संसर्ग विधि (2) निगमन विधि (3) आगमन विधि (4) सूत्र विधि

ANS : 3

Q.92. उच्च प्राथमिक स्तर पर हिन्दी भाषा शिक्षण का एक महत्त्वपूर्ण उद्देश्य है

(1) हिन्दी भाषा में अनूदित सामग्री को पढ़ना

(2) बोलने की क्षमता के अनुरूप लिखने की क्षमता का विकास

(3) हिन्दी के व्याकरणिक बिन्दुओं को कण्ठस्थ करना

(4) हिन्दी भाषा के विविध स्वरूपों की जानकारी देना

ANS : 4

Q.93. 'मौन पठन' में मुख्यत:

(1) शब्द-भण्डार विकसित किया जाता है

(2) मन ही मन बुदबुदाते हुए पढ़ा जाता है

(3) गहन अर्थ को आत्मसात् करने का प्रयास किया जाता है

SACHIN ACADEMY

(4) तेज़ गति से पाठ को पढ़ा जाता है

ANS : 3

Q.94. भाषा-शिक्षण में सहायक है

(1) निदानात्मक व उपचारात्मक कार्य (2) शुद्ध-भाषा पर बल

(3) साहित्य-शिक्षण (4) व्याकरणिक नियमों की जानकारी

ANS : 1

Q.95. अन्य विषयों की कक्षाएँ भी भाषा-अधिगम में सहायता करती हैं, क्योंकि

(1) सभी शिक्षक एक से अधिक भाषा जानते हैं

(2) अन्य विषयों की पाठ्य-पुस्तकें भाषा-शिक्षण के उद्देश्य को ध्यान में रखती हैं

(3) अन्य विषयों को पढ़ने पर वैविध्यपूर्ण भाषा-प्रयोग के अनेक अवसर उपलब्ध होते हैं

(4) अन्य विषयों के शिक्षक विषय के साथ-साथ भाषा भी सिखाते हैं

ANS : 3

Q.96. 'पठन-कुशलता' का मूल्यांकन करने के लिए आप क्या करेंगे?

(1) पढ़ी गई सामग्री पर तथ्यात्मक प्रश्न पूछेगे

(2) पढ़ी गई सामग्री पर प्रश्न बनवाएँगे

(3) पुस्तक के किसी पाठ की पंक्तियाँ पढ़वाएँगे

(4) बच्चों से जोर-जोर से बोलकर पढ़ने के लिए कहेंगे ताकि उच्चारण की जाँच हो सके

ANS : 1

Q.97. किस विधा के शिक्षण के समय आप मौन-पठन को महत्त्व देंगे?

(1) निबन्ध (2) संवादात्मक कहानी (3) कविता (4) एकांकी

ANS : 1

Q.98. बहुभाषिकता

(1) एक अत्यन्त जटिल चुनौती है, जिसका समाधान सम्भव नहीं है

SACHIN ACADEMY

(2) भाषा-नीति बनाने में बहुत बड़ी बाधा है

(3) बच्चे की अस्मिता का निर्माण करती है

(4) भाषा की कक्षा में अनेक प्रकार की समस्याएँ उत्पन्न करती है

ANS : 3

Q.99. एकांकी पाठों का सर्वप्रमुख उद्देश्य है

(1) एकांकी लिखना सिखाना

(2) एकांकी की समीक्षा करना सिखाना

(3) एकांकी विधा से परिचय कराना

(4) विभिन्न सन्दर्भो में संवाद बोलने की क्षमता का विकास

ANS : 4

Q.100. भाषा में आकलन करते समय आप किसे सबसे कम महत्त्व देंगे?

(1) प्रश्नों के उत्तर लिखना

(2) प्रश्नों का निर्माण करना

(3) परिचर्चा

(4) सृजनात्मक लेखन

ANS : 1

Q.101. उच्च प्राथमिक स्तर पर भाषा सीखने-सिखाने का उद्देश्य है

(1) विभिन्न स्थितियों में प्रभावी सम्प्रेषण की कुशलता का विकास करना

(2) विभिन्न स्थितियों में मानक भाषा का ही प्रयोग करने की कुशलता का विकास

(3) विभिन्न स्थितियों में मुहावरेदार भाषा का प्रयोग करने की कुशलता का विकास

(4) विभिन्न स्थितियों में व्याकरण सम्मत भाषा का प्रयोग करने की कुशलता का विकास

ANS : 1

Q.102. कक्षा छ: के बच्चों के लिए कहानी, कविताओं आदि किताबों का चयन करते समय आप किस बात का विशेष रूप से ध्यान रखेंगे?

(1) किताबें नैतिक उपदेशों से भरी हों

SACHIN ACADEMY

(2) किताबों के पृष्ठ कम हों

(3) किताबें बच्चों की मनोवैज्ञानिक और भाषिक ज़रूरतों के अनुरूप हों

(4) किताबों में रंगीन चित्र अवश्य हों

ANS : 3

Q.103. भाषा में सतत आकलन का उद्देश्य है

(1) यह जानना कि बच्चे भाषा में क्या नहीं जानते हैं

(2) यह जानना कि बच्चे पाठ्य-पुस्तक में क्या जानते हैं

(3) यह जानना कि बच्चों ने भाषा सम्बन्धी किन उद्देश्यों की प्राप्ति नहीं की

(4) यह जानना कि भाषा सीखने में बच्चों को किस प्रकार की मदद की आवश्यकता है

ANS : 4

Q.104. हिन्दी भाषा की कक्षा में सबसे महत्त्वपूर्ण है

(1) पाठ्य-पुस्तक (2) परीक्षाएँ

(3) पाठ्यचर्या-सहगामी क्रियाएँ (4) बच्चों की भाषायी क्षमताओं में विश्वास

ANS : 4

Q.105. बच्चों में सृजनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करने के लिए सर्वश्रेष्ठ विधि है

(1) पढ़ी गई कहानी को संक्षेप में लिखना

(2) भूकम्प आने पर जो तबाही हुई उसके बारे में अपने अनुभव लिखना

(3) दो दिन के अवकाश के लिए पत्र लिखवाना

(4) मेरा आदर्श विद्यालय पर निबन्ध लिखवाना

ANS : 2

Q.106. भाषा-अर्जन और भाषा-अधिगम में अन्तर का आधार नहीं है

(1) सांस्कृतिकता (2) कुशलता (3) स्वाभाविकता (4) सहजता

ANS : 2

SACHIN ACADEMY

Q.107. वाइगोत्स्की के अनुसार किसी शब्द का अर्थ

(1) व्याकरण आधारित होता है (2) वक्ता पर निर्भर होता है

(3) शब्दकोश के अनुसार होता है (4) सामाजिक-सांस्कृतिक सन्दर्भ से उपजता है

ANS : 4

Q.108. "भाषा सीखने की क्षमता जन्मजात होती है।" यह विचार किसकी देन है?

(1) चॉम्स्की (2) थॉर्नडाइक (3) स्किनर (4) पॉवलोव

ANS : 1

Q.109. पाठ्य-पुस्तक को आधार बनाकर पूछे जाने वाले प्रश्न

(1) पाठ में दिए गए तथ्यों पर ही आधारित होने चाहिए

(2) पाठ की विषय-वस्तु का विस्तार करने वाले होने चाहिए

(3) लिखावट को सुन्दर बनाने में सहयोगी होने चाहिए

(4) स्मरण-शक्ति को समृद्ध करने वाले होने चाहिए

ANS : 2

Q.110. बच्चों की भाषा क्षमता का आकलन करने की दष्टि से निम्नलिखित में से कौन-सा प्रश्न सर्वाधिक उपयोगी एवं सार्थक है?

(1) नीचे दिए गए शब्दों के वचन बदलिए

तितली; चूहा

(2) नीचे लिखे वाक्य को पढ़कर सुनाइए

"मुझे कहानी सुनना अच्छा लगता है।"

(3) फेरीवालों की आवाजें सुनिए और किसी एक का कक्षा में अभिनय करके दिखाइए

(4) नीचे लिखे शब्दों को पढ़कर सुनाइए

जंगल; धरती

ANS : 3

SACHIN ACADEMY

Q.111. भाषा-शिक्षण के सन्दर्भ में 'बहुभाषी कक्षा' से तात्पर्य है कक्षा में

(1) अधिकाधिक भाषाओं की पुस्तकों की उपलब्धता

(2) कम-से-कम दो भाषाओं में शब्दकोष की आवश्यकता

(3) सभी बच्चों को अपनी-अपनी भाषा में बोलने के अवसरों की उपलब्धता

(4) भिन्न-भिन्न भाषाओं में कहानी-कविता के चार्ट आदि की उपलब्धता

ANS : 3

Q.112. कक्षा 8 के लिए पाठ्य-पुस्तक का निर्माण करते समय महत्त्वपूर्ण है

(1) पाठों की संख्या सीमित होना (2) विधागत विविधता होना

(3) सभी व्याकरणिक तत्वों का समावेश (4) प्रसिद्ध लेखकों की रचनाएँ

ANS : 2

Q.113. दृश्य-श्रव्य सामग्री का प्रयोग तब उपयोग होता है जब बच्चे-

(1) ऊस पर अपनी बौद्धिक प्रतिक्रिया दे सकें (2) उसकी भाषा का अनुकरण कर सकें

(3) उसके बनने की प्रक्रिया को बता सके (4) उसे बहुत सरलता से समझ सकें

ANS : 1

Q.114. उच्च प्राथमिक स्तर पर हिन्दी भाषा का आकलन करते समय आप सर्वाधिक बल किस पर देंगे?

(1) मौखिक परीक्षा (2) पोर्टफोलियो (2) जाँच-सूची (4) लिखित परीक्षा

ANS : 2

Q.115. हिन्दी भाषा सीखने के सन्दर्भ में कक्षा आठ में पढ़ने वाले बच्चे से यह अपेक्षित है कि वह-

(1) हिन्दी भाषा के मुहावरों और लोकाक्तियों को जान सके

(2) विभिन्न सन्दर्भो में हिन्दी भाषा का प्रभावी प्रयोग कर सके

(3) तत्समप्रधान भाषा का प्रभावी प्रयोग कर सके

SACHIN ACADEMY

(4) हिन्दी भाषा की समस्त नियमावली को जान सके

ANS : 2

Q.116. भाषा अर्जन के सम्बन्ध में कौन-सा कथन सही है?

(1) यह सरल होता है।
(2) यह कठिन होता है।
(3) यह सीखा जाता है।
(4) यह सहज होता है।

ANS : 4

Q.117. उच्च प्राथमिक स्तर पर बच्चे की भाषा क्षमता का आकलन करने की दृष्टि से सबसे कमजोर प्रश्न है

(1) आपके सपनों का भारत कैसा होना चाहिए? लिखिए।

(2) समाचार चैनलों के कार्यक्रमो की सार्थकता पर तर्क सहित अपने विचार लिखिए।

(3) लेखक ने अपने जीवन की किन दो घटनाओं को महत्त्वपूर्ण बताया है?

(4) दोषों का पर्दाफाश करना कब बुरा रूप ले सकता है?

ANS : 3

Q.118. प्रारम्भिक स्तर पर हिन्दी भाषा की पाठ्य-पुस्तक का निर्माण करते समय इस बात का ध्यान रखा जाए कि पाठ

(1) बच्चों में साहित्यिक लेखन की क्षमता का ही विकास करें।

(2) कुछ पूर्वनिर्धारित संदेशों को पहुँचाने के उद्देश्य रखते हों।

(3) कुछ पूर्वनिर्धारित संदेशों को पहुँचाने के उद्देश्य न रखते हों।

(4) बच्चों में पढ़ने-लिखने की कुशलता का ही विकास करें।

ANS : 3

Q.119. पढ़ने का सम्बन्ध ..... से है।

(1) शुद्धता
(2) तीव्र गति
(3) अक्षर ज्ञान
(4) अर्थ

ANS : 4

SACHIN ACADEMY

Q.120. वाणी अस्थायी होती है और ..... भाषा की तुलना में काफी तेजी से बदलती रहती है।

(1) शास्त्रीय (2) मौखिक (3) लिखित (4) पारम्परिक

ANS : 3

Q.121. यदि भाषाओं को विज्ञान के दृष्टिकोण से देखें, तो भाषाओं के बीच मूलतः

(1) कोई अन्तर नहीं होता (2) थोड़ा अन्तर होता है

(3) गहरा सम्बन्ध होता है (4) बहुत अन्तर होता है

ANS : 3

Q.122. मोना अकसर लिखते समय शब्दों के अक्षरों को छोड़ देती है, जैसे 'पढ़ती' को 'पती', 'अभिनव' को 'अनव' लिखना। इसका सबसे उपयुक्त कारण हो सकता है कि

(1) उसे लिखना रुचिकर नहीं लगता हो

(2) उसके विचार और लिखने की गति में सामंजस्यं न हो

(3) उसके विचारों में स्पष्टता न हो

(4) उसे मात्राओं का ज्ञान न हो

ANS : 2

Q.123. उच्च प्राथमिक स्तर पर हिन्दी भाषा शिक्षण का एक सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण उद्देश्य है

(1) बच्चों में कहानियों को शब्दशः दोहराने की क्षमता का विकास करना

(2) बच्चों को व्याकरण के नियमों को कण्ठस्थ करवाना

(3) बच्चों को पाठों के अन्त में दिए गए उदाहरणों का अभ्यास करवाना

(4) बच्चों में समझ के साथ पढ़ने और लिखने की क्षमता का विकास करना

ANS : 4

SACHIN ACADEMY

Q.124. उच्च प्राथमिक स्तर पर भाषा सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में परिवार, पड़ोस, विद्यालय के साथ-साथ अत्यन्त महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

(1) संचार माध्यम
(2) भाषा-प्रयोगशाला के उपकरण
(3) पुस्तकालय
(4) शब्दकोष

ANS : 1

Q.125. वाइगोत्स्की के अनुसार भाषा सीखने, शब्दों को अर्थ देने में ..... की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता।

(1) विद्यालयी समय
(2) पाठ्यपुस्तकों
(3) भाषा-प्रयोगशाला
(4) सामाजिक अन्त:क्रिया

ANS : 4

Q.126. बच्चों की भाषा प्रयोग सम्बन्धी त्रुटियों पर अधिक कठोर प्रतिक्रिया व्यक्त करना अथवा उन्हें ही इंगित करते रहना

(1) बच्चों की भाषिक अभिव्यक्ति को अवरुद्ध कर सकता है
(2) भाषा-शिक्षक का परम दायित्व है।
(3) जरूरी है, इससे बच्चों की भाषा में सुधार होता है
(4) बिलकुल जरूरी नहीं है, बच्चे स्वयं ही सब सीख जाएंगे

ANS : 1

Q.127. वाइगोत्स्की ने भाषा-विकास के सन्दर्भ में किस बिन्दु पर सबसे अधिक बल दिया है?

(1) सामाजिक अन्त:क्रिया पर
(2) पाठ्य-पुस्तक पर
(3) अनुकरण पर
(4) मस्तिष्क पर

ANS : 1

Q.128. जिन बच्चों को लिखने में कठिनाई का अनुभव होता है, वे बच्चे ..... से ग्रस्त हो सकते हैं।

SACHIN ACADEMY

(1) डिस्ग्राफिया (2) डिस्लेक्सिया (3) डिस्केलकुलिया (4) मन्दबुद्धिता

ANS : 1

Q.129. भाषा और लिपि के सन्दर्भ में कौन-सा कथन सही है?

(1) एक भाषा विशेष को एक लिपि विशेष में ही लिखा जा सकता है

(2) प्रत्येक भाषा की एक निश्चित लिपि होती है

(3) भाषा की समृद्धि के लिए केवल लिपि ही उत्तरदायी है

(4) किसी भी भाषा को किसी भी लिपि में लिखा जा सकता है

ANS : 4

Q.130. उच्च प्राथमिक स्तर पर पाठ्य-पुस्तकों को न केवल विषय-वस्तुओं के लिए स्थान उपलब्ध करवाना चाहिए बल्कि

(1) मानक हिन्दी के लिए ही स्थान उपलब्ध करवाना चाहिए

(2) मानक भाषा के प्रयोग पर अत्यन्त बल देना चाहिए

(3) विविध भाषाओं के लिए भी स्थान उपलब्ध करवाना चाहिए

(4) व्याकरण पर भी अत्यन्त बल देना चाहिए

ANS : 3

Q.131. 'उन विज्ञापनों को इकट्ठा कीजिए जो हाल ही के ठंडे पेय पदार्थों से जुड़े हैं । उनमें स्वास्थ्य और सफ़ाई पर दिए गए ब्यौरों को छाँटकर देखें कि हकीकत क्या है ?' यह प्रश्न -

(1) बच्चों को ठंडे पेय पीने की प्रेरणा देता है।

(2) बाहर की दुनिया को अत्यधिक महत्त्व देता है।

(3) बाहर की दुनिया और कक्षा को जोड़ता है ।

(4) बच्चों के लिए बहुत जटिल है।

ANS : 3

SACHIN ACADEMY

Q.132. उच्च प्राथमिक स्तर पर बच्चों की सृजनात्मक अभिव्यक्ति की दृष्टि से कौन-सा प्रश्न सर्वाधिक प्रभावी है ?

(1) लेखक खानपान में बदलाव को लेकर चिंतित क्यों है ?

(2) घर में बातचीत करके घर में बनने वाले पकवानों के बनने की प्रक्रिया बताइए।

(3) खानपान के मामले में स्थानीयता का क्या अर्थ है ?

(4) खानपान में बदलाव के कौन-से फायदे हैं ?

ANS : 2

Q.133. कक्षा छह में कविता-शिक्षण के दौरान_____ सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है।

(1) भिन्न-भिन्न समास

(2) भिन्न-भिन्न छंद

(3) भिन्न-भिन्न शब्द प्रयोग

(4) भिन्न-भिन्न भाव भूमि

ANS : 4

Q.134. पाठ्य-वस्तु का भावपूर्ण पठन

(1) केवल कविताओं पर ही लागू होता है

(2) पठन का एकमात्र आदर्श रूप है

(3) पठन की पहली और अनिवार्य शर्त है

(4) अर्थ को समझने में मदद करता है

ANS : 4

Q.135. रागिनी हमेशा 'हैण्डपम्प' को चापाकल बोलती है। एक शिक्षिका के रूप में आप क्या करेंगी?

(1) उसे डाटँगे कि उसने गलत शब्द का प्रयोग किया है

(2) उसकी तरफ कोई ध्यान नहीं देंगे

(3) रागिनी को समझाएँगे कि यह चापाकल नहीं हैण्डपम्प है

(4) सम्पूर्ण कक्षा को बताएँगे कि हैण्डपम्प को चापाकल भी कहा जाता है

ANS : 4

Q.136. मौखिक अभिव्यक्ति के समय होने वाली त्रुटियों पर बार-बार टोकने से

SACHIN ACADEMY

(1) बच्चे धीरे-धीरे खामोश होने लगते हैं

(2) बच्चों के भीतर आत्मविश्वास बढ़ता है

(3) बच्चों की त्रुटियाँ समाप्त हो जाती हैं

(4) बच्चे अपनी त्रुटियों के कारण को समझ जाते हैं।

ANS : 1

Q.137. भाषा सीखने में होने वाली त्रुटियाँ

(1) सही नहीं हैं, इनके प्रति कठोर रवैया अपनाना चाहिए

(2) बच्चे, शिक्षक पाठ्यक्रम आदि की असफलताओं के संकेतक हैं

(3) भाषा-प्रयोग की असफलता की ओर संकेत करती है

(4) भाषा सीखने की प्रक्रिया के स्वाभाविक पड़ाव हैं

ANS : 4

Q.138. वाइगोत्स्की ने भाषा-सीखने की प्रक्रिया में किस पर बल दिया है?

(1) कक्षायी अभ्यासों पर

(2) सामाजिक अन्त:क्रिया पर

(3) पाठ्य-पुस्तकों पर

(4) उचित आकलन पर

ANS : 2

Q.139. व्याकरण के पक्षों और शब्दों की बारीकी की समझ का आकलन

(1) परिभाषा के रूप में किया जाना चाहिए

(2) सन्दर्भ युक्त सामग्री में किया जाना चाहिए

(3) बिल्कुल नहीं किया जाना चाहिए

(4) अधिक अंकों का होना चाहिए

ANS : 2

Q.140. बच्चे अनुकरण से भाषा सीखते हैं। यह कथन

(1) पूर्णत: सत्य है

(2) आंशिक रूप से ही सत्य है

SACHIN ACADEMY

(3) पूर्णतः असत्य है (4) सारहीन है

ANS : 2

Q.141. ..... के अतिरिक्त निम्नलिखित पाठ्यक्रम सहगामी क्रिया-कलाप भाषा सीखने में सहायक हो सकते हैं।

(1) परिचर्चा (2) घटना-वर्णन (3) पाठों को याद करना (4) गीत

ANS : 3

Q.142. कक्षा और बहुभाषिक और बहुसांस्कृतिक सन्दर्भो के प्रति संवेदनशीलता का विकास करना

(1) हिन्दी भाषा शिक्षण का एक मुख्य उद्देश्य है

(2) भाषा-नीति की जटिल समस्या है

(3) हिन्दी भाषा-शिक्षण के प्रति अरुचि का कारण है

(4) हिन्दी भाषा शिक्षण में एक जटिल समस्या है।

ANS : 1

Q.143. उच्च प्राथमिक स्तर पर बच्चों के लिए साहित्य का चयन करते समय आप किस बात का सर्वाधिक ध्यान रखेंगे?

(1) सरल भाषा (2) रचनाकार की प्रसिद्धि

(3) रचनाओं की लम्बाई (4) बच्चों का स्तर और रुचि

ANS : 4

Q.144. आठवीं कक्षा में पढ़ाने वाले अली अकसर बच्चों के गलत शब्दों के नीचे शब्द का ठीक रूप लिखकर दोनों में अन्तर करने के लिए कहते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य है

(1) आकलन को लचीला और सुविधापूर्ण बताना

(2) बच्चों को उनकी गलती का अनुभव कराना

(3) शब्दों की सही वर्तनी की जानकारी देना

SACHIN ACADEMY

(4) अवलोकन द्वारा सही वर्तनी की ओर ध्यान आकृष्ट करना

ANS : 4

Q.145. कक्षा का बहुभाषिक सन्दर्भ यह माँग करता है कि

(1) बच्चों का भाषा-आकलन बिलकुल न हो

(2) बच्चों की मातृभाषा को कक्षा में स्थान दिया जाए

(3) बच्चों की मातृभाषा को ही पढ़ाया जाए

(4) बच्चों को चार-चार भाषाएँ पढ़ाई जाएँ

ANS : 2

Q.146. एकांकी पढ़ाने का सबसे अच्छा तरीका है

(1) बच्चों से अलग-अलग पात्रों के संवाद पढ़वाए जाएँ और फिर एकांकी का मंचन हो

(2) एकांकी को बच्चे घर से पढ़कर आएँ और कक्षा में शिक्षक सवाल पूछे

(3) शिक्षक स्वयं पढ़ते हुए सवाल पूछते जाएँ

(4) शिक्षक स्वयं पढ़ें और बच्चे सुनें

ANS : 1

Q.147. 'भाषा-शिक्षण' के सन्दर्भ में कौन-सा कथन सही नहीं है?

(1) बच्चे अपने द्वारा बनाए गए भाषा-नियमों में विस्तार एवं परिवर्तन करते हैं

(2) समृद्ध भाषा-परिवेश भाषा अर्जित करने में सहायक होता है

(3) बच्चों की मातृभाषा का कक्षा में प्रयोग नहीं होना चाहिए

(4) बच्चे भाषा की जटिल संरचनाओं के साथ विद्यालय आते हैं

ANS : 3

Q.148. 'बोलना-कौशल' के विकास के लिए सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण सिद्ध हो सकता है

(1) श्रुतलेख

(2) कथा श्रवण

(3) परस्पर वार्तालाप

(4) सुनी गई सामग्री का ज्यों-का-त्यों प्रस्तुतीकरण

SACHIN ACADEMY

ANS : 3

Q.149. किस प्रकार के प्रश्न बच्चों की भाषागत समझ का आकलन करने में अधिक सहायक नहीं होते?

(1) पाठ पर आधारित तथ्यात्मक प्रश्न
(2) कल्पनापरक प्रश्न
(3) चिन्तनपरक प्रश्न
(4) अनुमानपरक प्रश्न

ANS : 4

Q.150. भाषा प्रयोग की कुशलता सम्भव है

(1) केवलं भाषा सुनने से
(2) केवल साहित्य पढ़ने से
(3) भाषा की पाठ्य-पुस्तक पढ़ने से
(4) अधिक-से-अधिक भाषा-प्रयोग से

ANS : 4

Q.1. पढ़ना कौशल में ..... सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है।

(1) द्रुत गति से पढ़ना
(2) उच्चारण की शुद्धता
(3) अर्थ ग्रहण करना
(4) लिपि-चिह्नों की जानकारी

ANS : 3

Q.2. कविता-शिक्षण में आप सर्वाधिक महत्त्व किसे देंगे?

(1) कविता का भावपूर्ण पठन और रसानुभूति
(2) कविता में अलंकारों की पहचान
(3) कविता का भाव-विश्लेषण
(4) कविता के तत्त्वों के आधार पर उसकी समीक्षा

ANS : 1

Q.3. बच्चा स्वाभाविक रूप से अपने घर और समाज के वातावरण से ..... अर्जित करता है।

(1) वाक्य
(2) शब्द
(3) व्याकरण
(4) भाषा

ANS : 4

SACHIN ACADEMY

Q.4. कक्षा आठ की एक बच्ची 'लड़का' को 'लरका' बोलती है। इसका सम्भावित कारण है

(1) उसे उच्चारण का ज्ञान बिलकुल नहीं है (2) यह उसकी मातृभाषा का प्रभाव है

(3) वह बोलने में लापरवाही बरतती है (4) उसे उच्चारण दोष है

ANS : 2

Q.5. भाषा अनुकरण के माध्यम से ही सीखी जाती है। यह विचार किससे सम्बद्ध है?

(1) स्किनर से (2) वाइगोत्स्की से (3) चॉम्स्की से (4) पियाजे से

ANS : 1

Q.6. बच्चों की भाषायी क्षमता की क्रमिक प्रगति के बारे में बताने में सर्वाधिक मदद करता है

(1) पोर्टफोलियो (2) लिखित परीक्षा (3) अवलोकन (4) जाँच सूची

ANS : 1

Q.7. व्याकरण-शिक्षण की अपेक्षाकृत बेहतर विधि है

(1) आगमन विधि (2) निगमन विधि (3) सूत्र विधि (4) पुस्तक विधि

ANS : 1

Q.8. उच्च प्राथमिक स्तर पर हिन्दी सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में किसकी महत्त्वपूर्ण भूमिका नहीं है?

(1) अभ्यास-पत्रक (2) प्रश्न-पत्र (3) संचार माध्यम (4) पाठ्य-पुस्तक

ANS : 2

Q.9. समृद्ध बाल-साहित्य का सबसे महत्त्वपूर्ण उद्देश्य है

(1) नैतिक मूल्यों का विकास (2) भाषा संरचना का विकास

(3) कल्पना-शक्ति का विकास (4) सृजनात्मक भाषा-प्रयोग का विकास

ANS : 4

Q.10. हिन्दी भाषा की कक्षा में एक बच्चा बोलते समय अपनी मातृभाषा के शब्दों का प्रयोग करता है। ऐसी स्थिति में आप क्या करेंगे?

SACHIN ACADEMY

(1) उसे टोकेंगे और उसकी मातृभाषा के शब्दों के स्थान पर हिन्दी के शब्दों का प्रयोग दृढ़ता से करवाएँगे

(2) उसकी भाषिक अभिव्यक्ति पर ध्यान नहीं देंगे और पाठ जारी रखेंगे

(3) उसे टोकेंगे नहीं और उसकी मातृभाषा के शब्दों के स्थान पर हिन्दी के शब्दों का प्रयोग कर वाक्य को दोहराएंगे

(4) उसे टोकेंगे नहीं और उसकी मातृभाषा के शब्दों का ही प्रयोग स्वयं भी करेंगे

ANS : 3

Q.11. आकलन एक सतत् प्रक्रिया है। इसका प्राथमिक उददेश्य है

(1) प्रविधि, पाठ्य-पुस्तक, शिक्षक और विद्यार्थी में सुधार का अवलोकन

(2) प्रविधि, सामग्री, शिक्षक और कक्षाकार्य निष्पादन में सुधार की प्रतिपुष्टि

(3) विषय-वस्तु, शिक्षण, पाठ्य सामग्री और प्रशिक्षण में सुधार की प्रतिपुष्टि

(4) विषय-वस्तु, पाठ्य-पुस्तक, शिक्षक और कक्षा में सुधार का समर्थन

ANS : 2

Q.12. सन्दर्भ के अनुसार, शब्दों के उपयुक्त चयन सम्बन्धी त्रुटियों को दूर करने के लिए सर्वाधिक कारगर तरीका क्या है?

(1) व्याकरण की विविध पुस्तकें पढ़ाना

(2) विविध शब्दों का वाक्य-प्रयोग करवाना

(3) विविध शब्दों की सूची याद करवाना

(4) विविध भाषा-प्रयोग से परिचित कराना

ANS : 4

Q.13. सभी भाषायी कुशलताएँ

(1) एक-दूसरे से अलग हैं

(2) एक-दूसरे से बढ़कर हैं

(3) एक-दूसरे को प्रभावित नहीं करती

(4) एक-दूसरे से सम्बद्ध हैं

ANS : 4

Q.14. व्याकरण के ज्ञान का मुख्य उद्देश्य है

SACHIN ACADEMY

(1) व्याकरणिक बिन्दुओं की परिभाषा याद करना

(2) भाषा-प्रयोग में अतिशुद्धतावादी होना

(3) व्याकरणिक तत्वों की सूची बनाना

(4) भाषा-प्रयोग में व्याकरण का ध्यान रखना

ANS : 4

Q.15. सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के सन्दर्भ में आप किस कथन से सहमत हैं?

(1) जो बच्चे पिछली कक्षा की बातें नहीं सीख पाए हैं, वे अगली कक्षा में और पिछड़ जाएँगे। अतः उन्हें उसी कक्षा में रोक देना चाहिए

(2) बच्चों को किन्हीं अवधारणाओं को न सीखने के कारण फेल करके रोकना उचित ही है

(3) जो बच्चे किसी कक्षा में सीख नहीं पाए हैं, उन्हें फेल करके रोकने से भी जरूरी नहीं कि वे सीख जाएँ

(4) एक कक्षा में हम जो सीखते हैं उसके सभी अंश अगली कक्षा के लिए अनिवार्य बुनियाद होते हैं

ANS : 3

Q.16. उच्च प्राथमिक स्तर पर विभिन्न उद्देश्यों के लिए किए जाने वाले लेखन कार्य में सबसे महत्त्वपूर्ण है-

(1) आपदा प्रबन्धन पर स्लोगन लिखना

(2) अधूरी कहानी का अंत लिखना

(3) डायरी लिखना

(4) जल संरक्षण का विज्ञापन बनाना

ANS : 3

Q.17. बहुभाषिक कक्षा में बच्चों की भाषाएँ

(1) संसाधन के रूप में इस्तेमाल की जा सकती हैं

(2) एक जटिल समस्या है, जो अन्य समस्याएँ पैदा करती हैं

(3) हिन्दी भाषा की कक्षाओं से बाहर ही रही चाहिए

SACHIN ACADEMY

(4) बहुत गम्भीर समस्या है, जिसका कोई समाधान नहीं है

ANS : 1

Q.18. हिन्दी भाषा सीखने-सिखाने के लिए अनिवार्य है-

(1) समृद्ध भाषा-परिवेश की उपलब्धता (2) हिन्दी भाषा की लिखित परीक्षा

(3) भाषा की दृश्य-श्रव्य सामग्री की उपलब्धता (4) भाषा की पाठ्य-पुस्तक की उपलब्धता

ANS : 1

Q.19. हिन्दी भाषा शिक्षक के रूप में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है

(1) साहित्यिक लेखन एवं पुरस्कार (2) भाषा की शिक्षा शास्त्रीय समझ

(3) साहित्यिक संगोष्ठियों में भागीदारी (4) भाषा की परिभाषाओं का याद होना

ANS : 2

Q.20. बच्चों में पठन के प्रति रुचि जागृत करने के लिए पाठ्य-पुस्तक के अतिरिक्त .....सामग्री का विकास किया जा सकता है।

(1) सरल (2) पूरक (3) जटिल (4) मूल्यपरक

ANS : 2

Q.21. उच्च प्राथमिक स्तर पर हिन्दी भाषा की पाठ्य-पुस्तकों में अन्य विषयों के पाठों को स्थान देने का एक महत्त्वपूर्ण उद्देश्य है

(1) दूसरे विषयों का ज्ञान देना। (2) विषय की शब्दावली का विकास।

(3) अन्य विषयों का कार्यभार कम करना। (4) हिन्दी की पाठ्य-पुस्तक को समावेशी बनाना।

ANS : 4

Q.22. एक तरफ भाषा हमारी ..... को व्यवस्थित करती है, तो दूसरी तरफ यह हमें .....भी करती है और हमें ज्ञान और कल्पना की अनखोजी दुनिया में ले जाती है।

(1) संस्कृति, नियन्त्रित (2) विचार-प्रक्रिया, सुसंस्कृत

(3) जानकारी, मुक्त (4) विचार-प्रक्रिया, मुक्त

ANS : 2

SACHIN ACADEMY

Q.23. रूपा बड़े समूह के सामने अपनी बात कहते समय अटकती है। एक शिक्षक के रूप में आप उसकी सहायता कैसे करेंगे?

(1) प्रारम्भ में छोटे-छोटे समूहों में बात करने के भरपूर अवसर देंगे

(2) उसे बार-बार समझाएँगे कि बड़े समूह में किस तरह बोला जाता है

(3) उसमें बलपूर्वक आत्मविश्वास उत्पन्न करेंगे

(4) उसे हमेशा बड़े समूह के सामने बोलने के लिए कहेंगे

ANS : 1

Q.24. भाषा सीखने में सबसे बड़ा बाधक तत्व हो सकता है

(1) भाषायी प्रयोग के अवसर (2) इकाई परीक्षण

(3) भाषा में आकलन (4) पाठ्य-पुस्तक

ANS : 3

Q.25. उच्च प्राथमिक स्तर पर भाषा-शिक्षण का एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण उद्देश्य है

(1) समस्त हिंदी साहित्यकारों से परिचित कराना।

(2) समस्त अहिंदी साहित्यकारों से परिचित कराना।

(3) व्याकरण के नियम सिखाना व प्रयोग करवाना।

(4) विभिन्न कार्यक्षेत्रों से जुड़ी प्रयुक्तियों से परिचित कराना।

ANS : 4

Q.26. भाषा सीखने और भाषा अर्जित करने में अंतर का मुख्य आधार है

(1) भाषा का परिवेश (2) भाषा की प्रकृति

(3) भाषा की जटिलता (4) भाषा का सौंदर्य

ANS : 1

Q.27. भाषा स्वयं में एक _____ व्यवस्था है।

(1) नियमबद्ध (2) तार्किक (3) सरल (4) जटिल

SACHIN ACADEMY

ANS : 1

Q.28. मुहावरे, लोकोक्तियों का प्रयोग

(1) भाषा-शिक्षण का एकमात्र उद्देश्य है (2) दूसरों को प्रभावित करने का सरल तरीका है

(3) भाषा को अलंकृत करता है (4) भाषिक अभिव्यक्ति को प्रभावी बनाता है

ANS : 4

Q.29. एक भाषा-शिक्षक के रूप में पाठ पढ़ाने के उपरान्त आप निम्नलिखित में से किस प्रकार के प्रश्न को सर्वाधिक महत्त्व देंगे?

(1) गांधीजी के जीवन, व्यक्तित्व की किन विशेषताओं ने आपको प्रभावित किया है और क्यों?

(2) सत्याग्रही बन्दियों को समाचार-पत्र क्यों नहीं मिलते थे?

(3) गांधीजी के आचरण ने आदमी में क्या परिवर्तन ला दिया?

(4) गांधीजी ने पुन: पुराने ब्लॉक में जाने का आग्रह क्यों किया?

ANS : 1

Q.30. भाषा की कक्षा में विभिन्न संचार माध्यमों (मुद्रित और अमुद्रित) का प्रयोग

(1) शिक्षक को बाकी शिक्षकों से अलग और श्रेष्ठ सिद्ध करता है

(2) भाषा-शिक्षक की कर्त्तव्यनिष्ठा का द्योतक है

(3) समावेशी कक्षा की आवश्यकताओं को पूरा करने में सहयोग देता है

(4) बच्चों की भाषा के आकलन में अनिवार्य है

ANS : 3

Q.31. सामाजिक व्यवहार के .... व सांस्कृतिक पैटर्न (नमूने) अवचेतन स्तर पर ग्रहण किए जाते हैं।

(1) आर्थिक (2) व्यावहारिक (3) राजनीतिक (4) भाषिक

ANS : 4

Q.32. हिन्दी भाषा की कक्षा में

SACHIN ACADEMY

(1) सभी बच्चे समान रूप से हिन्दी सीखते हैं (2) सभी बच्चे एक ही भाषा के नहीं होते

(3) सभी बच्चे समान रूप से हिन्दी बोलते हैं (4) सभी बच्चे एक ही भाषा के होते हैं

ANS : 2

Q.33. हिन्दी भाषा की पाठ्य-पुस्तक के माध्यम से

(1) भाषा-नियमों की जानकारी मिलती है

(2) साहित्यिक विधाओं की जानकारी मिलती है

(3) भाषा एवं सामाजिक विमर्श को भी बढ़ावा मिलता है

(4) भाषा ही सीखी जा सकती है

ANS : 3

Q.34. भाषा-शिक्षण के सन्दर्भ में कौन-सा कथन सही नहीं है?

(1) भाषागत शुद्धता के प्रति अत्यधिक कठोर रवैया नहीं अपनाना चाहिए

(2) समृद्ध भाषिक परिवेश में बच्चे स्वयं नियमों का निर्माण करते हैं

(3) भाषा-शिक्षण में समृद्ध भाषिक परिवेश उपलब्ध कराना जरूरी है

(4) भाषा की नियमबद्ध व्यवस्था को केवल व्याकरण के माध्यम से ही जाना जा सकता है

ANS : 4

Q.35. भाषा तब सबसे सहज और प्रभावी रूप से सीखी जाती है, जब

(1) भाषा-प्रयोग की दक्षता प्रमुख उद्देश्य हो

(2) भाषा की पाठ्य-पुस्तक में अधिक-से-अधिक पाठों का समावेश हो

(3) भाषा के नियम कण्ठस्थ कराए जाएँ

(4) भाषा-शिक्षक कठोर रवैया अपनाते हैं

ANS : 1

Q.36. भाषा-कौशलों के बारे में कौन-सा कथन सही है?

(1) भाषा के कौशलों में से केवल पढ़ना-लिखना महत्त्वपूर्ण है

SACHIN ACADEMY

(2) भाषा के मूल रूप से कौशलों में से केवल सुनना, बोलना ही महत्त्वपूर्ण है

(3) भाषा के कौशल केवल क्रमबद्ध रूप से ही सीखे जाते हैं

(4) भाषा के कौशल परस्पर अन्त:सम्बन्धित हैं

ANS : 4

Q.37. भाषा की पाठ्य-पुस्तक में ऐसे पाठ चुने जाएँ, जो

(1) संक्षिप्त हों

(2) प्रसिद्ध लेखकों के हों

(3) बच्चों के संवेदना-लोक के साथी बन सकें

(4) अनिवार्यत: मूल्यों से ओत-प्रोत हों

ANS : 3

Q.38. भाषा में आकलन का प्रयोग मुख्यत: के लिए होना चाहिए।

(1) बच्चों के भाषा-सौन्दर्य परीक्षण

(2) बच्चों के भाषा प्रयोग की क्षमता

(3) भाषा के उच्च ज्ञान के परीक्षण

(4) भाषा की पाठ्यचर्या के स्तर-ज्ञान

ANS : 2

Q.39. भाषा-शिक्षक के रूप में आपके लिए महत्त्वपूर्ण है

(1) बच्चों द्वारा त्रुटिरहित भाषा प्रयोग करवाना

(2) बच्चों से पाठ्य-पुस्तक पढ़वाना

(3) बच्चों द्वारा बेझिझक भाषा प्रयोग करवाना

(4) बच्चों से विस्तार से गृह कार्य करवाना

ANS : 3

Q.40. उच्च प्राथमिक स्तर पर पाठ्य-पुस्तक में दिए गए विभिन्न साहित्यिक विधाओं के पाठ बच्चों को

(1) दर्शाए सभी विकल्प

(2) हिन्दी भाषा की विभिन्न रंगतों से परिचित कराते हैं

(3) हिन्दी भाषा के प्रसिद्ध रचनाकारों से परिचित कराते हैं

SACHIN ACADEMY

(4) हिन्दी भाषा में साहित्य-सृजन के लिए प्रेरित करते हैं

ANS : 1

Q.41. उच्च प्राथमिक स्तर पर बच्चों के भाषा-आकलन में सर्वाधिक प्रभावी प्रश्न है

(1) तुम भी अपने ढंग से 'तनिक' शब्द का इस्तेमाल करते हुए पाँच वाक्य बनाओ।

(2) रूप बदलकर बादल किसान के कौन-से सपनों को साकार करेगा?

(3) बादलों के घिर आने पर कवि किसान को उठने के लिए क्यों कहता है?

(4) जब हरा खेत लहराएगा तो क्या होगा?

ANS : 1

Q.42. उच्च प्राथमिक स्तर पर बच्चों की लिखित अभिव्यक्ति का विकास करने में सबसे कम सहायक है।

(1) 'नादान दोस्त' कहानी का अन्त परिवर्तित करते हुए कहानी को अपने शब्दों में लिखो

(2) कविता की अधूरी पंक्तियों को देखकर पूरा करो

(3) अपने बचपन की कोई ऐसी घटना लिखो जब शरारत करने पर डाँट पड़ी हो

(4) अगर तुम्हारे घर के किसी कोने में चिड़िया अपना घोंसला बना ले तो तुम क्या करोंगे?

ANS : 2

Q.43. 'बहु-सांस्कृतिक' पृष्ठभूमि वाली भाषायी कक्षाओं में भाषा-शिक्षण के लिए अत्यावश्यक है

(1) परस्पर बातचीत के लिए अनेक अवसरों का निर्माण

(2) विद्यार्थियों को 'श्रवण व लेखन' कौशलों के अधिकाधिक अवसर देना

(3) विद्यार्थियों को 'भाषण व लेखन' के अधिकाधिक अवसर देना

(4) लक्ष्यभाषा के विभिन्न भाषिक तत्त्वों का अधिकाधिक अभ्यास

ANS : 1

SACHIN ACADEMY

Q.44. 'भाषा-शिक्षण' में शब्दार्थ पर अधिक बल नहीं देना चाहिए, क्योंकि

(1) शब्दों के अर्थ शब्दकोश से देखे जा सकते हैं

(2) इसमें समय व्यर्थ होता है

(3) बच्चे सारे शब्दों के अर्थ जानते हैं

(4) बच्चे सन्दर्भ के अनुसार अनुमान लगाते हुए अर्थ ग्रहण कर लेते हैं

ANS : 4

Q.45. विशेष क्षमता वाले बच्चों की कक्षा में 'लेखन-कौशल' के अभ्यास के लिए महत्त्वपूर्ण है

(1) विचारों की मौलिकता

(2) शुद्ध वर्तनी का प्रयोग

(3) आलंकारिक भाषा का प्रयोग

(4) अक्षरों की सुन्दर बनावट

ANS : 1

Q.46. बच्चों के लिखित कार्य के आकलन में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है

(1) तत्सम शब्दों का प्रयोग

(2) अभिव्यक्त विचार

(3) वर्तनी

(4) वाक्य-विन्यास

ANS : 2

Q.47. बहुभाषिक कक्षा में शिक्षक में इतनी योग्यता अवश्य हो कि वह

(1) विभिन्न भाषाओं में पाठों की विषय-वस्तु का शब्दश: अनुवाद कर सके

(2) सरल प्रश्न-पत्र बना सके

(3) सभी बच्चों की मातृभाषाओं की संरचनाओं को जान सके

(4) पाठ्य-पुस्तक को जल्दी पूर्ण करा सके

ANS : 3

Q.48. विद्यालय आने से पूर्व बच्चे

(1) सभी भाषाओं में पूर्ण दक्षता रखते हैं

SACHIN ACADEMY

(2) भाषा के व्याकरण की सचेत समझ रखते हैं

(3) भाषा का बिल्कुल भी ज्ञान नहीं रखते

(4) अपनी भाषा में समझने-समझाने की कुशलता से लैस होते हैं

ANS : 4

Q.49. पॉल भाषा की कक्षा में अकसर बाल साहित्य पढ़ते हुए नजर आता है। इसका सम्भावित कारण है

(1) उसे केवल कहानियाँ पढ़ने का शौक है

(2) उसकी पाठ्य-पुस्तक नीरस है

(3) उसमें पढ़ने के प्रति ललक है

(4) शिक्षक का शिक्षण नीरस है

ANS : 3

Q.50. भाषा सीखने में तब अधिक आसानी होती है, जब

(1) पाठय-पुस्तक नहीं पढ़ाई जाती

(2) बच्चों को समृद्ध भाषायी परिवेश उपलब्ध कराया जाए

(3) भाषा की परीक्षा नहीं होती

(4) जब शिक्षक कहानी सुनाते हैं

ANS : 2

Q.51. उच्च प्राथमिक स्तर पर कहानी के शिक्षण के उद्देश्य नहीं हैं

(1) भाषा के विविध प्रयोगों से परिचय कराना

(2) शब्द किस प्रकार सन्दर्भ में अर्थ देते हैं- इससे परिचय कराना

(3) कहानी-लेखन की विभिन्न शैलियों से परिचय कराना

(4) हिन्दी भाषा में लिखी गई सभी कहानियों से परिचय कराना

ANS : 1

Q.52. सांस्कृतिक पर्वो के दौरान कक्षा में लोकगीतों की प्रस्तुति का आयोजन करने का उददेश्य है

SACHIN ACADEMY

(1) बच्चों की सांस्कृतिक जानकारी को बढ़ाना

(2) बच्चों की गायन क्षमता का विकास करना

(3) स्थानीय अनुभवों की परख करना

(4) बाहरी अनुभवों को कक्षा के अनुभवों से जोड़ना

ANS : 4

Q.53. भाषा-शिक्षक की भूमिका में महत्त्वपूर्ण यह है कि वह

(1) पाठ्य-पुस्तक आधारित आकलन के स्थान पर स्वयं बहुविकल्पीय प्रश्न तैयार करे

(2) पाठ्य-पुस्तक को ही आकलन का एकमात्र आधार माने

(3) पाठ्य-पुस्तक को समय-सीमा के भीतर पूर्ण करा दे

(4) पाठ्य-पुस्तक की सीमा से स्वतन्त्र होकर विविध सन्दर्भों में भाषा-प्रयोग को महत्त्व दे

ANS : 4

Q.54. निम्नलिखित वाक्य में रिक्त स्थानों के लिए उपयुक्त शब्दों वाला विकल्प चुनिए।

"..... में बोली जाने वाली, ... के बीच और पड़ोसी की भाषाओं तथा ..... में प्रयुक्त की जाने वाली भाषा के बीच के फासले को काटने का भरपूर प्रयास किया जाना चाहिए।"

(1) घर, समुदाय, पाठ्य-पुस्तक

(2) समुदाय, दोस्तों, साहित्य

(3) स्कूल, समुदाय, पाठ्य-पुस्तक

(4) घर, दोस्तों, स्कूल

ANS : 4

Q.55. श्यामला केवल उन्हीं प्रश्नों के उत्तर लिखती है, जो उसने याद किए होते हैं। इसका कारण हो सकता है

(1) उसकी स्मरण-शक्ति बहुत तेज है

(2) उसकी विचार-प्रक्रिया अव्यवस्थित है

(3) उसमें कल्पनाशीलता जैसे गुण का अभाव है

(4) उसकी कक्षा में सब ऐसा ही करते हैं

ANS : 3

SACHIN ACADEMY

Q.56. भाषा का प्रमुख प्रकार्य है

(1) भाषण देना (2) प्रतिवेदन लेखन (3) सम्प्रेषण करना (4) लेखन दक्षता

ANS : 3

Q.57. अनुस्वार एवं अनुनासिक का प्रयोग करने सम्बन्धी त्रुटियों को दूर किया जा सकता है

(1) स्वयं सही उच्चारण का आदर्श प्रस्तुत कर

(2) अनुस्वार वाले शब्दों की सूची बनवाकर

(3) अनुनासिक के नियम बताकर

(4) छपी सामग्री से समृद्ध वातावरण देकर

ANS : 4

Q.58. उच्च प्राथमिक स्तर पर हिन्दी भाषा के आकलन का सबसे कमजोर बिन्दु है

(1) लेखन में तार्किकता का समावेश (2) भाषा का सृजनात्मक प्रयोग

(3) संस्कृतनिष्ठ शब्दावली का प्रयोग (4) लिखने में नए शब्द इस्तेमाल करना

ANS : 3

Q.59. उच्च प्राथमिक स्तर पर व्याकरण पढ़ाने की आगमन पद्धति में

(1) उदाहरण से नियम की ओर जाते है (2) नियम से उदाहरण की ओर जाते हैं

(3) व्याकरण की पाठ्य-पुस्तक पर केन्द्रित रहते हैं (4) जटिल से सरल की आरे जाते हैं

ANS : 1

Q.60. उच्च प्राथमिक स्तर पर हिन्दी भाषा के आकलन में सबसे महत्त्वपूर्ण है-

(1) हिन्दी भाषा की बारीकियों की समझ व प्रयोग

(2) हिन्दी भाषा के साहित्यकारों की जानकारी

(3) हिन्दी भाषा की मानक वर्तनी की जानकारी

(4) हिन्दी भाषा के व्याकरण की जानकारी

SACHIN ACADEMY

ANS : 1

Q.61. भाषा शिक्षण के सन्दर्भ में सतत् और व्यापक आकलन के लिए सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण बिन्दु है

(1) बच्चों के भाषा-प्रयोग का निरन्तर अवलोकन

(2) बच्चों के भाषा-प्रयोग का कक्षायी अवलोकन

(3) बच्चों के पढ़ने-लिखने की कुशलता का अवलोकन

(4) बच्चों की उच्चारण त्रुटियों पर अत्यधिक ध्यान देना

ANS : 1

Q.62. 'भाषा की नियमबद्ध प्रवृत्ति को पहचानना और उसका विश्लेषण करना' उच्च प्राथमिक स्तर के भाषा-शिक्षण का एक ..... उद्देश्य है।

(1) महत्त्वपूर्ण (2) निरर्थक (3) कमजोर (4) सर्वोपरि

ANS : 1

Q.63. बच्चों में जन्मजात भाषिक क्षमता होती है। इसका एक शिक्षाशास्त्रीय पक्ष यह है कि पर्याप्त अवसर मिलने पर बच्चा

(1) परिचित भाषा जल्दी सीखेगा (2) नई भाषा आसानी से सीखेगा

(3) पढ़ना-लिखना जल्दी सीखेगा (4) सुनना-बोलना जल्दी सीखेगा

ANS : 2

Q.64. 'अन्त:वाक्' की संकल्पना का सम्बन्ध किससे है?

(1) वाइगोत्स्की (2) पियाजे (3) स्किनर (4) चॉम्स्की

ANS : 1

Q.65. अपनी कक्षा में समावेशी माहौल का निर्माण करने के लिए आप किस बात को सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण मानते हैं?

(1) विभिन्न प्रकार के दृश्य-श्रव्य संसाधनों का सदैव अनिवार्य प्रयोग

(2) स्वयं के बोलने की गति को बहुत धीमा रखना

SACHIN ACADEMY

(3) सभी बच्चों से सभी भाषिक प्रकार्यों को समान रूप से सम्पादित करवाना

(4) विभिन्न प्रकार के दृश्य-श्रव्य संसाधनों का आवश्यकतानुसार उचित प्रयोग

ANS : 4

Q.66. उच्च प्राथमिक स्तर पर अपनाई जाने वाली भाषा- शिक्षण युक्तियों में से आप किसे सबसे कम महत्त्व देंगे?

(1) उचित गति एवं प्रवाह के साथ पढ़ना

(2) चित्र दिखाकर उस पर आधारित कविता, कहानी लिखना

(3) औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्र-लेखन

(4) अधूरी कहानी को पूरी कर सुनाना तथा लिखना

ANS : 3

Q.67. हिंदी भाषा का आकलन करने के संदर्भ में वे प्रश्न अपेक्षाकृत बेहतर होते हैं –

(1) जिनके उत्तर जटिल व दीर्घ होते हैं।

(2) जिनके उत्तर तयशुदा होते हैं ।

(3) जो बच्चों की कल्पना, सृजनशीलता को बढ़ावा देते हैं।

(4) जो बच्चों को सुंदर लेखन के लिए प्रेरित करते हैं।

ANS : 3

Q.68. दीप्ति ने आठवीं कक्षा के बच्चों को समान भाव वाली कविता खोज कर सुनाने के लिए कहा । इसका प्रमुख कारण है –

(1) बच्चों का मनोरंजन करने का निर्वहन ।

(2) बच्चों के बोध स्तर का आकलन करना।

(3) बच्चों को समान भाव का अर्थ समझाना ।

(4) बच्चों की श्रवण-प्रक्रिया का आकलन करना।

ANS : 2

SACHIN ACADEMY

Q.69. नाटक और एकांकी पढ़ने-पढ़ाने के दौरान सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है

(1) मौन पठन (2) संवाद अदायगी

(3) उच्चारणगत शुद्धता (4) नाटक के शास्त्रीय तत्त्व

ANS : 2

Q.70. रचनात्मक आकलन का सबसे सही तरीका है

(1) कहानी पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दो (2) कहानी पढ़कर प्रश्न बनाओ

(3) कहानी पढ़कर कोई तीन मिश्रित वाक्य छाँटो (4) कहानी पढ़कर पाँच मुहावरे छाँटो

ANS : 2

Q.71. भाषा-शिक्षण की किस विधि में लक्ष्य भाषा सिखाते समय मातृभाषा का प्रयोग नहीं किया जाता?

(1) प्रत्यक्ष विधि (2) अप्रत्यक्ष विधि (3) व्याकरण विधि (4) अनुवाद विधि

ANS : 1

Q.72. 'पोर्टफोलियो' के सम्बन्ध में कौन-सा कथन सही है?

(1) इससे बच्चों को लिखित कार्य करने की आदत पड़ जाती है

(2) इससे शिक्षक के समय की बचत होती है

(3) इससे बच्चों की क्रमिक प्रगति के बारे में पता चलता है

(4) बच्चों के कार्य को एक जगह संकलित करना प्रमुख उद्देश्य है

ANS : 3

Q.73. व्याकरण शिक्षण के सन्दर्भ में आपका बल किस बिन्दु पर होगा?

(1) व्याकरण के नियमों की सैद्धान्तिक विवेचना पर

(2) व्याकरण के व्यावहारिक पक्ष पर

(3) व्याकरणिक कोटियों की पहचान पर

(4) व्याकरणिक नियमों को कण्ठस्थ करने पर

SACHIN ACADEMY

ANS : 2

Q.74. प्रत्येक भाषा की पृष्ठभूमि में अवस्थित भाषिक व्यवस्था ही ..... और कार्यक्रमों को गढ़ती है तथा व्यक्ति के मानसिक क्रियाकलाप के लिए निर्देशन का कार्य करती है।

(1) मर्यादाओं (2) धारणाओं (3) सामाजिक (4) चुनौतियों

ANS : 2

Q.75. बच्चों में भाषा-सीखने की क्षमता जन्मजात होती है। अत:

(1) उनकी इस क्षमता का भरपूर प्रयोग करते हुए भाषायी नियम सिखाए जाने चाहिए

(2) बच्चों को समृद्ध भाषिक परिवेश उपलब्ध कराया जाना चाहिए

(3) भाषा-शिक्षण का कार्य नहीं किया जाना चाहिए

(4) भाषा-शिक्षण का कार्य घर पर ही किया जाना चाहिए

ANS : 2

Q.76. मुहावरे और लोकोक्तियों का प्रयोग करना

(1) भाषिक अभिव्यक्ति को प्रभावी बनाता है

(2) केवल गद्य पाठों के अभ्यासों का हिस्सा है

(3) व्याकरण का प्रमुख हिस्सा है

(4) हिन्दी भाषा-शिक्षण का सबसे महत्त्वपूर्ण उद्देश्य है

ANS : 1

Q.77. भाषा-शिक्षण का निर्माणकारी उपागम इस बात पर बल देता है कि

(1) व्याकरण के नियम जानना ही शुद्ध भाषा-प्रयोग का एकमात्र आधार है

(2) समाज में व्याप्त भाषायी व्यवहार का अवलोकन करते हुए बच्चे स्वयं ही नियम बना लेते हैं।

(3) बच्चों को भाषायी नियम कण्ठस्थ करवाए जाएँ

(4) बच्चों की भाषागत शुद्धता पर विशेष बल देना चाहिए

SACHIN ACADEMY

ANS : 2

Q.78. भाषा सीखने में होने वाली त्रुटियाँ

(1) सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा हैं

(2) भाषा अपरिपक्वता को दर्शाती हैं

(3) अक्षम्य हैं

(4) शिक्षक की कमी को दर्शाती हैं

ANS : 1

Q.79. भाषा-शिक्षण के सन्दर्भ में कौन-सा कथन उचित है?

(1) भाषा-शिक्षण के लिए अधिकाधिक कठिन अभ्यासों का प्रयोग किया जाए

(2) आजकल भाषा-शिक्षण में अधिकाधिक उच्च स्तरीय ई-मेल तकनीक का प्रयोग अनिवार्य है

(3) भाषा-शिक्षण में सिनेमा को शामिल नहीं किया जाना चाहिए

(4) प्रथम भाषा-अर्जन की तरह द्वितीय भाषा के रूप में हिन्दी के सहज अर्जन के लिए प्रिन्ट समृद्ध वातावरण जरूरी है

ANS : 4

Q.80. उच्च प्राथमिक स्तर पर कौन-सा भाषा-शिक्षण का उद्देश्य नहीं है?

(1) निजी अनुभवों के आधार पर भाषा का सृजनशील प्रयोग

(2) भाषा के सौन्दर्य को समझने की क्षमता का विकास

(3) मुहावरों, लोकोक्तियों और कहावतों का सुचिन्तित प्रयोग करने की प्रवृत्ति का विकास

(4) कठिन शब्दों के अर्थ पूछना

ANS : 4

Q.81. उच्च प्राथमिक स्तर पर हिन्दी भाषा-शिक्षण का उद्देश्य नहीं है

(1) विभिन्न साहित्यिक विधाओं और ज्ञान से सम्बन्धित अन्य विषयों की समझ का विकास करना।

(2) सरसरी तौर पर किसी पाठ को देखकर उसकी विषय-वस्तु का पता करना।

(3) निजी अनुभवों के आधार पर भाषा का सृजनशील इस्तेमाल करना।

SACHIN ACADEMY

(4) भाषा की बारीकी और सौन्दर्यबोध के लिए हिन्दी भाष का व्याकरण कण्ठस्थ करना।

ANS : 4

Q.82. 'अपनी मातृभाषा में 'किसान' पर लिखी गई कविता को अपने मित्रों व शिक्षक को सुनाओ।' हिन्दी भाषा की पाठ्य-पुस्तक में यह प्रश्न

(1) कक्षा में समय के सदुपयोग का उत्कृष्ट उदाहरण है

(2) कक्षा में मनोरंजन का साधन है

(3) कक्षा में बच्चों को गीत गाने का अवसर देता है

(4) कक्षा के बहुभाषिक सन्दर्भ को पोषित करता है

ANS : 4

Q.83. बच्चों में पढ़ने-लिखने की कुशलता के विकास में सर्वाधिक सहायक है

(1) 'प्रदूषण' पर निबन्ध लिखना (2) सुलेख का कार्य

(3) श्रुतलेख का कार्य (4) कहानी पढ़कर सवाल बनाना

ANS : 4

Q.84. 'भाषा-अर्जन' और 'भाषा-अधिगम' के सन्दर्भ में कौन-सा कथन सत्य नहीं है?

(1) रोज़गार प्राप्त करने के लिए ही भाषा सीखी जाती है

(2) 'भाषा-अर्जन' के लिए समृद्ध भाषायी परिवेश की आवश्यकता होती है

(3) 'भाषा-अधिगम' में सम्प्रेषण-कुशलता पर भी बल रहता है

(4) भाषा-अर्जन सहज और स्वाभाविक होता है, जबकि भाषा-अधिगम प्रयासपूर्ण होता है

ANS : 1

Q.85. समावेशी-शिक्षा के सन्दर्भ में भाषा-शिक्षण के लिए अनिवार्य है

(1) विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का उपयोग

(2) व्याकरणिक संकल्पनाओं का अधिकाधिक अभ्यास

(3) एकांकी-शिक्षण में सभी की भागीदारी

SACHIN ACADEMY

(4) भाषा-कौशलों का उपयुक्त अभ्यास

ANS : 1

Q.86. हिन्दी भाषा में सतत् और व्यापक मूल्यांकन करते समय आप किस बात पर विशेष ध्यान देंगे?

(1) शुद्ध वर्तनी
(2) परियोजना-कार्य
(3) शुद्ध उच्चारण
(4) विभिन्न सन्दर्भो में भाषा-प्रयोग की कुशलता

ANS : 4

Q.87. बोलना कौशल में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है

(1) आँखों-देखा वर्णन करना
(2) बोलने की तेज गति
(3) शुद्ध उच्चारण
(4) समझकर बोलना

ANS : 1

Q.88. भाषा-शिक्षण की प्रक्रिया

(1) विभिन्न विषयों की कक्षाओं में भी सम्भव है
(2) अत्यन्त जटिल प्रक्रिया है
(3) भाषा की कक्षा में ही सम्भव है
(4) घर में सम्भव नहीं है

ANS : 1

Q.89. भाषा में आकलन सम्भव है

(1) केवल गतिविधियों द्वारा
(2) सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान अवलोकन द्वारा
(3) केवल परीक्षाओं द्वारा
(4) केवल परियोजना-कार्य द्वारा

ANS : 2

Q.90. भाषा के आधारभूत कौशलों में सर्वोपरि है

(1) सुनना और बोलना
(2) पढ़ना और लिखना
(3) बोलना, पढ़ना और लिखना
(4) सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना

ANS : 4

Q.91. कक्षा में प्रिण्ट समृद्ध वातावरण से आशय है

SACHIN ACADEMY

(1) कक्षा में रंगीन चार्ट, पोस्टर आदि लगाना

(2) कक्षा की दीवारों पर रंगीन कविता आदि पेण्ट कराना

(3) कक्षा में बड़े आकार में वर्णमाला के चार्ट लगाना

(4) कक्षा में पढ़ाई जा रही विषय-वस्तु के अनुरूप लिखित सामग्री प्रदर्शित करना

ANS : 4

Q.92. फरहीन अकसर अपनी कॉपी में कुछ-न-कुछ लिखती रहती है। एक भाषा-शिक्षक होने के नाते आपकी क्या प्रतिक्रिया होगी?

(1) फरहीन को कोई बीमारी है, उसका इलाज कराया जाए

(2) फरहीन को कॉपी के पन्ने खराब करने की आदत है, उसे मना किया जाए

(3) फरहीन अपने मन की बातों की अभिव्यक्ति चाहती है, उसके लेखन को कक्षा में प्रदर्शित किया जाए

(4) फरहीन को कुछ-न-कुछ करने की आदत है, इस पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है

ANS : 3

Q.93. गद्य पाठों के शिक्षण का उद्देश्य नहीं है

(1) समृद्ध भाषा-प्रयोगों के उदाहरण प्रस्तुत करना

(2) समस्त गद्य-विधाओं का पूर्ण ज्ञान देना

(3) भाषा-संरचना की समझ बढ़ाना

(4) विभिन्न प्रकार की भाषित प्रयुक्तियों का परिचय देना

ANS : 2

Q.94. दो भाषा बोलने वाले बच्चे न केवल अन्य भाषाओं पर अच्छा नियन्त्रण रखते हैं, बल्कि शैक्षिक स्तर पर वे

(1) अधिक बुद्धिमान होते हैं

(2) अधिक परिश्रमी होते हैं

(3) अधिक अंक प्राप्त करते हैं

(4) अधिक रचनात्मक होते हैं

SACHIN ACADEMY

ANS : 4

Q.95. भाषा का पोर्टफोलियो हो सकता है

(1) प्रपत्रों का आकर्षक संग्रह (2) परियोजना कार्यों का संगठित संग्रह

(3) प्रश्नानुसार लिखित उत्तरों का संग्रह (4) प्रपत्रों का संगठित और क्रमबद्ध संग्रह

ANS : 4

Q.96. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 भाषा को बच्चे के _____का सबसे समृद्ध संसाधन मानती है।

(1) व्यवसाय (2) भाषा (3) अस्मिता (4) व्यक्तित्व

ANS : 4

Q.97. कक्षा आठ के लिए साहित्य का चयन करते समय आप किस तत्त्व को सर्वाधिक महत्त्व देंगे/ देंगी?

(1) रहस्य-रोमांच (2) पशु-पक्षी (3) परी-कथा (4) राजा-रानी

ANS : 1

Q.98. किस तरह के बच्चों को हिन्दी भाषा सीखने में अधिक कठिनाई का सामना करना पड़ेगा?

(1) जिनकी मातृभाषा हिन्दी से भिन्न है (2) जिनकी मातृभाषा सरल है

(3) जिनकी मातृभाषा हिन्दी के समान है (4) जिनकी मातृभाषा मानक हिन्दी नहीं है

ANS : 1

Q.99. पाठ्य-पुस्तक का नया पाठ आरम्भ करने से पहले अध्यापक के लिए आवश्यक है कि वह

(1) पाठ के कठिन शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखकर उनका अर्थ बताए

(2) पाठ के मूल भाव पर बातचीत करे

(3) पाठ के रचनाकार का परिचय लिखवाए

(4) पाठ से मिलने वाली सीख के बारे में बताए

SACHIN ACADEMY

ANS : 2

Q.100. शैक्षिक प्रक्रियाओं के मूल्यांकन के सन्दर्भ में आप किस कथन से सहमति प्रकट करेंगे?

(1) बच्चों को पास-फेल करना वास्तव में व्यवस्थागत विफलताओं को बच्चों के सिर मढ़ना है

(2) परीक्षा और फेल हो जाने का डर वास्तव में बच्चों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनकर काम करता है

(3) कक्षा 8 तक विद्यार्थियों को फेल नहीं करने के प्रावधान के कारण देश में शिक्षा का स्तर गिर रहा है

(4) कक्षा 8 तक विद्यार्थियों को फेल न किए जाने के प्रावधान के कारण ही विद्यार्थी सीख नहीं पा रहे है

ANS : 1

Q.101. अन्तर्निहित भाषा क्षमता का सम्बन्ध ..... के साथ है।

(1) पियाजे (2) स्किनर (3) वाइगोत्स्की (4) चॉम्स्की

ANS : 4

Q.102. कक्षा आठ के बच्चों की पठन अवबोधन क्षमता का विकास करने में सहायक है

(1) पाठ्य-सामग्री को दोहराना (2) क्लोज परीक्षण

(3) लिखित परीक्षा (4) नाटक का मंचन

ANS : 2

Q.103. पियाजे के अनुसार, भाषा अन्य संज्ञानात्मक तन्त्रों की भाँति परिवेश के साथ ..... के माध्यम से ही विकसित होती है।

(1) अन्त:क्रिया (2) सामंजस्य (3) अलगाव (4) टकराव

ANS : 1

Q.104. व्याकरण-शिक्षण की वह पद्धति अपेक्षाकृत अधिक उचित है, जिसमें

(1) बच्चे नियमों को कण्ठस्थ कर लेते हैं

(2) बच्चे उदाहरणों से नियमों की ओर जाते हैं

SACHIN ACADEMY

(3) बच्चे नियमों से उदाहरणों की ओर जाते हैं

(4) बच्चे सूत्रों का प्रयोग करते हैं

ANS : 2

Q.105. आठवीं कक्षा के बच्चों के भाषा आकलन के लिए आप किसे सबसे कम महत्त्वपूर्ण मानते हैं?

(1) किसी कहानी को नाटक में रूपान्तरित करना

(2) साहित्यिक समारोहों का आयोजन करना

(3) लिखित परीक्षाओं का आयोजन करना

(4) किसी विषय पर अपने विचार प्रकट करना

ANS : 3

Q.106. 'पढ़ना' के बारे में कौन-सा कथन उचित नहीं है?

(1) पठन सामग्री का बच्चों की समझ और पूर्वानुभव से सम्बन्ध होना चाहिए

(2) सक्षम पाठक प्रत्येक शब्द पर ध्यान देते हैं

(3) अक्षर की विशेष आकृति और उसकी एक खास ध्वनि होती है

(4) पढ़ना उद्देश्यपूर्ण एवं चुनौतीपूर्ण हो

ANS : 2

Q.107. आलम अक्सर अपनी कक्षा में प्रसंगानुसार सिनेमा, एफ एम की चर्चा करता है। इसका प्रमुख कारण है

(1) सिनेमा और एफ एम बच्चों के अनुभव संसार का महत्त्वपूर्ण हिस्सा हैं

(2) बच्चों को संचार माध्यमों के द्वारा ही पढ़ाया जा सकता है

(3) सभी बच्चों को सिनेमा देखना बहुत पसन्द होता है

(4) सभी बच्चों को एफ एम पर प्रसारित गीत पसन्द होते हैं

ANS : 1

SACHIN ACADEMY

Q.108. हिन्दी भाषा में सतत और व्यापक आकलन का मुख्य उद्देश्य है

(1) बच्चों की लिखित परीक्षा लेना

(2) बच्चों की भाषा प्रयोग सम्बन्धी क्षमता के विकास में मदद करना

(3) बच्चों का एक से अधिक बार परीक्षण करना

(4) बच्चों द्वारा की गई त्रुटियों की पहचान करना

ANS : 2

Q.109. निम्नलिखित में से कौन-सी विधा का अनिवार्यतः सस्वर पठन किया जाना अपेक्षित है?

(1) निबन्ध (2) एकांकी (3) जीवनी (4) आत्मकथा

ANS : 2

Q.110. नीना की कक्षा में बच्चे अक्सर एक संकल्पना/वस्तु /प्राणी के लिए अलग-अलग भाषाओं के शब्द खोजते हैं। नीना ऐसा क्यों करती है?

(1) बच्चों को व्यस्त रखने के लिए

(2) बच्चों की मातृभाषाओं की जानकारी प्राप्त करने के लिए

(3) बहुभाषिकता को बढ़ावा देने के लिए

(4) शिक्षण को अधिक रोचक व व्यस्ततापूर्ण बनाने के लिए

ANS : 3

Q.111. उच्च प्राथमिक स्तर पर बच्चों को भाषा-प्रयोग का आकलन करने में सबसे कम प्रभावी है

(1) जाँच सूची (2) पोर्टफोलियो (3) अवलोकन (4) बातचीत

ANS : 1

Q.112. आप सस्वर पठन में अनिवार्यतः किस साहित्यिक विधा का समर्थन करेंगे?

(1) एकांकी का (2) यात्रावृतान्त का (3) जीवनी का (4) आत्मकथा का

ANS : 1

SACHIN ACADEMY

Q.113. भाषा-शिक्षक का दायित्व है कि वह

(1) सभी बच्चों को समान रूप से गृहकार्य दे

(2) सभी बच्चों में भाषा-प्रयोग की एकसमान कुशलता विकसित करे

(3) सभी बच्चों से समान रूप से प्रश्न पूछे

(4) सभी बच्चों की सहज भाषायी क्षमता को पहचाने

ANS : 4

Q.114. कक्षा में दृष्टिहीन बच्चों के समावेशन के लिए आप क्या करेंगे?

(1) उन्हें भाषा-सम्बन्धी आसान कार्य देंगे

(2) पढ़ाने के बाद उनसे कोई भी सवाल नहीं पूछेगे

(3) धीमी गति से पाठ पढ़ते हुए उसके वर्णन को विस्तार देंगे

(4) ब्रेल लिपि में सामग्री उपलब्ध होने की प्रतीक्षा करेंगे

ANS : 3

Q.115. आगमन विधि में हम बढ़ते हैं

(1) भाषा से व्याकरण की ओर

(2) व्याकरण से भाषा की ओर

(3) नियम से उदाहरणों की ओर

(4) उदाहरणों से नियम की ओर

ANS : 4

Q.116. उच्च प्राथमिक स्तर पर लेखन क्षमता का आकलन करते समय आप किस बिन्दु को सर्वाधिक महत्त्व देंगे?

(1) वर्तनीगत शुद्धता

(2) विचारों की मौलिकता

(3) तत्सम शब्दावली

(4) मिश्रित वाक्य-संरचना

ANS : 2

Q.117. भाषा सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को रोचक और सोद्देश्यपूर्ण बनाने में सर्वाधिक प्रभावी है।

SACHIN ACADEMY

(1) कहानी, कविता की पंक्तियाँ देखकर लिखना (2) टी.वी. धारावाहिकों के नाम लिखना

(3) कक्षा के प्रिंट समृद्ध परिवेश का उपयोग (4) पाठ्य-पुस्तक के अभ्यास

ANS : 3

Q.118. एक व्यक्ति ने पूछ लिया - "कैसा है वह मुरलीवाला, मैंने तो उसे नहीं देखा ! क्या वह पहले खिलौने भी बेचा करता था ?" एक पाठ का यह अंश पढ़ने के दौरान _____ के विशिष्ट संदर्भ में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है।

(1) अनुतान (2) लिखने (3) उच्चारण (4) अवबोध

ANS : 1

Q.119. इनमें से कौन-सा शब्द शब्दकोश में सबसे पहले आएगा ?

(1) सिलसिला (2) सीरत (3) सिम्त (4) सिरजती

ANS : 3

Q.120. कक्षा सात में हिंदी भाषा के आकलन की दृष्टि से सबसे कम प्रभावी है –

(1) बातचीत (2) श्रुतलेख (3) प्रश्न निर्माण (4) अवलोकन

ANS : 2

SACHIN ACADEMY

SACHIN ACADEMY YouTube

https://www.youtube.com/channel/UC7Pb8pDlwmU8UvEx2Q6K5GA

CP STUDY POINT YouTube

https://www.youtube.com/results?search_query=CP+STUDY+POINT

SACHIN ACADEMY